हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, रविवार 29 मार्च 2026

STARSHINE

Warranty lambi ho, toh faisla asaan ho jaata hai

Starshine Fans
5 Saal ki Warranty ke saath.

5 YEAR WARRANTY on High-Speed Starshine Fans.

"Images are for representation purposes only"

www.starshine.co.in

ATUL

# भारत के इतिहास में पहली बार जीवन भर मुफ्त बिजली

## मात्र 1 रुपए प्रति किलोवाट के दर से भुगतान करके आज ही बुक करें सोलर सिस्टम एवं गिफ्ट पाए 30 हज़ार* से 5 लाख* तक का

**भारत सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत (केंद्र सरकार +राज्य सरकार +एडवांस सोलर) से पायें सब्सिडी 1,28,000 एवं 30 वर्षों के अनुभव एवं विश्वास के साथ एडवांस इंटरनेशनल ग्रुप अब सोलर के क्षेत्र में क्रांति ला रही है।**

**छत्तीसगढ़ के सभी गाँव, ब्लॉक, तहसील एवं जिला हेतु-मुफ्त बिजली अब सबके लिये मुफ्त बिजली के साथ अब अतिरिक्त बिजली बेचकर कमा भी सकते है**

| सोलर पैनल क्षमता | कुल सब्सिडी केंद्र सरकार + राज्य सरकार + एडवांस सोलर कंपनी द्वारा सब्सिडी* | एडवांस सोलर कंपनी द्वारा गिफ्ट / डिस्काउंट (on MRP) | गिफ्ट/डिस्काउंट + कुल सब्सिडी + OTP डिस्काउंट के पश्चात बेस प्राइस | मासिक EMI सब्सिडी के पश्चात | मासिक बिजली बचत रुपये*(लगभग) | सोलर सिस्टम सोलर सिस्टम लगाने के लिए छत पर जगह की ज़रूरत |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 3kw (3000 watt) | 123,000/- 78,000 + 30,000 +15000 | 30,000/- | 48,000/-* | 650/-* | ₹2400 से 3000 तक | 150 sq ft |
| 4kw (4000 watt) | 128,000/- 78,000 + 30,000 +20000 | 30,000/- | 84,000/-* | 1050/-* | ₹3200 से 4000 तक | 210 sq ft |
| 5kw (5000 watt) | 128,000/- 78,000 + 30,000 +20000 | 40,000/- | 1,25,000/-* | 1670/-* | ₹4000 से 5000 तक | 270 sq ft |
| 8kw (8000 watt) | 128,000/- 78,000 + 30,000 +20000 | 80,000/- | 2,70,000/-* | 3543/-* | ₹6400 से 8000 तक | 420 sq ft |
| 10kw (10000 watt) | 128,000/- 78,000 + 30,000 +20000 | 1,40,000/- | 3,60,000/-* | 4668/-* | ₹8000 से 10,000 तक | 510 sq ft |

Note: Installation Charge + Transportation Charge + 5% GST Will Be Additional

## एक देश - एक रेट

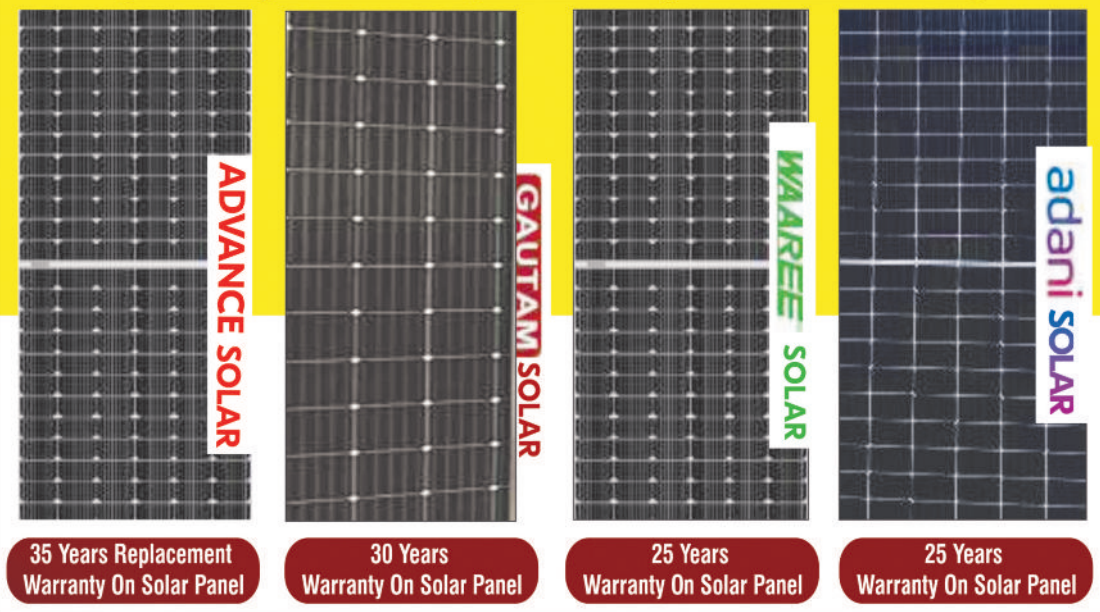


अब दिन हो या रात-सीएसईबी की बिजली कट होने पर भी एडवांस हाइब्रिड सोलर से आपके घर की बिजली जलती रहेगी

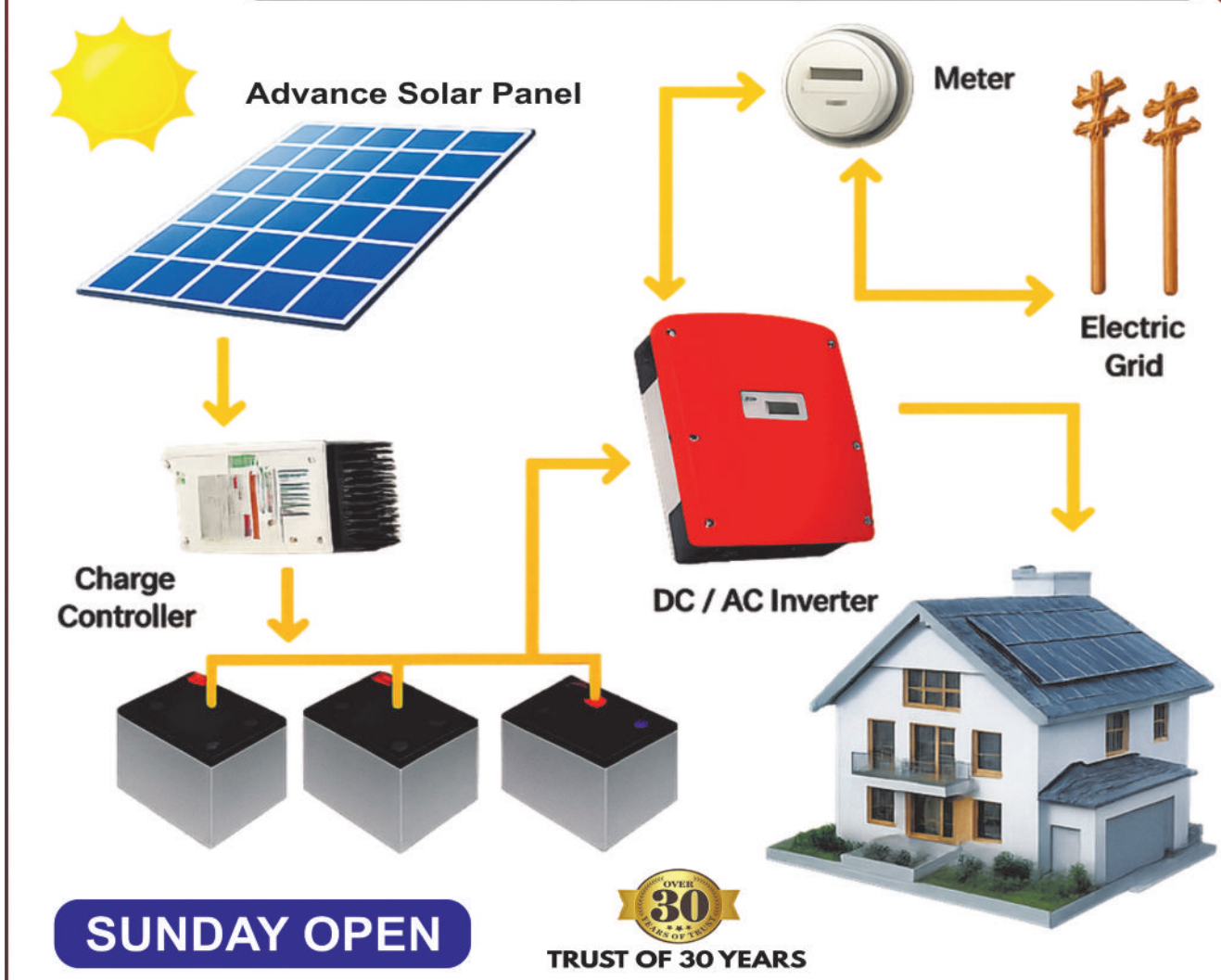


**SUNDAY OPEN**

TRUST OF 30 YEARS

सोलर पैनल एडवांस,अडानी, वारी, गौतम

स्ट्रक्चर (फ्रेम)- हैवी गैल्वेनाइज्ड आयरन

केबल्स- फिनोलेक्स, हैवल्स, खेतान

इन्वर्टर - हैवल्स, पॉलीकैब, वारी, एडवांस

सोलर पैनल वारटी- 35 वर्ष , इंवर्टर वारंटी- 15* वर्ष, फ्री सर्विस 5 वर्ष

AC केबल- 4 MM 2 Core Copper (Havels), कम्पलीट अर्थिंग केबल 6 Sq.MM Copper DC केबल 4 Sq.MM Copper (Havels)

### एडवांस सोलर कंपनी द्वारा सोलर सिस्टम लगवाने के फायदे

- भारत की सबसे बड़ी* सोलर ईपीसी कंपनी
- सर्विस इंडस्ट्री का सर्वाधिक 30 वर्षों का अनुभव
- देश के 9 राज्यो में 700 कर्मचारियों के माध्यम से सर्विस उपलब्ध
- मार्च 2026 तक देश के 25 राज्यो तक एडवांस सोलर की सेवाये
- सबसे ज़्यादा 35 वर्ष वारंटी सोलर पैनल में एवं 15 वर्ष रिप्लेशमेंट वारंटी इन्वर्टर में प्रदान करने वाले एकमात्र कंपनी
- आधुनिक तकनीक के साथ सोलर मॉड्यूल तकनीक का उपयोग
- ई-बीम फायर प्रूफ डीसी वायर का उपयोग करने वाली एक मात्र कंपनी
- 6 Sq.MM कॉपर द्वारा सभी अर्थिंग सिस्टम लगाने वाली एकमात्र कंपनी
- छतीसगढ़ की सबसे बड़ी टीम प्रत्येक ब्लॉक, तहसील एवं शहर हेतु
- हर घर सोलर अभियान' सहित फ्री गिफ्ट एवं डिस्काउंट ऑफर
- 3 KW हेतु 123000 एवं 5 किलोवाट हेतु 128000 की कुल सब्सिडी स्कीम

### शासकीय क्रमचारी एवं सीएसईबी के कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त छूट

### OTP डिस्काउंट ऑफर

**पूर्ण भुगतान एक बार में कीजिए एवं ओटीपी (वन टाइम पेमेंट) डिस्काउंट ऑफर में अतिरिक्त डिस्काउंट का लाभ लेवे ।**

- 3 kw -3000/- OTP discount
- 8 kw-8000/- OTP discount
- 5 kw-5000/- OTP discount
- 10 kw-10000/- OTP discount

## डीलरशिप ऑफर !!

जुड़िये भारत की सबसे बड़ी सोलर ईपीसी कंपनी के साथ एवं पायें व्यवसाय के साथ बेहतर भविष्य

एडवांस सोलर कंपनी द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रत्येक ब्लॉक, तहसील एवं जिला हेतु डीलर बनने का ऑफर दिया जा रहा है। आज ही एडवांस सोलर कंपनी का डीलर बने एवं कमाये 5 लाख से 10 लाख तक प्रतिमाह । अपने क्षेत्र में डीलर बनने हेतु आवेदन हेतु करे

www.advancesolar.in पर भी आप आवेदन कर सकते है या इस लिंक के माध्यम से भी आप आवेदन कर सकते है https://advancesolar.in/dealer.php

**Call / Whatsapp 9109969159 / 8839871093**

### कौन कौन बन सकते हैं कंपनी ऑथराइज़्ड डीलर

वर्तमान व्यवसायी | सरकारी कर्मचारी | प्राइवेट क्रमचारी | कोई भी महिला | संविदा कर्मचारी | एलआईसी एजेंट | किसान | एडवोकेट | जमीन /रियल एस्टेट एजेंट | टीचर/प्रोफेसर | आंगनबाड़ी कार्यकर्ता | सभी तरह के दुकानदार | कॉलेज स्टूडेंट | इंटेरियर /आर्किटेक्ट | डॉक्टर/इंजीनियर

## एडवांस सोलर डीलरशिप के फायदे !!

- ★ सोलर पॉवर क्षेत्र में कार्य करना एक बेहतर भविष्य का निर्माण करना है एवं सर्विस इंडस्ट्री में 30 वर्षों के अनुभव के साथ एडवांस सोलर भारत की सबसे तेजी से बढ़ती हुई कंपनी है।
- ★ भारत का पहला बिज़नेस मॉडल जिसमे ग्रांटेड लाभ एवं जीरो लॉस की गारंटी है।
- ★ भारत का पहला बिज़नेस मॉडल जिसमें लागत का 20 गुना तक आय प्रतिवर्ष लिया जा सकता है।
- ★ सोलर पावर के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग एवं सभी तरह के सोलर सिस्टम रेंज (1KW SE 10 MW) की उपलब्धता (ऑफ़ ग्रिड, ऑन ग्रिड, हाईब्रिड)
- ★ छतीसगढ़ सहित देश के 25 राज्यो में टीम का विस्तार एवं सर्विस उपलब्ध
- ★ छतीसगढ़ सहित भारत के किसी भी राज्य में पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत सोलर सिस्टम लगाने का मौका
- ★ छतीसगढ़ की सबसे बड़ी सोलर टीम के साथ काम करने का मौका
- ★ छतीसगढ़ की सबसे बड़ी सोलर वेयरहाउस एवं हमेशा (2-10 किलोवाट 1000 सोलर किट की)उपलब्धता का फायदा
- ★ अपने ब्लॉक, तहसील, जिला में एडवांस सोलर का एक्सक्लूसिव डीलरशिप स्कीम का लाभ
- ★ प्रतिमाह न्यूनतम 30 ग्राहक की सूची कंपनी द्वारा दिया जाएगा (जिनके द्वारा सोलर लगाने हेतु
- ★ एडवांस सोलर कंपनी में ऑनलाइन/ऑफलाइन आवेदन किया गया है)
- ★ एडवांस सोलर द्वारा प्रदान की जाने वाली अतिरिक्त सब्सिडी का लाभ
- ★ एडवांस सोलर कंपनी द्वारा चलायी जा रही सोलर क्रांति एवं हर घर सोलर अभियान का लाभ
- ★ सम्पूर्ण छतीसगढ़ सहित संपूर्ण भारत में विज्ञापन का लाभ (न्यूज़ पेपर, टीवी, होर्डिंग, सोशल मीडिया, फ्लेक्स, पॉम्पलेट)
- ★ सम्पूर्ण विज्ञापन सहित डीलर के ऑफिस, दुकान, शोरूम में डेकोरेशन सहित फ्रंट लाइट बोर्ड एवं डिस्प्ले की व्यवस्था
- ★ कंपनी द्वारा डीलर के सपोर्ट के लिए 24x7 बैकअप टीम उपलब्ध
- ★ उपभोक्ता हेतु सम्पूर्ण पेपर वर्क, बैंक फाइनेंस वर्क, सब्सिडी वर्क हेतु टीम कंपनी द्वारा प्रदान
- ★ डीलर को सेल्स ट्रेनिंग, टेक्निकल ट्रेनिंग सहित डेली online / offline मीटिंग की सुविधा
- ★ डीलर हेतु मासिक, क्वार्टरली एवं वार्षिक गिफ्ट स्कीम सहित प्रत्येक डीलर को प्रतिवर्ष एक विदेश FREE टूर
- ★ एक क्षेत्र में केवल 1 डीलर की नियुक्ति, 5 वर्ष तक केवल डीलर के माध्यम से ही उस क्षेत्र में सोलर सिस्टम लगाया जाएगा।
- ★ प्रत्येक डीलर को घरेलू के साथ कमर्शियल एवं इंडस्ट्रियल सोलर सिस्टम लगाने की विकल्प उपलब्ध
- ★ प्रत्येक डीलर को अपने कार्यक्षेत्र में 100 चैनल पार्टनर बन कर व्यापार बढ़ाने का विकल्प उपलब्ध जिसका चैनल पार्टनर सर्टिफिकेट एडवांस सोलर द्वारा दिया जावेगा।
- ★ प्रतिवर्ष प्रत्येक डीलर को न्यूनतम 5 सोलर सिस्टम मुफ्त (शाशन के सब्सिडी दर पर सार्वजनिक क्षेत्र में जनसेवा हेतु जैसे मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च, सामाजिक संस्था कार्यालय, महिला समूह कार्यालय)

**आज ही एडवांस सोलर के रायपुर कार्यालय विजिट करें एवं स्पॉट बुकिंग करके 5000 का अतिरिक्त डिस्काउंट एवं आकर्षक गिफ्ट घर ले जाए।**

ऑफर केवल 29 से 31 मार्च 2026 हेतु...

50 किलोवाट से 50 मेगावाट तक कमर्शियल, इंडस्ट्रियल, हाउसिंग सोसाइटी हेतु फाइनेंस सुविधा न्यूनतम दर पर उपलब्ध
अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें- 7970288888

यदि आप पीएम सूर्यघर वेंडर है तो छतीसगढ़ के सबसे बड़े सोलर स्टॉक सेंटर से सभी कंपनी के पैनल, इन्वर्टर एवं सम्पूर्ण सोलर किट न्यूनतम मूल्य पर प्राप्त कर सकते है। कॉल /व्हाट्स एप्प- 9109969111

India Largest Solar EPC Company

**ADVANCE SOLAR**

CG-MP-UP-DELHI-ORISSA-BIHAR- JHARKHAND-MAHARASTRA-RAJASTHAN

DOMESTIC-COMMERCIAL -INDUSTRIAL

www.advancesolar.in

solaradvance4@gmail.com

Terms and condition apply

**City office (For Customer Visit)**

ADVANCE SOLAR PVT. LTD., LAVISH LIFE BUILDING BESIDE MOWA BRIDGE, NEAR LODHIPARA CHOWK, RAIPUR, CHHATTISGARH
MO: 9109969101, 9109969162, 7970288888

**Technical office**

IIS CAMPUS KAVILAS NAGAR BHANPURI RAIPUR CG

**अधिक जानकारी हेतु एडवांस कंपनी जिला अधिकारी से संपर्क करें एवं इंजीनियर विजिट हेतु आज ही रजिस्ट्रेशन करायें.**

रायपुर- 9109969101, 9109969119, 9109969109, दुर्ग- 9109969125, भिलाई -9109969110, बालोद 9109969110, बेमेतरा 9109969107, कबीरधाम (कवर्धा) 9109969116, राजनांदगांव 9109969111, मुंगेली 9109969141, बिलासपुर- 9203403597, खैरागढ़ हुईखदान मंडई 9109969107, मोहला मानपुर-8839871093, उत्तर बस्तर-7970288888, कोरिया-8839871093, सरगुजा-9203403599, बलरामपुर-रामानुजगंज- 9926157982, सूरजपुर 9109969145, जशपुर 9109969113, कोरबा -9109969116, गोरेला पेंड्रा मरवाही-9109960113, जांजगीर-चापा-9109969110, सकती-9109522101, महासमुंद 9100969109, गरियाबंद-9109969125, बलोदाबाजार-भाटापारा 9109989119, धमतरी 9109969113, धमतरी- 9203403599, कांकेर- 9203403599 (उत्तर बस्तर) 9109909113, नारायणपुर-9109969113, कोडागांव-9109960119 (जगदलपुर)-0100969125, बीजापुर-9109969116, सुकमा-9109969107, दंतेवाडा (दक्षिण बस्तर) 9109069113, धरमजयगढ़-सारंगढ़-9109969125

### स्थायी जॉब हेतु आवेदन

- एडवांस सोलर कंपनी संपूर्ण छत्तीसगढ़ में 700 से अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति कर रही है
- एडवांस सोलर कंपनी में सेल्स/मार्केटिंग/इंस्टालेशन जॉब हेतु आवेदन करे

9109969106
9109969114

Khanna Advt.

आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹103903/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹126900/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹138523/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply


# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 29 मार्च 2026


### कांग्रेस कार्यकाल में उगाही : भावना

*पंडरिया क्षेत्र में विकास कार्य और शक्कर कारखाने को लेकर किए गए सवाल का जवाब देते पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उन्होंने अपने परिश्रम का 100 प्रतिशत दिया है। जिससे उन्हें संतुष्टि है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल में शुगर फैक्ट्री का लोन 17.5 प्रतिशत था। एक भी बार कांग्रेस कार्यकाल में पेमेंट नहीं हुआ। हमारी सरकार आई तो लोन का पेमेंट किया गया। उन्होंने कहा कि पंडरिया शक्कर कारखाना को कांग्रेस कार्यकाल में उगाही का केंद्र बना दिया गया था।*

# कवर्धा की जनता से मिली नक्सलवाद के खात्मे की ताकतः डिप्टी सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

अलग खबर

हरिभूमि-आईएनएच के जिला संवाद कार्यक्रम में कवर्धा के विधायक और राज्य में गृहमंत्री का दायित्व संभाल रहे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने क्षेत्र के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें नक्सलवाद के खात्मे के लिए ताकत कवर्धा की जनता से ही मिली है। कार्यक्रम में पंडरिया विधायक भावना बोहरा, सांसद संतोष पांडे और पंडरिया की पूर्व विधायक ममता चंद्राकर से भी खुलकर संवाद हुआ। इसके अलावा सामाजिक कार्यकर्ता, प्रबुद्धजनों और जिले के कलेक्टर-एसपी से भी विकास को लेकर सवाल-जवाब हुए।

### कवर्धा का विकास प्राथमिकता

*31 मार्च तक केंद्रीय गृहमंत्री के नक्सलवाद के खात्मे को लेकर दी गई डेडलाइन पर कार्य करने का दबाव प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा पर होने को लेकर डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने सवाल किया कि आपसे काफी उम्मीदें बंधी हैं। नक्सलवाद के खात्मे के लिए आप जुटे हुए हैं, ऐसे में कवर्धा के लिए ध्यान दे पाते हैं या नहीं ?*

इस पर गृह एवं पंचायत मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह कवर्धा क्षेत्र की जनता की ताकत ही है, जो हम बस्तर में काम कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब कवर्धा की बात आती है तो पार्टी और राजनीति से परे होकर हम केवल कवर्धा के लिए सोचते हैं। उन्होंने कहा कि कवर्धा के लिए महत्वपूर्ण यहां के जिला अस्पताल को 100 से 200 बिस्तर का किया गया। यहां मेडिकल कॉलेज स्वीकृत हुआ। जिसका निर्माण कार्य अभी हो रहा है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

### हरिभूमि -आईएनएच के संवाद में स्थानीय विकास पर चर्चा

### जनता ने भूपेश को हराकर वापस भेजा : संतोष पांडे

सांसद संतोष पांडे द्वारा पहला चुनाव एक लाख मतों से और दूसरा चुनाव लगभग 44 हजार मतों से जीतने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव के समय अफवाह फैलाती थी। कहा जाता था कि संविधान खत्म हो जाएगा, जिसका कुछ नुकसान मुझे हुआ। उन्होंने कहा कि हममें भी कुछ कमियां रही होगी। जिसकी हम समीक्षा करेंगे। वहीं दूसरे कार्यकाल के चुनाव के दौरान पूर्व ▶▶| शेष पेज 5 पर

### कांग्रेस कार्यकाल में हुआ बेहतर विकास : ममता

कांग्रेस कार्यकाल के 5 वर्ष और वर्तमान शासन के दो वर्ष के तुलनात्मक सवाल पर पंडरिया की पूर्व विधायक ममता चंद्राकर ने कहा कि सरकार में रहना ज्यादा अच्छा था। 5 साल के कार्यकाल में हमारी कांग्रेस सरकार ने बेहतर काम किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, कृषि सब पर काम हुआ। ▶▶| शेष पेज 5 पर

### जंगल से जटिल था नक्सलियों का अर्बन नेटवर्क 16 साल पहले भिलाई में हुआ था एनकाउंटर

जेएम तांडी ▶▶| भिलाई

*नक्सलियों के खिलाफ फोर्स केवल जंगलों में ही नहीं जूझ रही थी। माओवादी विचारधारा के पोषक शहरों में भी थे। अर्बन नक्सलियों का नेटवर्क बेहद जटिल था। उसे तोड़ने में पुलिस को लंबा अर्सा लगा। 2010 में दुर्ग पुलिस ने नक्सलियों के शहरी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था। जामुल और भिलाई शहर जब रात के अंधेरे में गहरी नींद में था। अचानक गोलियों की आवाज सुनकर लोग जागे। बोगदा पुलिया जामुल, घासीदास नगर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, एसीसी सीमेंट फैक्ट्री और कॉलोनी में मौजूद लोग गोलियों की तड़तड़ाहट सुन किसी अनहोनी की आशंका से सहम उठे।*

*भिलाई में झारखंड, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र आदि नक्सल प्रभावित राज्यों समेत भारत के सभी राज्यों के लोग निवास करते हैं। ऐसे में किसी भी प्रदेश से यहां आए नये व्यक्ति के बारे में* ▶▶| शेष पेज 5 पर

### मिले थे जिंदा कारतूस व पिस्टल

*पुलिस के मुताबिक मौके पर दो पिस्टल बरामद हुआ। एक 9 एमएम का व दूसरा 0.32 एमएम का पिस्टल। पुलिस की मानें तो 9 एमएम की पिस्टल से मृत नक्सली ने पुलिस पर फायर किया था। पुलिस ने दोनों पिस्टल के चेंबर व मेगजीन से एक-एक कारतूस बरामद किया। पंचनामा कार्रवाई के बाद थैले की तलाशी ली गई। मृतक नक्सली नागेश के थैले से 5 सौ का बंडल 49 हजार नगद,* ▶▶| शेष पेज 5 पर

### रक्त से सींचा है अमन का चमन... शहीदों को कोटि-कोटि नमन

राजेश दास ▶▶| नारायणपुर

बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले का माड़ इलाका नक्सलियों का सबसे मजबूत किला माना जाता था। दुर्दांत नक्सली यहां पनाह पाते थे। नक्सलियों के सबसे मजबूत किले माने जाने वाले नारायणपुर जिले को नक्सलमुक्त करना इतना आसान नहीं था। नक्सलियों के साम्राज्य को समाप्त करने में 35 वर्ष लग गए। कभी छत्तीसगढ़ की रक्तिम पहचान बना माओवादी व उनकी विचारधारा अब आखिरी सांस रही है। यह वक्त उन शहीदों को नमन करने का है जिन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया ताकि हम यह दिन देख सकें। राजनांदगांव के बाद दूसरी कहानी बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले की जो कुछ समय पहले तक नक्सलियों का सबसे महफूज व मजबूत इलाका माना जाता था। यहां नक्सल संगठन के माड़ डिवीजन की तूती बोलती थी। बाहरी लोगों को तो यहां आने की मनाही थी। यहां तक कि स्थानीय बाशिंदों को भी पूरी पड़ताल के बाद ही गांव में जाने के लिए इन्ट्री मिलती थी।

नक्सल खात्मे की डेडलाइन 3 दिन बाकी

नक्सलियों ने बकायदा यहां चेकपोस्ट बनाया था जहां स्थानीय ▶▶| शेष पेज 5 पर

## 1993 में हुई थी पहली शहादत देवसिंह कुरमि, आखिरी शहीद हुए बीते साल खोटलू राम कुरमि

# नक्सलियों का मजबूत गढ़...माड़ डिवीजन को खत्म करने में 149 जवानों ने दी कुर्बानी

शहीद श्री देवसिंह कोर्राम
दिनांकः 28.02.1993
पहली शहादत

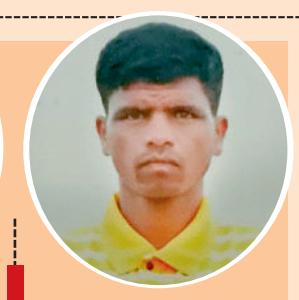

शहीद खोटलूराम कोर्राम
दिनांकः 21.05.2025
आखरी शहादत

### नक्सलियों ने चेकपोस्ट बनाया था, बाहरी ही नहीं, स्थानीय लोगों की भी होती थी गहन जांच

### 26 वर्ष पहले एएसपी समेत 23 जवान हुए थे शहीद

जिले में एक बड़ी घटना नारायणपुर थाना क्षेत्र में 20 फरवरी 2000 के सुबह 10:10 बजे हुई थी। ग्राम बाकुलवाही नाला के पास चढ़ाव कोचवाही रोड में हुए बारूदी सुरंग विस्फोट में एडिशनल एसपी समेत 23 जवान शहीद हो गए थे। ग्राम जम्हरी में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर एएसपी भास्कर दिवान अपने फोर्स को आवश्यक ब्रिफिंग कर 407 वाहन में सवार होकर सूचना की तस्दीक के लिए रवाना हुये थे। ग्राम कोचवाही नाला के पास पंहुचे थे कि 25-30 नक्सलियों द्वारा ग्राम कोचवाही नाला के पास बारूदी सुरंग विस्फोट किया गया जिससे 407 वाहन में सवार एएसपी भास्कर दिवान और 23 जवान शहीद हो गये।

### केन्द्रीय अर्धसैनिक के शहीदों में ये शामिल

नारायणपुर जिले में तैनात सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, मिजो व नागा बटालियन के शहीद जवानों में सीआरपीएफ 140 वीं बटालियन के प्रधान आरक्षक विजनपाल, आरक्षक धर्मेन्द्र सिह, जयप्रकाश, व्ही मैथ्यू, सहायक सेनानी सीआरपीएफ विकास चन्द्रा, प्रधान आरक्षक जगन्नाथ चेटिया, दिनेश पाण्डे, प्रशात कुमार विश्वाल, सब इंसपेक्टर रोशन मिंज, मुस्ताक अहमद, बीजू कुमार एस, जय कुमार एस, एसआई आरएस कांग, के तिम्मना, रमेश चन्द्रपात्र, नरपत सिंह बोगा, पातंनु कुमार ढाल, वीरयल मंहता, जतिन गुलांटी, एमपी सिंह, विद्याधर बारीक, आरएन दास, सजि कुमार एस, रंजन ▶▶| शेष पेज 5 पर

### शहीद सीएफ, डीएसएफ, बस्तर फाईटर, सहायक आरक्षक, गोपनीय सैनिक व नगर सैनिक

राज्य पुलिस बल में सबसे बड़े पुलिस अधिकारियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भास्कर दीवान के अलावा आरक्षक देवसिंह कोर्राम, एसआई बीएस नेताम, एएसआई सुरेन्द्र ठाकुर, प्रधान आरक्षक बनसिंह मरकाम, मनाजरूलहक, पुरनसिंह यादव, लखुराम कोर्राम, दशरथराम नेताम, जार्ज कुजूर, प्यारेलाल सोम, कन्हैया लाल कुंजाम, दिलीप कुमार कोसरे, हेमंत कुमार नागवंशी, मुन्ना सिंह,, रतन सिंह, मिलउराम तेता, संतोष बघेल, मोतीराम बघेल, दिनेश दयाल, फखरुद्दीन, सोमारू उर्फ मुरा, लख्खू, रामचंद्र, दुक्का राम, खिलावन बिसेन, सुखदेव, रामसिंह उर्फ गागरा, योगेश मरकाम, जयसिंह ठाकुर, शिवलोचन साहू, विश्वेश्वर चक्रवर्ती, मुरलीधर सिन्हा, चंदर सिंह मरावी, शिवनारायण, ▶▶| शेष पेज 5 पर

## बैन के बाद भी थोक में खुलीं सट्टा साइट्स, बिलासपुर में सट्टेबाजी रिकार्डिंग हरिभूमि के पास

# बैन के बाद भी सट्टा बेलगाम, टीम 'हरिभूमि' ने बनाई आईडी, दर्जनों वेबसाइट्स एक्टिव

रायपुर से ललित राठोड़, बिलासपुर से विकास चौबे

हरिभूमि लाइव

भारत में ऑनलाइन सट्टा ऐप्स और वेबसाइट्स पर रोक लगाने के बाद भी इंटरनेट पर इनका कारोबार अब भी बेलगाम है। सुप्रीम कोर्ट की रोक और सरकार द्वारा 7000 से अधिक वेबसाइट्स को ब्लॉक किए जाने के बावजूद, आईपीएल शुरू होते ही इंटरनेट पर ऑनलाइन सट्टा खेलने के लिए कई नई वेबसाइट्स बन चुकी हैं। इनमें बड़ी आसानी से लॉगिन करने के बाद मैच की हर बॉल पर दांव लगाया जा रहा है। कुछ वेबसाइट्स ऐसी भी हैं जिन्हें पहले ब्लॉक कर दिया गया था, लेकिन अब वे पुराने नामों से मिलते-जुलते ▶▶| शेष पेज 5 पर

### 4rabet120.com, baterybets, 1webhr और luckkudo.life जैसी दर्जनों वेबसाइट्स

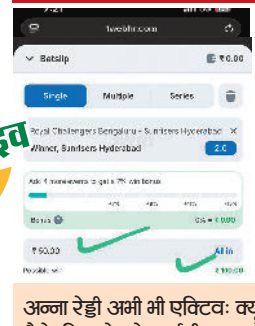

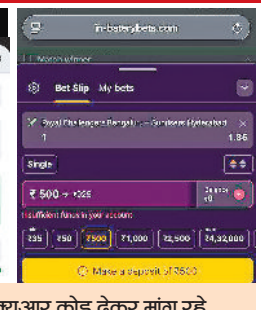

**अन्ना रेड्डी अभी भी एक्टिवः क्यूआर कोड देकर मांग रहे पैसे, फिर दे रहे आईडीः** सट्टा खेलने के लिए अन्ना रेड्डी नाम की वेबसाइट लोगों के बीच काफी चर्चित है। इसमें लॉगिन करने के लिए आईडी की आवश्यकता होती है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

### सट्टे की भाषा

| | |
|---|---|
| बुकी | डिब्बा |
| एजेंट | पंटर |
| क्लाइंट | लाइन |
| एक लाख | एक पैसा |
| सवा लाख | सवा पैसा |

**बिलासपुर में चकरभाठा सट्टे का बड़ा बाजारः** बिलासपुर में चकरभाठा सट्टे का सबसे बड़ा बाजार है तो सरकंडा क्षेत्र धीरे-धीरे इसका गढ़ बनता जा रहा है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

### शहर के प्रमुख खाइवाल ने बताया

- **हरिभूमि-** आईपीएल में सट्टा कैसे लगाया जाता है, क्या करना होगा
- **खाइवाल-** आईपीएल का सट्टा लाइन पर चलता है। लाइन का नंबर छोटे शहरों में बैठे बुकी के पास होता है। बुकी ही लोगों को सट्टा खिलवाते हैं। मैच शुरू होने के साथ भाव तय होता है। मजबूत और कमजोर टीम के हिसाब से लाइन पर भाव आते हैं। इस भाव के आधार पर ही युवा बुकी के जरिए सट्टे पर रुपए लगाते हैं। इसके अलावा प्रति ओवर, प्रति बाल के हिसाब से भी लोग सट्टा लगाते हैं। सट्टा लगाने वाले व्यक्ति को लाइन कहा जाता है, जो एजेंट यानी पंटर के माध्यम से बुकी (डिब्बे) तक संपर्क करता है। एजेंट को एडवांस देकर अकाउंट खुलवाना पड़ता है, जिसकी एक लिमिट होती है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

### आईपीएल का आगाज, आरसीबी और सनराइजर्स के बीच पहला मुकाबला

**बेंगलुरु।** गत चैंपियन आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबले के साथ आईपीएल के नए सत्र का आगाज हुआ। इस मुकाबले में आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इस मुकाबले में आरसीबी ने जैकब डफी और अभिनंदन सिंह को मौका दिया है। दोनों ने शनिवार को आईपीएल में डेब्यू किया।

सनराइजर्स को 6 विकेट से हराया, ईशान किशन की पारी पर फिरा पानी

### मौन रहकर दी श्रद्धांजलि

सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच आईपीएल 2026 के मैच से ठीक पहले बेंगलुरु भगदड़ में जान गंवाने वाले क्रिकेट प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी गई। टॉस के बाद जब दोनों टीमें खेलने के लिए मैदान पर उतर रही थीं तो स्टेडियम में मौजूद सभी दर्शक, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के अधिकारी और दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मौन रहकर श्रद्धांजलि दी।

आजकल हरिभूमि

***अमेरिका-इजराइल वर्सेस ईरान युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी और मानवीय भी हैं। फिलहाल देश में पेट्रोल -डीजल का तो कोई तत्काल संकट नहीं है, किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है। साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं, लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। उधर, भारत के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव के तहत इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। क्या भारत इस संकट की स्थिति से उबर पाएगा, इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

# ऊर्जा संकट की असली चुनौती अभी बाकी

**विश्लेषण**

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

**अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।**

ईरान के विरुद्ध इजराइल-अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को प्रारंभ किया गया संयुक्त आक्रमणकारी युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। यदि यह विनाशकारी युद्ध भविष्य में भी इसी गति से चलता रहा तो फिर पहले से आच्छादित हो चुका वैश्विक ऊर्जा संकट अत्यंत विकट और विकराल स्थिति में पहुंच जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले 5 दिनों के लिए और फिर 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। साथ ही यह चेतावनी भी जारी की है कि यदि ईरान द्वारा भविष्य में खाड़ी देशों के ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर ईरान द्वारा आक्रमण किया जाता है तो फिर अमेरिका ईरान के गैस और तेल निर्माण के ठिकानों पर भयंकर आक्रमण अंजाम देगा और उसके तमाम ऊर्जा उपक्रमों को नष्ट कर देगा। साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने दावा पेश किया है कि ईरान के साथ युद्ध को खत्म करने के लिए शांति वार्ता निरंतर जारी है।

## भारत पर भी पड़ रहा प्रभाव

युद्ध के कारणवश उत्पन्न हुई वैश्विक ऊर्जा संकट के चलते हुए भारत पर भी इसका जबरदस्त प्रभाव स्थापित हो गया है। फिलहाल भारत में पेट्रोल और डीजल का तो कोई तत्काल संकट उपस्थित नहीं हुआ है। भारत सरकार के अनुसार अभी दो महीनों का पेट्रोल और डीजल स्ट्रैटेजिक रिजर्व के तौर पर भारत के पास विद्यमान है। किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के मध्य एक शुभ समाचार आया कि अमेरिका ने ईरान के क्रूड ऑयल निर्यात पर आयद की गई अंतरराष्ट्रीय पाबंदी को अस्थाई तौर पर स्थूल कर देने का ऐलान किया है। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज को दिए गए साक्षात्कार में फरमाया है कि डोनाल्ड ट्रंप सरकार द्वारा फिलहाल समुद्र में खड़े हुए ईरान के तेल जहाज पर आयद पाबंदी में अस्थायी तौर पर ढील प्रदान करने का फैसला लिया है। से अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों बैरल तेल की सप्लाई प्रारंभ हो सकती है।

## तेल के निर्यात पर पाबंदी हटी

इस युद्ध के कारण शिपिंग और क्रूड ऑयल निर्यात में उत्पन्न हुई गंभीर रुकावट की क्षतिपूर्ति भी हो सकती है। अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। स्कॉट बेसेंट के अनुसार समुद्र में फिलहाल अभी 17 करोड़ बैरल तेल के कार्गो विद्यमान हैं। भले ही ईरानी क्रूड ऑयल की अंतरराष्ट्रीय बिक्री के लिए 10 से 15 दिनों तक छूट क्यों ना प्रदान की जा सकती है। अमेरिकन खरीदारों तक इसके पहुंच की मंजूरी प्रदान करने से क्रूड ऑयल सप्लाई की दिक्कतें कम होने और कीमतों को नियंत्रित करने में निश्चित तौर पर निर्णायक मदद मिल सकती।

## चीन सबसे बड़ा खरीदार

इस कदम से ईरान का जो तेल चीन में जा रहा है, वो क्रूड ऑयल दूसरे एशियाई देशों की तरफ भी अपना रुख मोड़ सकता है। इससे चीन को बाजार दर पर तेल खरीदना पड़ सकता है। साथ ही भारत, जापान, मलेशिया, फिलिपींस आदि दक्षिण एशिया के देशों के लिए क्रूड ऑयल उपलब्ध हो सकेगा। चीन अभी तक ईरानी क्रूड ऑयल का सबसे बड़ा खरीदार रहा है। फिलहाल तो भारत की रिफाइनरियों ने समुद्र में विद्यमान कार्गो जहाजों पर लदे हुए लाखों बैरल रूसी क्रूड ऑयल को ही खरीदा है। खाड़ी देशों से आयातित होने वाले क्रूड ऑयल का अधिकांश हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। फिलहाल युद्ध के जारी रहते हुए होर्मुज स्ट्रेट से कार्गो जहाजों की आवाजाही अत्यंत बाधित हो चुकी है। 2018 में ईरान पर सख्त अंतरराष्ट्रीय पाबंदियां आयद किए जाने से पहले तक भारत द्वारा कुल आयातित क्रूड ऑयल का तकरीबन 15 प्रतिशत हिस्सा ईरान से आयात किया जाता था। अमेरिकन वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के मुताबिक इस वक्त तकरीबन ईरान का 17 करोड़ बैरल क्रूड ऑयल समुद्र में कार्गो शिप्स पर विद्यमान है। ईरान का यह समस्त तेल पहले से अनुबंधों से कदाचित बंधा हुआ नहीं है। ईरानी क्रूड ऑयल का एक हिस्सा इस समय विक्रय के लिए तैयार है। अगर अमेरिका द्वारा इन पाबंदियों को ढीला कर दिया जाता है अथवा उनका शक्ति से पालन नहीं होता तो फिर इस क्रूड ऑयल की अतिरिक्त सप्लाई अंतरराष्ट्रीय मार्केट में आ सकती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिफाइनरियां ईरानी तेल को अपने सिस्टम में लाने के लिए सक्षम रही हैं और उसके प्रोसेसिंग के लिए बहुत कम ऑपरेशन बदलाव की आवश्यकता होगी। भारतीय रिफाइनरियों के पास पहले से ही ईरानी क्रूड ऑयल को प्रोसेस करने का बाकायदा अनुभव और तकनीक उपलब्ध रही है।

## रिफाइन तेल निर्यात जारी

देखा जाए तो विश्व पटल पर भारत वस्तुतः क्रूड ऑयल को रिफाइन करने वाला सबसे बड़ा चौथा देश है। क्रूड तेल और गैस सप्लाई में विकेट बाधाओं का सामना करते हुए भी भारत ने चीन की तरह रिफाइन तेल के अंतरराष्ट्रीय निर्यात पर रोक आयद नहीं की है। हालांकि भारत के समक्ष भी ऊर्जा संकट की कड़ी चुनौतियां विद्यमान हैं। फिलहाल तो भारत के सामने पेट्रोल-डीजल की समुचित सप्लाई का कोई तत्कालीन संकट उपस्थित नहीं है, किंतु युद्ध जारी रहता है तो फिर भारत में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई पर विकट संकट का सामना करना पड़ सकता है। ईरान पर आयद पाबंदियों को ढीला करने के लिए अमेरिका के वित्त मंत्री के ऐलान को अमलीजामा पहनाने में अभी और वक्त लग सकता है, क्योंकि उनके ऐलान पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई स्पष्ट ऐलान नहीं किया गया है।

# तथ्यात्मक मुद्दों पर वोट करें मतदाता

जागरूकता

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

आगामी कुछ दिनों में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, जिसको लेकर पक्ष-विपक्ष पूरी ताकत लगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। इन चुनावों में सत्ता पक्ष के लिए चुनौती थोड़ी ज्यादा इसलिए बढ़ी हुई है, चूंकि इस समय ऊर्जा संकट को लेकर माहौल बना हुआ है। अब सवाल यही है कि क्या विपक्ष धरातल व तथ्यात्मक मुद्दों के साथ ऊर्जा संकट का तड़का लगाकर सत्ता पक्ष को घेरता है और वहीं इसके विपरीत सत्ता पक्ष यह बताने में सार्थक हो पाता है कि सब ठीक है।

## संसाधनों की मांग बढ़ी

जैसा कि मिडिल ईस्ट तनाव की वजह से देश में ऊर्जा संकट के दौरान बिजली, कोयला, पेट्रोल, या गैस जैसे ऊर्जा संसाधनों की मांग उनकी कुल आपूर्ति से थोड़ी अधिक हो गई। इसकी वजह से ईंधन की कमी के कारण उद्योग, परिवहन, और घरेलू उपयोग की चीजों पर थोड़ा प्रभाव पड़ गया है और यदि यह प्रकरण लंबा चला तो स्थिति थोड़ी चिंताजनक हो सकती है। इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। इस मामले को लेकर जनता को यह समझना होगा कि यह कोई स्थायी समस्या नहीं है और यह आज नहीं तो कल खत्म हो जाएगी, लेकिन वोट देने वाले लोगों को यह समझना होगा कि वह अपने उन मुद्दों पर वोट करें, जिससे वह पांच सालों से संतुष्ट या असंतुष्ट रहे हैं। जनता को यह भी समझना होगा कि यह एक वैश्विक स्तर की आपदा है।

**उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं।**

## विश्व पटल पर प्रयास

इसके निवारण के लिए विश्व पटल पर प्रयास भी किया जा रहा है और यदि इस वजह से कुछ समय की लिए देश गति धीमी अर्थात महंगाई बढ़ना या संसाधनों में कमी भी आ जाती है तो इस मुद्दे को लेकर वोट करने पर अपनी विचारधारा न बांधें चूंकि आप जिन मुद्दों को बीते पांच वर्षों से गहनता के साथ समझ रहे हैं, चाहे वो सकारात्मक हो या नकारात्मक उस पर अपनी विचारधारा के साथ अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। जनता को वोट डालते समय अपनी तरक्की, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, और स्थानीय विकास जैसे सड़क, बिजली, पानी के मुख्य मुद्दों को मद्देनजर रखते हुए अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं, लेकिन अपनी क्षेत्रीय जनता के लिए काम बहुत बेहतर करते हैं। इन चुनावों में कई मौजूदा मुख्यमंत्रियों के लिए भी यह मुकाबला ऐतिहासिक साबित हो सकता है। ममता बनर्जी चौथी बार लगातार सत्ता में लौटने का लक्ष्य लेकर मैदान में हैं।

## लगातार जनादेश पाने की कोशिश

वहीं, एम के स्टालिन दूसरी बार लगातार जनादेश पाने की कोशिश कर रहे हैं। हेमंत बिसवा भी असम में दूसरी बार सरकार बनाने की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि पिनाराई विजयन केरल में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने का रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे तो हर राज्य का चुनाव महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल का चुनाव पक्ष-विपक्ष के लिए वर्चस्व की लड़ाई मानी जाती है। जैसा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव फिर से हर बार की तरह मुद्दों से कहीं परे होगा। यहां का चुनाव तो भारत-पाकिस्तान के मैच की तरह रोमांच बनाता है। चूंकि यहां की जनता के मस्तिष्क में पार्टियों ने मुद्दों के अलावा केवल वजूद की लड़ाई को भर रखा है। बहरहाल, हर मतदाता को अपनी सूझबूझता के साथ गुणवत्ता के आधार पर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए और यह समझना चाहिए कि केंद्र में बैठी सरकार को अपने देश की चिंता होती है। वह हर स्थिति में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करती है। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि विषम परिस्थियों में धैर्य और विश्वास ही काम आता है।

# तंगी है पर घरेलू भंडारण से उम्मीद

**चिंतन**

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया का तेल भंडार, जिसे हम तेल रिजर्व कहते हैं, वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था और अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह कच्चा तेल यानी क्रूड ऑयल जमीन के अंदर, खासकर समुद्री सतह के नीचे पाया जाता है। इसका निर्माण लाखों-करोड़ों वर्षों में समुद्री जीवों और वनस्पतियों के अवशेषों पर दबाव और तापमान के प्रभाव से होता है। यही कारण है कि तेल एक सीमित प्राकृतिक संसाधन माना जाता है। तेल रिजर्व के काम को तीन मुख्य चरणों में समझा जा सकता है- खोज, उत्पादन और भंडारण। सबसे पहले वैज्ञानिक आधुनिक तकनीकों, जैसे सिस्मिक सर्वे के जरिए यह पता लगाते हैं कि जमीन के नीचे तेल कहां मौजूद हो सकता है। इसके बाद ड्रिलिंग यानी कुओं की खुदाई करके कच्चा तेल बाहर निकाला जाता है।

## उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत

यह प्रक्रिया काफी जटिल और महंगी होती है, जिसमें उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत होती है। निकाले गए कच्चे तेल को रिफाइनरियों में भेजा जाता है, जहां उसे पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और अन्य उपयोगी उत्पादों में बदला जाता है। लेकिन केवल उत्पादन ही पर्याप्त नहीं होता। हर देश भविष्य की जरूरतों और आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए तेल का भंडारण भी करता है, जिसे स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व यानी एसपीआर कहा जाता है। अमेरिका, चीन और भारत जैसे बड़े देश अपने-अपने स्तर पर बड़े पैमाने पर तेल का भंडारण करते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि यदि युद्ध, प्राकृतिक आपदा या आपूर्ति में बाधा जैसी स्थिति उत्पन्न हो, तो देश को ऊर्जा संकट का सामना न करना पड़े। भारत ने भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। दक्षिण भारत के विशाखापत्तनम, बेंगलुरु और पादुर जैसे स्थानों पर रणनीतिक तेल भंडार विकसित किए गए हैं। ये भंडार आपात स्थिति में देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायक साबित होते हैं।

***तेल रिजर्व संकट के समय मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।***

## घरेलू भंडारण क्षमता काफी मजबूत

यह भी स्पष्ट है कि भारत की घरेलू भंडारण क्षमता पहले की तुलना में काफी मजबूत हुई है। इसके साथ ही, भारत का सीमित घरेलू उत्पादन और विभिन्न देशों के साथ अच्छे संबंधों के चलते कच्चे तेल का आयात भी संतुलित बना हुआ है। यही कारण है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश की ऊर्जा स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। तेल रिजर्व केवल ऊर्जा आपूर्ति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका सीधा असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी कारण से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो कीमतों में तेजी से वृद्धि होती है। ऐसे समय में देश अपने रणनीतिक भंडार से तेल जारी करके बाजार में आपूर्ति बढ़ाते हैं, जिससे कीमतों के अत्यधिक बढ़ने को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

## बाजार को स्थिर रखने की कोशिश

हाल के युद्ध जैसे हालात जैसे ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच तनाव ने एक बार फिर यह दिखाया है कि तेल रिजर्व कितने महत्वपूर्ण हैं। भारत सहित कई देशों ने अपने भंडार का उपयोग कर बाजार को स्थिर रखने की कोशिश की है। केंद्र सरकार का दावा है कि देश में पेट्रोल और डीजल का लगभग 60 दिनों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि तेल रिजर्व एक स्थायी समाधान नहीं हैं। इनकी मात्रा सीमित होती है और लंबे समय तक संकट रहने पर इनका असर कम हो सकता है। इसके अलावा, तेल की कीमतें काफी हद तक तेल उत्पादक देशों के संगठन, ओपेक की नीतियों पर भी निर्भर करती हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि तेल रिजर्व युद्ध और संकट के समय एक मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

# पश्चिम एशिया युद्ध अर्थव्यवस्था पर बढ़ाएगा दबाव

**चुनौती**

रवि शंकर

स्वतंत्र स्तंभकार

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इसका असर अब एशियाई देशों पर साफ दिखने लगा है। एशिया के ज्यादातर देश तेल और गैस के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर हैं, इसलिए सप्लाई में रुकावट आते ही कीमतें बढ़ गई हैं। इसका सीधा असर इन देशों के खर्च, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

ऊर्जा की कीमतें बढ़ना सिर्फ पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। इसका असर ट्रांसपोर्ट, बिजली, खेती और खाने-पीने की चीजों तक पहुंचता है। गैस की कमी से फर्टिलाइजर उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे खेती महंगी हो जाती है और फूड प्राइस बढ़ने लगते हैं। ऐसे में तेल की कीमत बढ़ते ही आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ता है। इस संकट का असर एक नहीं, बल्कि चार बड़े चैनलों से एशिया तक पहुंच रहा है। पहला, तेल और गैस के आयात महंगे हो रहे हैं। दूसरा, ट्रांसपोर्ट और हवाई यात्रा बाधित हो रही है, जिससे टूरिज्म पर असर पड़ रहा है।

तीसरा, पश्चिम एशिया से आने वाली रेमिटेंस में कमी का खतरा है। और चौथा, वित्तीय बाजारों में डर बढ़ रहा है, जिससे निवेश कम हो सकता है। इन चारों का संयुक्त असर अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में उभरे इस संकट से भारत भी अछूता नहीं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिमी एशिया में उपजे संकट पर लोकसभा में बात रखी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ता तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर प्रतिकूल असर डाल रहा है, जिसका प्रभाव भारत पर भी पड़ सकता है।

साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यतः खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण

**भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है।**

है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ी हैं और मानवीय भी हैं। कुल मिलाकर, यह संकट एशिया के लिए एक डबल झटका बनकर सामने आ रहा है। एक तरफ महंगी ऊर्जा और बढ़ती महंगाई, और दूसरी तरफ धीमी होती आर्थिक ग्रोथ। दुनिया के कई ऐसे देश हैं, जहां इस संकट का असर दिखना शुरू हो गया है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला, तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

## रणनीतिक स्वायत्तता की परीक्षा

ऐसे में पश्चिम एशिया का संकट केवल विदेश नीति की चुनौती नहीं है, बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की एक व्यापक परीक्षा है, जो ऊर्जा, खाद्य, समुद्री क्षेत्र, प्रवासी समुदाय और आर्थिक सुरक्षा के बीच गहरे अंतर्संबंधों को उजागर करती है। इससे मिलने वाला स्थायी सबक यह है कि लचीलापन बार-बार आने वाले झटकों से निपटने में नहीं, बल्कि विद्युतीकरण, विविधीकरण, घरेलू क्षमता निर्माण और दीर्घकालिक रणनीतिक दूरदर्शिता के माध्यम से बाहरी निर्भरता को व्यवस्थित रूप से कम करने में निहित है।

# वस्तुओं-सेवाओं पर आर्थिक मार से आम आदमी त्रस्त

**दृष्टिकोण**

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

यह कठोर सत्य है कि विज्ञान, प्रगति, तकनीक तथा आधुनिकता की अति ने लोगों व देशों के मतभेदों को भयंकर वैश्विक युद्धों में परिवर्तित कर दिया है। इजराइल और ईरान के मध्य लगभग एक महीने से युद्ध हो रहा है। अमेरिका भी इजराइल की ओर से युद्धरत है। युद्धक प्रक्षेपास्त्रों द्वारा हो रहे हमलों के कारण इजराइल, ईरान तथा अमेरिकी सैन्य संरचनाओं व अन्य संसाधनों को अपने यहां स्थापित करने वाले खाड़ी के देशों सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, इत्यादि में हजारों लोग मर चुके हैं। हजारों की संख्या में बुरी तरह घायल हैं।

इन सभी देशों के महत्वपूर्ण शासकीय भवन, आवासीय परिसर तथा तेल व गैस की संरचनाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। लाखों मानवों के सामने भूख-प्यास से पीड़ित होते हुए दीर्घ विस्थापन का संकट पसर चुका है। इन देशों में अब तक चली आ रही जीवन की सामान्य गतिविधियां ठप हैं। अमेरिकी मिसाइलों द्वारा ईरान के परमाणु संवर्द्धन स्थलों, तेल-गैस की संरचनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक ठिकानों पर किए गये अनेक हमलों के कारण ईरान के माध्यम से यूरोप व एशिया को होने वाली तेल-गैस की आपूर्ति तात्कालिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि आगामी दिनों-महीनों के लिए भी बाधित हो गई है।

हालांकि वैश्विक तेल आपूर्ति में ईरान की हिस्सेदारी लगभग दो या तीन प्रतिशत है, किंतु दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पहुंचने वाला बीस प्रतिशत कच्चा तेल व द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ईरान, ओमान व संयुक्त अरब अमीरात की समुद्री सीमाओं के रास्ते होकर पहुंचता है। ईरान पर दशकों से लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत भी अपनी आवश्यकता का तेल व गैस रूस और इराक से खरीद रहा था, लेकिन भारत तक जो भी 40 प्रतिशत कच्चा तेल व 54 प्रतिशत से अधिक एलएनजी आती है, उसका आयात संकरे होर्मुज मार्ग से ही संभव हो पाता है। भूमध्य सागर की इस समुद्री पारिस्थितिकी के एक माह तक युद्ध में फंसे होने के कारण, दुनिया को निर्यात होने वाला तेल-गैस ठप हो गया था। अब, जब अमेरिका से लेकर भारत, चीन से लेकर

**युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं।**

रूस तथा यूरोप से लेकर पश्चिम व पूरे एशिया क्षेत्र में तेल-गैस की सुचारू आपूर्ति बाधित होने से, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में ठहराव के गंभीर संकेत मिलने लगे हैं तो अमेरिका के नेतृत्व में युद्ध को रुकवाने की कोशिशें होने लगी हैं। हालांकि युद्ध को रोकने के लिए पूरी दुनिया के प्रमुख देश प्रयास तो कर ही रहे थे, किंतु जिन देशों के अस्त्र-शस्त्र विनिर्माताओं व कारोबारियों के कारोबारी हित युद्ध को चलाये रखने के साथ जुड़े हुए थे, एक महीने तक उनके हथियारों की युद्धक खपत के बाद अर्थात युद्ध की बदौलत चलने वाले उनके कारोबारी फायदे के बाद, अब तेल-गैस की आपूर्ति बाधित होने से होने वाले अखिल वैश्विक नुकसान की समीक्षा होने लगी है।

वैश्विक ग्राम में परिवर्तित दुनिया के शीर्ष दस देशों की अर्थव्यवस्था की चमक केवल युद्ध होते रहने से नहीं बढ़ेगी। उत्तर आधुनिक काल के जीवन की सामान्य दैनिक गतिविधियों के बल पर ही यह चमक बढ़ेगी, इसलिए अब विशेषकर अमेरिका की ओर से युद्ध थामने की कोशिशें होने लगी हैं। यदि युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो पूरी दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाले इस देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं, जो होर्मुज के युद्ध प्रभावित होने से एक माह की अवधि तक पिछड़ गई है। ऐसे में भारत के आम आदमी के सामने अनेक समस्याएं उभर रही हैं। तेल-गैस की सामान्य आपूर्ति नहीं हो पा रही। युद्धावधि के दौरान घरेलू व व्यावसायिक गैस की कीमतें भी बढ़ गई थीं। आगामी दिनों में भी कीमतें बढ़ सकती हैं। उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था में तेल-गैस प्रमुख भूमिका में हैं। इनकी आपूर्ति में बाधा के कारण उद्योग, व्यापार में ठहराव है। परिवहन क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित है। आधुनिक जीवन व्यवस्था में एक वस्तु की आपूर्ति में संकट उत्पन्न होने से अनेक अन्य वस्तुओं-सेवाओं का व्यापार अवश्य प्रभावित होता है।

तेल व गैस मुख्य पांच आवश्यकताओं में शामिल हैं। भविष्य में ऐसे किसी भी संकट का सामना करने के लिए देश को ऊर्जा, ईंधन के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है। भारत के शासनतंत्र में विपक्ष की भूमिका, वैश्विक युद्धों तथा प्राकृतिक संकटों की पुनरावृत्ति के बाद भी नागरिकों के प्रति दायित्वबोधी नहीं हो पा रही है। विपक्ष के कारण भारतीय लोकतंत्र के प्रति अधिसंख्य संवेदनशील नागरिकों में मौन गंभीर विद्रोह पसर रहा है।

अब सिर्फ 3 दिन ही बचे महीना खत्म होने में, लगभग 23 लाख हितग्राहियों को अब तक नहीं मिला खाद्यान्न


# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी


## बिलासपुरः राशन दुकानों में सुबह से लंबी कतार

सरकारी राशन दुकानों में रोजाना सुबह से लेकर दोपहर तक भीड़ जुट रही है क्योंकि स्लो सर्वर ने परेशानी बढ़ा दी है। पहले तो साफ्टवेयर अपडेट करने के कारण पांच दिनों तक राशन दुकानों को बंद रखा गया और जब अब दुकान तो खुला लेकिन अधिकतर उपभोक्ताओं को राशन नहीं मिला। दुकानदारों ने सर्वर डाउन होना बताकर लोगों को चलता कर दिया।

ध्यान रहे कि 21 से 26 मार्च के बीच आधार इनेबल्ड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम का सॉफ्टवेयर आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपडेट किया गया। मुख्य सर्वर से ई-केवाईसी डेटा को जोड़ने के ▶▶|शेष पेज 5 पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और मैनपुर

# अपडेट के बाद ई-पॉस मशीनों में स्टॉक हुआ शून्य 8वें दिन कुछ राशन बंटा, कुछ लौटे खाली हाथ

खास खबर

सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत उचित मूल्य की दुकानों में आठ दिनों से हितग्राहियों को खाद्यान्न ही नहीं मिल पा रहा है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग का साफ्टवेयर अपडेट करने के की वजह से 21 से 25 मार्च तक उचित मूल्य की दुकानें बंद रहीं, वहीं साफ्टवेयर अपडेट होने के बाद जब दुकानें खुलीं, तो जिस ई-पॉस मशीनों के माध्यम से स्टॉक की प्राप्ति और हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण किया जाता है, उन मशीनों में स्टॉक जीरो हो गया। ▶▶|शेष पेज 5 पर

### साफ्टवेयर बना सिरदर्द

मार्च क्लोजिंग महीना होने के बावजूद साफ्टवेयर को अपडेट करने के लिए 21 से 25 मार्च की तारीख तय करने का निर्णय गलत साबित हुआ है। दुकानदारों के अनुसार हर महीने के शुरुआती 4 दिनों तक वैसे ही उचित मूल्य की दुकानों में सर्वर की समस्या के कारण वितरण नहीं हो पाता। इसके बावजूद इन दिनों में साफ्टवेयर अपडेट नहीं किया गया। इसी प्रकार साफ्टवेयर अपडेट के दौरान ई-पॉस मशीनों से स्टॉक गायब हो गया।

### दुर्ग जिले की 656 राशन दुकानों में दिक्कतें

दुर्ग। दुर्ग जिले के 656 पीडीएस दुकानों में ई पॉस सिस्टम तकलीफ दे रहा है। 21 से 25 मार्च तक राशन दुकानें ई पॉश मशीन को अपडेशन करने के लिए बंद की गई थी। 26 मार्च से जब राशन वितरण चालू हुआ तो सर्वर की समस्या बताने लगे। स्थिति यह है कि एक हितग्राही को खाद्यान लेने के लिए आधा घंटे लग रहा है। उन्होने बताया कि दो बार ई पॉस मशीन में अंगूठा लगाना पड़ रहा है। एक बार अंगूठा लगाया उसके ▶▶|शेष पेज 5 पर

मैनपुर

### 65 फीसदी को नहीं मिला राशन

गरियाबंद जिले में 367 राशन दुकान में 2 लाख 18 हजार राशन कार्डधारी हैं। इनमें से करीब 65 फीसदी कार्डधारियों को इस महीने अनाज नहीं मिला है जबकि महीना खत्म होने को है। चार-पांच दिन से लोग आ रहे हैं और खाली हाथ लौट रहे हैं। खाद्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आगामी वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होने के मद्देनजर पूरे राज्य का स्टॉक अपडेट किया जा रहा है। सॉफ्टवेयर अपडेट किया जा रहा है, ▶▶|शेष पेज 5 पर


inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366


## खबर संक्षेप

### रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन विजयपत का निधन

**नई दिल्ली।** रेमंड के पूर्व चेयरमैन, पद्म भूषण से सम्मानित और जाने-माने एविएटर विजयपत सिंघानिया का निधन हो गया है। उनका निधन मुंबई में 87 वर्ष की आयु में हुआ। बेटे गौतम सिंघानिया ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उनके निधन की जानकारी दी। पद्म भूषण से सम्मानित विजयपत सिंघानिया न केवल रेमंड में अपने नेतृत्व के लिए जाने जाते थे, बल्कि एविएशन के प्रति अपने जुनून के लिए भी मशहूर थे। हॉट एयर बैलून में सबसे ज्यादा ऊंचाई तक पहुंचने का विश्व रिकॉर्ड भी उनके नाम था। विजयपत सिंघानिया के अंतिम संस्कार के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन रविवार, 29 मार्च को होगा।

## ईरान जंग के बीच बड़ा खेल, बढ़ी टेंशन, चीन-तुर्की को तगड़ा झटका!

# ऊर्जा संकट के बीच बुरी खबर रूस चार महीने नहीं बेचेगा तेल

**अमेरिका-इजरायल की ईरान से जंग के बीच रूस ने बड़ा झटका दिया है। रूसी सरकार घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतों को स्थिर रखने के लिए 1 अप्रैल से गैसोलीन के निर्यात प्रतिबंध लगाएगी। रूस का यह फैसला कुछ देशों के लिए एनर्जी मार्केट में और संकट पैदा कर सकता है, जो रूस से डायरेक्ट गैसोलीन का आयात करते हैं। इसमें चीन, तुर्की, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर जैसे देश शामिल हैं। इधर, भारत के लिए राहत की एक और खबर आई, जब दो तेल टैंकर होर्मुज स्टेट पार कर लिया।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने कहा कि संकट के कारण ग्लोबल तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव आ रहा है, लेकिन विदेशों में रूसी ऊर्जा की मांग मजबूत बनी हुई है। यह घोषणा नोवाक की अध्यक्षता में घरेलू पेट्रोलियम उत्पाद बाजार की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक के बाद की गई। बैठक के दौरान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के घरेलू ईंधन की कीमतों को अधिक बढ़ने से रोकने पर जोर दिया गया। ऊर्जा मंत्रालय ने ▶▶|शेष पेज 5 पर

### 1 अप्रैल से रूस ने पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

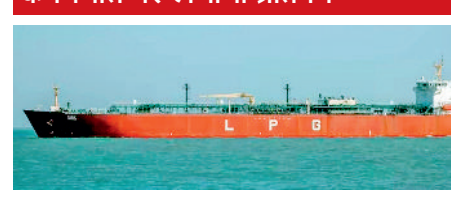

### भारतीय जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट को किया पार

भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। दो एलपीजी टैंकर, बीडब्ल्यू ईएलएम और बीडब्ल्यू टीवाइआर, ईरान जंग के बीच खतरनाक बनी होर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर गए हैं। दोनों जहाज साए की तरह साथ-साथ चलते हुए करीब 27 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गल्फ ऑफ ओमान की ओर बढ़ रहे हैं।

### जंग पर चर्चा करेंगे तीन देशों के विदेश मंत्री

ईरान-अमेरिका के बीच मध्यस्थता को लेकर पाकिस्तान में 29-30 मार्च को बैठक होगी। पाकिस्तान की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सऊदी अरब, तुर्किए और मिस्र के विदेश मंत्री शामिल होंगे। बैठक के दौरान ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध की वजह से पैदा हुए तनाव को कम करने और अन्य कई क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी।

### पीएम मोदी ने सऊदी के क्राउन प्रिंस से की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में एक महीने से चल रहे संघर्ष की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की।

## इजरायल के 50 फाइटर जेट ने बरसाए बम

मिडिल-ईस्ट में तनाव अब और भी ज्यादा बढ़ गया है। यूएस-ईरान वॉर अब विध्वंसक रूप लेता दिख रहा है। इजरायल ने ईरान के अंदर घुसकर 50 फाइटर जेट्स से ताबड़तोड़ बम बरसाए। बताया जा रहा है, ये हमला इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े ठिकानों, हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों को निशाना बनाया। इस हमले में कितने लोग मारे गए हैं। इजरायली सेना के एक अधिकारी ने बताया कि ये हमला कई घंटों तक चला।

### हूती विद्रोही भी ईरान युद्ध में कूदे

इजरायल के साथ कई मोर्चों पर लड़ रहा है। एक तरफ उसका जंग ईरान के साथ है तो वहीं वह हिजबुल्लाह को भी निशाना बना रहा है। लेकिन इस बीच एक और बड़ी खबर सामने आई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने भी अब इस जंग में सीधे तौर पर एंट्री मार दी है। उसने इजराइल के दक्षिणी शहर बेर्शेबा और आसपास के इलाकों सैकड़ों बम बरसाए हैं।

# सीएम साय की दो टूक, गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी पर लें एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पश्चिम एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री निवास में सीएम विष्णुदेव साय ने अधिकारियों के साथ हाईलेवल मीटिंग की। उन्होंने अफसरों से कहा, गैस सिलेंडर सहित आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सभी पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों के भंडारण एवं आपूर्ति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा, हर परिस्थिति में ▶▶|शेष पेज 5 पर

### मुख्यमंत्री ने ली हाईलेवल समीक्षा बैठक

### ऑनलाइन बुकिंग सामान्य रूप से जारी

बैठक में एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश में गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति नियमित रूप से जारी है। गैस सिलेंडरों की ऑनलाइन बुकिंग सामान्य रूप से संचालित है। उज्ज्वला गैस कनेक्शन के लिए 45 दिन तथा सामान्य गैस कनेक्शन के लिए 25 दिन की समय सीमा निर्धारित है और वर्तमान में उसी अंतराल के अनुसार बुकिंग की जा रही है। पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन में भी किसी प्रकार की बाधा नहीं है और पूरे प्रदेश में स्थिति सामान्य है।

### हर जिले में बनाया जाए कंट्रोल रूम

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम एशिया संकट पर सभी राज्यों के साथ विस्तृत चर्चा की गई है और यह आश्वस्त किया गया है कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है। राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है तथा उच्च स्तरीय समिति द्वारा स्थिति की सतत निगरानी की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में भी कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए तथा प्रभारी सचिव और कलेक्टर नियमित समीक्षा करें। अफवाहों और भ्रामक खबरों से बचने आमजन तक तथ्यात्मक जानकारी पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

मप्र, छग और राजस्थान के विधायक रहेंगे

## भोपाल में होगा तीन राज्यों के युवा विधायकों का सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मप्र विधानसभा में युवा विधायकों का दो दिनी सम्मेलन 30 और 31 मार्च को विधानसभा के विधान परिषद हाल में आयोजित होने जा रहा है। सम्मेलन में राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्यों मप्र के 18, छत्तीसगढ़ के 15 तथा राजस्थान के 22 युवा विधायक शामिल होंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 30 मार्च ▶▶|शेष पेज 5 पर

'जेन जेड' के विरोध-प्रदर्शनों पर कार्रवाई

## एक्शन में बालेन, नेपाल के पूर्व पीएम ओली गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| काठमांडू

नेपाल में पिछले साल सितंबर में हुए 'जेन जेड' विरोध-प्रदर्शनों की जांच करने वाले उच्चस्तरीय आयोग की रिपोर्ट को तुरंत लागू करने के नवगठित सरकार के फैसले के एक दिन बाद शनिवार ▶▶|शेष पेज 5 पर

### क्या है आरोप

पूर्व पीएम ओली और पूर्व गृहमंत्री लेखक को पिछले साल आठ और नौ सितंबर को हुए 'जेन जेड' आंदोलन को दबाने में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस आंदोलन में 76 लोग मारे गए थे। आंदोलन से जुड़े घटनाक्रम की जांच के लिए गठित आयोग ने ओली और लेखक सहित अन्य लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की है।

वीडियो हुआ वायरल, निरीक्षण पर पहुंचे अधीक्षक

## जेल वार्ड में कैदी को घर का खाना, मोबाइल फोन!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड में गंभीर बीमारी बताकर भर्ती किए गए कैदी को विशेष सुविधाएं प्रदान किए जाने का मामला सामने आया है। कैदी को अस्पताल में घर जैसी सुविधाएं दी जा रही थी। परिजन मोबाइल फोन लेकर जेल वार्ड में प्रवेश कर रहे थे। जेल वार्ड का ताला खुला रहता है। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं भी कैदी को उपलब्ध ▶▶|शेष पेज 5 पर

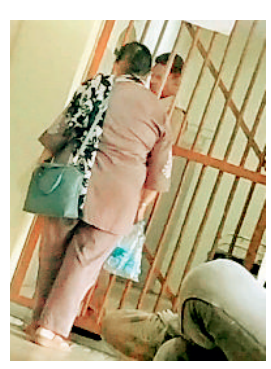

### चल रही है जांच

शिकायत पर अस्पताल के जेल वार्ड का निरीक्षण किया गया है। जेल वार्ड में अन्दर बाहर दो ताले हैं। बाहर का ताला खुला हुआ था, इसलिए दो प्रहरियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। कैदी को डॉक्टर के पर्ची के आधार पर एक अटेंडर की अनुमति दी गई थी। इस मामले की जांच चल रही है।
-अक्षय सिंह राजपूत, जेल अधीक्षक

# तरकश

संजय के दीक्षित

## ब्रांडेड शराब, मुख्य सचिव और खेला

रमन सरकार 2.0 के दौरान शराब माफियाओं को झटका देते हुए गवर्नमेंट द्वारा शराब बेचने की नीति बनाई गई थी, उसमें शराब खरीदने-बेचने वाली स्टेट मार्केटिंग कंपनी में चीफ सिकरेट्री को पदेन चेयरमैन बनाया गया था। इसलिए, ताकि कोई गड़बड़ी न हो। बावजूद इसके 3200 करोड़ का घोटाला हो गया। हालांकि, मुख्य सचिव बनते के बाद विकास शील ने स्टेट मार्केटिंग कंपनी की पहली बैठक में ही शराब में 'वन टू का फोर' के खेल को बंद करने की कवायद शुरू कर दी। उससे पहले शराब कंपनियां दुकानों में प्रतिद्वंद्वी कंपनियों की बजाए अपना ब्रांड रखवा देती थी। इससे लोग पसंदीदा ब्रांड के लिए भटकते रहते थे। स्टेट कंपनी के अफसरों से गठजोड़ कर इस खेल को अंजाम दिया जाता था। मगर आश्चर्य यह है कि बीजेपी की सरकार आने के बाद भी पिछले दो साल से ये खेल बदस्तूर जारी था। बहरहाल, सीएस ने अब 'मनपसंद' ऐप्प चालू करवा दिया है। अब ऐप्प पर जाकर देखा जा सकता है कि किस शॉप में उनके पसंद का ब्रांड उपलब्ध है और कहां नहीं। दूसरा, अब शराब खरीदने के लिए यूपीआई से पेमेंट करना होगा। यानी नो कैश ट्रांजेक्शन। दरअसल, ईडी इसी खेल की जांच कर रही है...कई अफसर सलाखों के पीछे हैं। खेल था...सरकारी शराब के पैरेलेल प्रायवेट तौर पर शराब बेचकर करोड़ों अंदर करना। यूपीआई से पेमेंट होने पर अब गोलमाल संभव नहीं हो पाएगा। अलबत्ता, सीएस के इस एक्शन से कई शराब कारोबारियों को झटका लगा है। कसमसा तो आबकारी विभाग वाले भी रहे हैं और कुछ बीजेपी के नेता भी, क्योंकि उनके पेट पर चोट पहुंच रही।

## सरकार संज्ञान ले

बात निकली चीफ सिकरेट्री के अहम संस्थाओं में चेयरमैन बनाने की तो सीजीएमएससी भी उनमें शामिल था। बता दें, स्वास्थ्य मंत्री अमर अग्रवाल के दौर में सीजीएमएससी का गठन किया था और उसमें मुख्य सचिव को पदेन चेयरमैन बनाया गया था। ताकि, नीचे के मुलाजिमों में भय बना रहे। मगर पिछली सरकार में इसे उलट सरगुजा से विधायक डॉ0 प्रीतम राम को ढाई करोड़ लोगों की जान की रक्षा करने वाले सीजीएमएससी का चेयरमैन बना दिया गया। चलिये प्रीतम राम तो पेशे से चिकित्सक थे, उन्हें दवा, मशीन के बारे में कुछ तो जानकारियां रही होगी। बीजेपी शासनकाल में दीपक महस्के को इस निगम का अध्यक्ष बनाया गया है। जाहिर है, बीजेपी का आईटी सेल देखने वाले महस्के को मेडिकल लाइन का एबीसीडी का ज्ञान नहीं होगा। और जब डॉक्टर के चेयरमैन होने के बाद सीजीएमएससी में 400 करोड़ का रीएजेंट घोटाला हो गया...आधा दर्जन अफसर और सप्लायर जेल में हैं और आधा दर्जन कभी भी भीतर जा सकते हैं तो फिर इस समय क्या होगा, भगवान ही मालिक है।

## वीआईपी एमडी

ऐसा जलवा तो निगम, बोर्डों में पोस्टेड आईएएस एमडी भी नहीं काटते होंगे, जैसा बिजली कंपनी के एक प्रबंध निदेशक काट रहे हैं। उनके काफिले में एक पायलट गाड़ी चलती है। उसमें बिजली कंपनी का खाकी वर्दी वाला सिक्यूरिटी अफसर चलता है। सिक्यूरिटी अफसर को इतना अपटूडेट रखा जाता है कि सड़क पर लोग भ्रम खा जाए कि छत्तीसगढ़ आर्म्स फोर्स का कोई रंगरूट होगा। एमडी इतने शौकीन हैं कि उन्हें कलम भी सरकारी पैसे का चाहिए...वो भी हल्का-फुल्का नहीं...हाल में उन्होंने 5000 का पेन खरीदवाया है। रही बात, पायलेटिंग की तो छत्तीसगढ़ में चीफ सिकरेट्री और डीजीपी की भी पायलेटिंग नहीं होती। सूबे में अब तक किसी डीजीपी की अगर पायलेटिंग हुई है तो वे थे विश्वरंजन। विश्वरंजन का पिछले हफ्ते ही स्वर्गवास हुआ है। दिल्ली आईबी से लौटे विश्वरंजन का रसूख भी ऐसा था कि उनका एक बार चलता था। मगर इंजीनियर से प्रमोट होकर एमडी बने अफसर अगर पायलेटिंग करवा रहा तो समझा जा सकता है छत्तीसगढ़ में क्या हो रहा है।

## सीएस, डीजीपी का प्रोटोकॉल

बात चीफ सिकरेट्री और डीजीपी की पायलेटिंग की आई तो ये दोनों कार्यपालिका और सिक्योरिटी के सुप्रीम पद हैं। इनके सिकरेट्री प्रोटोकॉल में भी पायलेटिंग और फॉलोगार्ड आता है। सीएस को वाय और डीजीपी को जेड केटेगरी की सुरक्षा होनी चाहिए। मगर फोकस में आने से बचने के लिए छत्तीसगढ़ में सीएस और डीजीपी इसका इस्तेमाल नहीं करते। मगर कायदे से दोनों को अपने पद के औरा का खयाल रखना चाहिए। ठीक है, सरकारी मुलाजिम लोक सेवक होता है मगर पद के अनुरूप उसका तामझाम और सिक्योरिटी होनी चाहिए। वरना, कलेक्टर और सीएस तथा एसपी और डीजीपी में क्या फर्क रहेगा।

## 100 अटेंडेंस

छत्तीसगढ़ के मंत्रालय में एक जनवरी से बायोमेट्रिक अटेंडेंस लागू किया गया, उस टाईम एकमात्र अफसर टाईम से आ रहे थे। याने दिसंबर का फिगर सिर्फ एक रहा। इसके बाद जनवरी में 10 बजे तक मंत्रालय पहुंचने वालों की संख्या 18 हुई और फरवरी में 100 । मार्च में लगभग दुगुना होने का अंदेशा हैं। जीएडी का प्रयास है कि इसके बाद इसे पब्लिक के लिए ओपन कर दिया जाए। याने कोई भी सरकार के वेबसाइट पर जाकर देख सकेगा कि कितने अफसर कितने बजे तक ऑफिस आते हैं और शाम को कितने बजे जाते हैं। हालांकि, इसमें अफसरों का नाम नहीं रहेगा, संख्या रहेगी।

## ई-ऑफिस के फायदे?

अब इसे ई-ऑफिस में फंसना कहें कि टेक्नालॉजी का फायदा, विभिन्न राज्यों में चुनाव कराने गए कई आईएएस अफसर रायपुर में न रहने के बाद भी ई-ऑफिस पर फाइलें क्लियर कर रहे। यदि ऐसा रहा तो सरकार को लिंक अफसर बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अफसरों के अवकाश में रहने के बाद भी महत्वपूर्ण फाइलों के लिए लिंक अफसर नियुक्त किए जाते हैं। चीफ सिकरेट्री को इसकी रिपोर्ट मांगनी चाहिए कि चुनाव ड्यूटी में रहने के बाद भी कितने अफसरों ने ई-ऑफिस से सरकारी काम भी करते रहे...उन्हें सम्मानित करना चाहिए।

## पोस्टिंग में सियासत?

प्रदेश के दूसरे बड़े शहर मंत्रिपरिषद में प्रतिनिधित्व के मामले में दुर्भाग्यशाली तो है ही अफसरों की पोस्टिंग के मामले में इस शहर के साथ दोयम व्यवहार किया जा रहा है। बिलासपुर नगर निगम में अजीत जोगी सरकार के समय से डायरेक्ट आईएएस कमिश्नर रहे। कभी-कभार राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर आयुक्त बने भी तो वे पारफर्मेंस वाले रहे। मगर अभी जो पोस्टिंग हुई है, उसके बाद स्थिति यह है कि एक सड़क को पीडब्लूडी ने ठेका दे दिया और उसी ठेकेदार को नगर निगम ने भी ठेका दे डाला। निगम के अफसरों का खेल ये था कि पीडब्लूडी सड़क बनवाएं और निगम से भी उसका बिल पास कर करोड़ों रुपए अंदर कर लिया जाए। मगर उससे पहले खेल का भंडाफोड़ हो गया। हो सकता है, इसमें दोष निगम कमिश्नर का न हो। काफी लो प्रोफाइल के वे सीधे-साधे अफसर हैं। तभी तो स्मार्ट सिटी के मद से 16 करोड़ में बनवाए गए मल्टीलेवल पार्किंग में एक आटो डील वाले ने कब्जा कर लिया है। पार्किंग के एक फ्लोर पर डीलर ने 500 मोटरसायकिलें लाकर खड़ी कर दी। वो भी निगम मुख्यालय के ठीक सामने स्थित पार्किंग में। इससे समझा जा सकता है, नगर निगम में क्या चल रहा होगा। बहरहाल, बात पोस्टिंग में सियासत की तो जिस एसडीएम को एसीबी छापे के बाद हटा कर बस्तर भेजा गया, आश्चर्यजनक तौर से उसकी पोस्टिंग फिर बिलासपुर कर दी गई। सिस्टम को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा तो कम-से-कम बीजेपी को देखना चाहिए। अभी तो जांजगीर गड्ढा हुआ है, कोई भरोसा नहीं कि 2028 के इलेक्शन में बिलासपुर जिला भी बड़ा गड्ढा बन जाए। कलेक्टर संजय अग्रवाल को टीम अच्छी नहीं मिलेगी तो वे अकेले क्या कर लेंगे। वैसे भी किसी जमाने में अविभाजित बिलासपुर जिले की 19 की 19 सीटें कांग्रेस की झोली में जाती थी।

## मूंछ और चोटी वाले अफसर

नाम जरूर हायर है मगर इस विभाग में आमतौर पर हायर प्रोफाइल वाले अफसर कभी रहे नहीं और कोई जाना भी नहीं चाहता। बात हायर एजुकेशन की हो रही है। सरकार ने इस विभाग में अभिनंदन स्टाईल वाले मूंछेले अफसर और चोटी वाले आईएएस को बिठाया है। और इस समय विभाग का हाल ये है कि सालों से अटके सलेक्शन, पोस्टिंग और सस्पेंशन धड़ाधड़ हो रहे हैं। इससे पहले कभी कालेजों के प्रोफेसरों को निलंबित होते नहीं देखा गया। लेकिन पिछले छह महीने में कई प्रिंसिपल और असिस्टेंट प्रोफेसर निलंबित हो गए हैं। ऐसा तो नहीं...मूंछ और चोटी रखने से एक्स्ट्रा एनर्जी मिल जाती है?

## कमजोर कलेक्टर-1

छत्तीसगढ़ ने कभी उदय वर्मा, प्रशांत मेहता, शैलेंद्र सिंह, नजीब जंग, सुनिल कुमार, अजय नाथ, देवराज बिरदी, विवेक ढांड, एमके राउत जैसे दमदार कलेक्टरों को देखा है। मगर अब आलम यह है कि 33 में से 25 से अधिक 'पठरू' कलेक्टर हैं। दरअसल, कलेक्टरों में दमदारी दिख नहीं रही। छोटे-मोटे लॉ एंड आर्डर होने पर वे मुख्य सचिव और सीएम सचिवालय की ओर देखने लगते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद के कलेक्टरों की बात करें, तो सुबोध सिंह रायपुर और बिलासपुर में किसी से मिलने से कतराते नहीं थे। दलित समाज के एक बड़े धर्मगुरू अक्सर उनके चेंबर में बैठे पाए जाते थे। इन्हीं संपर्कों के जरिये उन्होंने गिरौदपुरी और बिल्हा की कई हिंसक घटनाओं पर काबू पाने में कामयाबी पाई। तो रायपुर में एक व्यापारी समुदाय के युवक की मौत के बाद मामला काफी बिगड़ गया था। भगत सिंह चौक पर लाश लेकर समाज के लोग बैठ गए थे। सुबोध सिंह बिना घबराये मौके पर पहुंच गए थे। अब तो हालत यह है कि कलेक्टर की तो दूर की बात एसपी, आईजी बिना फॉलोगार्ड लेकर मौके पर नहीं पहुंचते। कलेक्टर तो कोई घटना होती है तो बंगले में दुबक जाते हैं। बलौदा बाजार में जैसे ही हिंसा शुरू हुई, कलेक्टर शहर से बाहर चले गए थे।

## कमजोर कलेक्टर-2

सरकार और जीएडी सिकेट्री रजत कुमार को कलेक्टरों की कमजोरी का कोई सौल्यूशन निकालना चाहिए। रजत खुद भी दमदार रहे हैं...कोरबा के लोगों ने देखा भी है। दरअसल, दिक्कत वहां से शुरू हुई, जब राज्य बनने के बाद आईएएस अधिकारियों को बिना एडीएम बनाए कलेक्टर बनाया जाने लगा। एक तो इस समय छत्तीसगढ़ में सबसे कम समय सिर्फ छह साल में कलेक्टरी मिल जा रही। उसमें एसडीएम की एक पोस्टिंग, उसके बाद जिला पंचायत सीईओ या निगम कमिश्नर और उसके बाद फिर सीधे जिले में डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट। इससे प्रशासन की बारीकियों से वे अनभिज्ञ रह जा रहे। चीफ सिकेट्री को पता होगा, मध्यप्रदेश के दौर में कलेक्टर बनने से पहले एडीएम बनना अनिवार्य था, फिर उस समय डीआरडीए का सीईओ, तब जाकर कलेक्टरी मिलती थी। एडीएम कलेक्टर और एसडीएम के बीच की कड़ी होते थे। हर धरना, प्रदर्शनों पर एडीएम को भेजा जाता था तो ज्ञापन भी एडीएम लेते थे। उससे कलेक्टरों को जिले के लिए प्लानिंग करने का टाईम मिलता था और एडीएम को एडमिनिस्ट्रेशन का अनुभव। एडीएम बनने का मतलब था कि पक्ष-विपक्ष दोनों ही दलों के नेताओं से बढ़ियां कनेक्शन बन जाना। कलेक्टर या उसके उपर की पोस्टिंगों में ये चीजें बडे काम आती थी। मगर अब तो ये हाल है कि अधिकांश कलेक्टरों को नेताओं या आम आदमी से कोई वास्ता नहीं रह गया है। सरकारें बदलती है, जनदर्शन लगाने का आदेश जारी करती हैं और फिर वह कूडेद्रान में चला जाता है।

## कलेक्टर-एसपी भाई-भाई

सिकरेट्री टू सीएम बनने के बाद तत्कालीन जीएडी सिकेट्री मुकेश बंसल ने फर्स्ट व्हाट्सएप कलेक्टर-एसपी के पारफर्मेंस और ट्यूनिंग को लेकर किया था। मगर वो बेमतलब निकला। अधिकांश जिलों के कलेक्टर-एसपी एक सूत्रीय एजेंडा में डटे हुए हैं। रही बात जनदर्शन की तो ऐसे जिले उंगलियों पर गिने जाने वाले होंगे। वैसे, वर्तमान दौर में जनदर्शन का कोई औचित्य नहीं भी नहीं रह गया है। इससे पब्लिक में नाराजगी और बढ़ती है। रमन सिंह के दौर तक अफसरशाही पटरी पर थी। मगर अब सब डिरेल्ड है। आखिर, पटवारी, आरआई और तहसीलदार, एसडीएम से जब न्याय नहीं मिलता तो आम आदमी कलेक्टर के पास पहुंचता है और कलेक्टर साब लोग समस्या ठीक से सुने बिना....नीचे रीडर को मार्क कर देते हैं। रीडर आवेदन को फिर उन्हीं खटराल तहसीलदार, एसडीएम के पास भेज देते हैं जांच के लिए, जहां से आदमी पहले ही आजिज आ चुका होता है। यही हाल कप्तान साब लोगों का है। एसपी से थाना या सीएसपी की शिकायत लेकर जाओ तो कलेक्टर जैसे ही नीचे मार्क कर देते हैं। ऐसे में आम आदमी को टाईम और पैसा खर्च होने के अलावा कुछ हासिल होता नहीं। फिर चुनाव आता है तो लोग सबक सिखाते हैं। जैसे कांग्रेस गवर्नमेंट में हुआ। उस समय विडबंना ये थी कि मुख्यमंत्री तेज-तर्रार थे मगर किन्हीं कारणों से प्रशासनिक सिस्टम निरंकुश हो गया था। उसकी कीमत कांग्रेस सरकार को चुकानी पड़ी।

## सीएस का तीर?

कैबिनेट की बैठकों में अफसरों की बढ़ती भीड़ पर सख्ती दिखाते हुए चीफ सिकरेट्री ने इस पर अंकुश लगाने सचिवों को कड़ा पत्र लिखा है। भीड़ बढ़ने की एक बड़ी वजह सचिवों का सब्जेक्ट की स्टडी न होना भी है। अधिकांश सिकेट्री विभागों के कामकाज पर पकड़ नहीं रखते। इसलिए अपने डायरेक्टर, एमडी को तो बुलाते ही हैं, विभाग के सौ ताले की एक चाबी या श्रमजीवी मुलाजिम को कैबिनेट की बैठकों में बुला लेते हैं, ताकि चर्चा के दौरान कहीं गाडी अटकी तो तुरंत उनसे पूछ जवाब दे सकें। बहरहाल, सीएस के लेटर रुपी तीर ने कई और लोगों को जख्मी किया है, जो बिना काम कैबिनेट में घूस आते थे।

## गॉड गिफ्टेड

विधानसभा अध्यक्ष डॉ0 रमन सिंह कोयंबटूर में इलाज कर रायपुर लौट आए हैं, और अब बिल्कुल स्वस्थ हैं। इसमें खबर ये है कि उनके आए लगभग पखवाड़ा गुजर चुका है, बावजूद उनसे मिल कुशल क्षेम पूछने वालों का तांता लगा है। कह सकते हैं...मुख्यमंत्री पद से हटे सात साल गुजर जाने के बाद भी उनकी लोकप्रियता का ग्राफ कम नहीं हुआ तो इसमें कुछ उपर वाले का भी हाथ है। 2018 में विधानसभा चुनाव बुरी कदर हारने के बाद लोगों ने अफसरशाही पर ठीकरा फोड़ा...मंत्रियों की अहंकार को कोसा...मगर रमन को एक शब्द नहीं। इसका निहितार्थ यह कि सूबे की राजनीति में रमन का रुतबा कायम है। ऐसा सम्मान छत्तीसगढ़ के किसी और नेता को नहीं मिला।

## अंत में दो सवाल आपसे

1. वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की पत्नियां आजकल बिलासपुर की पोस्टिंग से क्यों घबरा रही हैं?

2. खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ के 33 में से किन पांच कलेक्टरों को लंगोट का ढीला बताया गया है?

# संरक्षित वनक्षेत्र में आवारा कुत्तों को घुसने से रोकने बारनवापारा मॉडल अपनाया जाएगा

**एक सप्ताह पूर्व अंबिकापुर के संजय वाटिका रेस्क्यू सेंटर में कुत्तों के नोचने से 15 हिरण, चीतल की मौत हुई थी**

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

अंबिकापुर के संजय वाटिका रेस्क्यू सेंटर में पिछले सप्ताह 20-21 मार्च की दरमियानी रात आवारा कुत्तों के नोचने से 15 हिरण तथा चीतल की मौत की घटना के बाद विभागीय अफसरों ने संरक्षित वन क्षेत्र तथा टाइगर रिजर्व में आवारा कुत्तों का प्रवेश रोकने दिशा निर्देश जारी किया है। साथ ही इन वनक्षेत्रों में आवारा कुत्तों के प्रवेश से रोकने बलौदाबाजार मॉडल अपनाया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के वन्यप्राणी बहुल क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के प्रवेश से होने वाली हानि और बीमारियों को रोकने के लिए वन विभाग ने अब और भी सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ अरुण कुमार पाण्डेय ने प्रदेश के सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को एनटीसीए की एसओपी का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। घटना की पीसीसीएफ ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। एनटीसीए द्वारा टाइगर रिजर्व में कुत्तों के प्रवेश को रोकने के लिए जो एसओपी जारी किया है, उसका कड़ाई से पालन किया जाएगा। एसओपी का पालन कैसे करना है, इसके लिए आगामी दो सप्ताह के भीतर सभी फील्ड अधिकारियों और कर्मचारियों को इसके लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

वनक्षेत्र में कुत्तों का प्रवेश रोकने बारनवापारा अभयारण्य में सफल रहे प्रयोग को अब पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी है। इसके तहत वन क्षेत्रों के समीप स्थित ग्रामों के पालतू कुत्तों को एक विशेष रंग का पट्टा पहनाया जाएगा, जिससे उनकी पहचान हो सके। साथ ही वनक्षेत्र से सटे ग्रामीणों को सचेत किया गया है कि यदि उनके पालतू कुत्ते वन क्षेत्र में पाए गए, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

### मानवीय नियंत्रण और प्रबंधन

आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए एनीमल वेलफेयर बोर्ड इंडिया के मॉड्यूल का पालन किया जाएगा। कुत्तों को पकड़ने और उनके परिवहन के दौरान जीव कल्याण मानकों का ध्यान रखा जाएगा। इसके अलावा जन जागरूकता अभियान चलाकर वन क्षेत्रों के पास के गांवों में पोस्टर, बैनर और ग्राम सभाओं के माध्यम से जागरूकता फैलाई जाएगी, ताकि वन्यजीवों को रैबीज जैसी बीमारियों और हमलों से बचाया जा सके।

### प्रवेश पर नियंत्रण आवश्यक

वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए आवारा कुत्तों के प्रवेश पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है। सभी वनमंडलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के लिए ग्रामवार समयबद्ध कार्यक्रम तैयार करने का निर्देश दिए गए हैं, ताकि वन्यप्राणियों पर होने वाले ऐसे दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

- **अरुण कुमार पाण्डेय,** पीसीसीएफ, वाइल्ड लाइफ

# ब्लड कैंसर के इलाज के लिए एम्स में मिलेगी बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा, जागरूकता से बढ़ रहे मरीज

**एम्स रायपुर में क्रॉनिक ल्यूकेमिक विकारों पर सीएमई का आयोजन**

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

जागरूकता बढ़ने के कारण ब्लड कैंसर के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है, वे इलाज के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। इस बीमारी के पूर्ण इलाज के लिए बोन मैरो ट्रांसप्लांट की आवश्यकता होती है, जिसे आने वाले समय में एम्स में प्रारंभ करने की योजना बनाई जा रही है। एम्स रायपुर में क्रॉनिक ल्यूकेमिक विकारों पर सीएमई का आयोजन किया गया।

क्लिनिकल हेमेटोलॉजी एवं मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान कार्यपालक निदेशक डा. अशोक जिंदल ने रोग की शीघ्र पहचान तथा टारगेटेड थेरेपी के उपयोग पर विशेष बल दिया जो अब आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत भी उपलब्ध है। एम्स में क्रॉनिक मायलॉइड ल्यूकेमिया के मरीजों का उपचार इन उन्नत दवाओं से किया जा रहा है। निकट भविष्य में बीएमटी कार्यक्रम प्रारंभ करने की योजना बना रहा है। संस्थान के विभिन्न विभाग समन्वय के साथ मरीजों की देखभाल सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अमित कुमार एवं हेमेटोलॉजिस्ट डॉ. सरोज बाला ने बताया कि जागरूकता बढ़ने के कारण रक्त कैंसर के मामलों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने इन उपचार योग्य रोगों के लिए शीघ्र रेफरल एवं समय पर उपचार की आवश्यकता पर जोर दिया। चिकित्सकों ने कहा कि क्रॉनिक मायलॉइड ल्यूकेमिया का समय पर निदान एवं उचित मॉनिटरिंग के साथ उपचार किया जाए तो कई मरीज केवल ओरल मेडिसिन के माध्यम से लगभग सामान्य जीवन जी सकते हैं। ऐसे मरीजों को एम्स में विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के सहयोग से मरीजों को कम आर्थिक भार में गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

### सीएमई में शामिल हुए 30 रेजिडेंट डाक्टर

सीएमई के अंतर्गत रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए एक क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें 30 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इसके पश्चात पूरे दिन वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा क्रॉनिक ल्यूकेमिया के सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में एम्स के संकाय सदस्यों के अतिरिक्त राज्य के कई प्रतिष्ठित हेमेटोलॉजिस्ट एवं ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. भावना सिरोही, डॉ. सुमन मित्तल, डॉ. यशवंत कश्यप, डॉ. विकास गोयल, डॉ. दिव्येंदु डे एवं डॉ. अंबर गर्ग ने भाग लिया।

# फॉरेन टूर का झांसा देकर देश के अलग-अलग राज्यों में तीन करोड़ की ठगी करने वाले गिरोह का साथी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

फॉरेन टूर जाने का झांसा देकर ट्रैवल्स कारोबारियों को ठगी का शिकार बनाने वाले गिरोह के मास्टर माइंड को पुलिस ने उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के दो साथी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर चुकी है। गिरफ्तार आरोपी और उनके साथी रायपुर के ट्रैवल्स कारोबारी से 20 लाख तथा देश के अन्य राज्यों में 22 ठगी की वारदात कर तीन करोड़ की अब तक ठगी कर चुके हैं।

हरदीप सिंह होरा की शिकायत पर पुलिस ने लखनऊ से अमन शर्मा को गिरफ्तार किया है। हरदीप सिंह एयर टिकट, होटल बुकिंग तथा टूर पैकेज का कार्य करते हैं। अमन ने हर्षित अग्रवाल बन कर एक मार्च को वाट्सएप कॉल कर अमेरिका, लंदन में होटल बुकिंग कराने की बात कही। इसके बाद हरदीप ने व्हाट्सएप चैट के माध्यम से होटल के विकल्प भेज दिए। इसके बाद उस व्यक्ति ने पुनः कॉल कर बैंक खाता विवरण मांगा और अगले दिन भुगतान करने की बात कही। जालसाज ने दूसरे दिन हरदीप को करेंसी टॉवर के जेनेट को-वर्किंग स्पेस में मिलने बुलाया।

### रुपए डॉलर में कन्वर्ट कराने का झांसा देकर रुपए ले उड़े

जालसाज हरदीप को मिलने के लिए बुलाने के बहाने 18 तथा 20 हजार यूएसडी और जीबीपी साथ लेकर आने कहा। इसके बाद जालसाज का एक और साथी रक्षित अग्रवाल ने भारतीय मुद्रा देने का झांसा दिया। मौके पर उपस्थित जालसाज का साथी नोट गिनने की मशीन लाने की बात कहकर केबिन से बाहर चला गया। इसी दौरान हर्षित अग्रवाल बने अमन शर्मा ने फोन पर हरदीप को बातचीत में उलझाया और रुपए लेकर फरार हो गया।

# अब रीचार्ज कराने पर ही मिलेगी बिजली, एक अप्रैल से 45 हजार सरकारी कनेक्शन होंगे प्रीपैड

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

छत्तीसगढ़ में भी अब मोबाइल की तरह की रीचार्च कराने पर बिजली मिलेगी। हालांकि अभी इस योजना से आम जनता को राहत है, लेकिन आने वाले समय में आम जनता के बिजली कनेक्शन भी प्रीपैड हो जाएंगे। पहले चरण में सरकारी विभागों के कनेक्शनों को प्रीपैड किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के प्रस्ताव को प्रदेश सरकार की सहमति मिल गई है। पहले चरण में ब्लाक स्तर के सभी सरकारी विभागों के कनेक्शन एक अप्रैल से प्रीपैड हो जाएंगे। करीब 45 हजार सरकारी कनेक्शनों को तीन माह का रीचार्ज करना होगा। इसी के साथ अलग-अलग चरणों में प्रदेश के सभी 1.72 लाख बिजली कनेक्शनों को प्रीपैड कर दिया जाएगा। मार्च तक सरकारी विभागों पर जितना भी बकाया होगा, उसको फ्रीज कर दिया जाएगा। इस बकाया को प्रदेश सरकार किस्तों में पॉवर कंपनी को देगी।

प्रदेशभर में पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। 1.72 लाख सरकारी विभागों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। इसमें से करीब डेढ़ लाख में ये मीटर लग गए हैं। बचे करीब 22 हजार मीटरों को भी लगाने का काम तेजी से हो रहा है। ये मीटर पंचायतों और आंगनबाड़ी के ही ज्यादा बचे हैं। संभावना जताई जा रही है कि कनेक्शन प्रीपैड होने से पहले बचे स्मार्ट मीटर भी लग जाएंगे।

सरकारी विभागों पर बकाया लगातार बढ़ते जा रहा है। बीते साल अगस्त में यह बकाया 1988 करोड़ था जो बढ़ते-बढ़ते मार्च 2025 में 2444.91 करोड़ हो गया था। अब यह बकाया करीब तीन हजार करोड़ हो गया है। इसमें सबसे बड़ा बकाया नगरीय निकायों पर दो हजार करोड़ से ज्यादा का है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पर 600 करोड़ से ज्यादा है। इसी के साथ अन्य विभागों पर एक करोड़ से लेकर सौ करोड़ तक का बकाया है। यह बकाया मार्च तक 35 सौ करोड़ तक हो सकता है। इस बकाया को प्रदेश सरकार विभागों के बजट से ही किस्तों में पॉवर कंपनी को देगी। प्रदेश सरकार के किस्तों में बकाया मिलने भी लगा है।एक किस्त में छह सौ करोड़ मिल गए हैं।

### तीन-तीन माह का करना होगा रीचार्ज

पहले चरण में ब्लाक स्तर पर करीब 45 हजार सरकारी बिजली कनेक्शनों को प्रीपैड करने की तैयारी है। इन सभी कनेक्शनों के विभागों को अपने बजट से तीन-तीन माह का रीचार्ज कराना होगा। जिस विभाग का एक माह का जितना बिल आता है, उसको देखते हुए तीन माह के बिल के बराबर की राशि का रीचार्ज कराना होगा। इस रीचार्ज के समाप्त होने से पहले आने वाले तीन माह के लिए फिर से रीचार्ज कराना होगा।

# अब औद्योगिक इकाइयों को भी नियमित मिलेगा गैस सिलेंडर

हरिभूमि न्यूज : रायपुर।

**कलेक्टोरेट सभागार में गैस, पेट्रोल, डीजल आपूर्ति, वितरण के लिए समीक्षा बैठक**

रायपुर कलेक्टोरेट के सभागार में गैस, पेट्रोल, डीजल और उर्वरकों के आपूर्ति की समीक्षा करने बैठक रखी गई। इस बैठक में निगम आयुक्त विश्वदीप, कीर्तिमान सिंह राठौर अपर कलेक्टर, एमएस पैकरा मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक सहित शहर के प्रमुख औद्योगिक व

व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज ने इस मुद्दे को विभागीय अधिकारियों के समक्ष औद्योगिक इकाइयों को गैस सिलेंडर की आपूर्ति में हो रही परेशानियों को मजबूती से रखा। इस मौके पर चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा ने अधिकारियों के समक्ष यह मांग रखी कि गैस एजेंसियां व्यवसायिक और औद्योगिक कनेक्शन को अलग-अलगक परिभाषित कर रही है, जबकि सिलेंडर सिर्फ दो ही तरह के होते हैं डोमेस्टिक और कमर्शियल। गैस एजेंसियों द्वारा औद्योगिक इकाइयों को सिलेंडर देने ये यह कहकर इंकार किया जा रहा है कि इंडस्ट्रियल सिलेंडर की सप्लाई नहीं है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक उपभोक्ताओं को गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा आपूर्ति का आधार उद्योगों द्वारा पिछले 11 माह के दौरान लिए गए सिलेंडरों की औसत को बनाया जाए। इससे वितरण में पारदर्शिता बनी रहे।

चैंबर के सलाहकार संतोष जैन ने प्लास्टिक उद्योग में एलपीजी के उपयोग को रेखांकित करते हुए बताया कि गर्मियों के दौरान प्लास्टिक की टंकियां की बहुत मांग होती है, औद्योगिक गैस की आपूर्ति बाधित होने के कारण आम लोगों को प्लास्टिक की टंकियां की आपूर्ति नहीं हो पा रही है, जिसके कारण लोगों को बहुत तकलीफ है। चैंबर के उपाध्यक्ष प्रहलाद शादीजा ने गैस सिलेंडर के कालाबाजारी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए जानकारी दी कि वर्तमान परिस्थितियों का लाभ उठाकर गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी करने वालों पर कड़ी नजर रखी जानी चाहिए।

# ममता सरकार के खिलाफ शाह ने जारी की चार्जशीट कहा-'कभी पैर तुड़वा लेती हैं कभी गालियां देती हैं'

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से कोलकाता पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को ममता बनर्जी को निशाने पर लिया। शाह ने तृणमूल कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार के शासन के खिलाफ चार्जशीट जारी करते हुए ममता बनर्जी पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा ममता दीदी ने हमेशा विक्टिम कार्ड वाली पॉलिटिक्स खेली है। कभी उनका पैर टूट जाता है, कभी उनके सिर पर पट्टी बंध जाती है, कभी वह बीमार पड़ जाती हैं, और कभी वह चुनाव आयोग के सामने खड़ी होकर बेबसी का नाटक करती हैं और चुनाव आयोग को गालियां देती हैं। लेकिन मैं उन्हें यह बताने आया हूं कि बंगाल के लोग अब विक्टिम कार्ड की इस पॉलिटिक्स को अच्छी तरह समझ चुके हैं।

### बंगाल चुनाव से जुड़ी पूरे देश की सुरक्षा

शाह ने कहा कि चुनाव पूरे देश की सुरक्षा बंगाल चुनाव के साथ एक प्रकार से जुड़ी हुई है। भाजपा ने तय किया है कि टीएमसी के शासन के खिलाफ जनता के जो मुद्दे हैं इसको आवाज देना और बंगाल के चुनाव में ये जो पूरी अराजकता टीएमसी के शासन में फैली है इसका हम क्या हल लेकर आएंगे इसका हम जवाब भी लेकर आएंगे।

परिवर्तन बंगाल

## बंगाल पहुंचे गृहमंत्री ने जमकर लगाए आरोप

### कब्रिस्तान बन गया है बंगाल

शाह ने बीजेपी की तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जारी की गई चार्जशीट पर बोलते हुए खूब निशाने साधे। उन्होंने कहा कि यह चार्जशीट, टीएमसी सरकार के 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन है। सोनार बांग्ला का स्वप्न दिखाकर सिंडिकेट राज स्थापित कर बंगाल की जनता का शोषण करने वाले शासन की कहानी है। टीएमसी के कुशासन में बंगाल भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बन चुका है। ऊपर से नीचे तक आपराधिक सिंडिकेट जनता को परेशान कर रहे हैं। विकास के अभाव में बंगाल उद्योग के लिए एक प्रकार से कब्रिस्तान बन चुका है।

### टीएमसी का पलटवार 'मोटा भाई-जवाब चाई'

इधर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भी पलटवार करते हुए भाजपा के खिलाफ 'चार्जशीट' जारी की है। तृणमूल कांग्रेस ने न केवल भाजपा-शासित राज्यों में महिला सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि मणिपुर में जातीय हिंसा और बंगाल में डिटेंशन कैंप मॉडल लागू करने की भाजपा की कथित मंशा पर भी तीखा हमला बोला। टीएमसी के इस आरोप-पत्र का नाम 'मोटा भाई-जवाब चाई' रखा है। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने मणिपुर में हुई जातीय हिंसा पर अमित शाह से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि यह पूर्वोत्तर राज्य पिछले तीन वर्षों से 'खून से लथपथ' है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा बंगाली और बांग्लादेशियों के बीच की लकीर को धुंधला करना चाहती है, ताकि वह असम की तर्ज पर बनाए गए अपने नफरत भरे डिटेंशन कैंप मॉडल को बंगाल में भी लागू कर सके।

## 164 सीटों पर चुनाव लड़ेगी डीएमके कांग्रेस के खाते में आई 28 सीट

तमिलनाडु

एजेंसी ▶▶| तमिलनाडु

तमिलनाडु की सियासत में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी बड़ी चाल चल दी है। शनिवार को एक अहम घोषणा करते हुए स्टालिन ने साफ कर दिया कि उनकी पार्टी डीएमके इस बार 164 सीटों पर खुद चुनाव लड़ने जा रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि मुख्यमंत्री खुद अपनी पुरानी और भरोसेमंद सीट कोलाथुर से ही मैदान में उतरेंगे। उन्होंने अपनी टीम और गठबंधन का जो फॉर्मूला पेश किया है, उसे उन्होंने खुद 'महा-महा गठबंधन' का नाम दिया है। इस बड़े गठबंधन में कांग्रेस को 28 सीटें मिली हैं, जबकि प्रेमलता विजयकांत की पार्टी डीएमडीके के खाते में 10 सीटें गई हैं। गठबंधन के अन्य साथियों की बात करें तो वीसीके को 8, लेफ्ट (सीपीआई और सीपीआईएम) को 5-5 और एडीएमके को 4 सीटें दी गई हैं। इसके अलावा आईयूएमएल, एमएमके और एसडीपीआई जैसे छोटे दलों को भी इस 'महा-महा गठबंधन' में जगह दी गई है।

### डॉक्टर्स, इंजीनियर्स और 60 नए चेहरों पर दांव

डीएमके की लिस्ट में 29 वकील, 17 इंजीनियर, 15 डॉक्टर और 7 पीएचडी होल्डर्स शामिल हैं। इतना ही नहीं, करीब 60 चेहरे ऐसे हैं जिन्हें पहली बार चुनाव लड़ने का मौका मिल रहा है। यानी स्टालिन एक नई और पढ़ी-लिखी फौज के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। मुख्यमंत्री खुद 30 मार्च से अपना धुआंधार प्रचार शुरू करने जा रहे हैं, वहीं उनके बेटे और डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन 31 मार्च से मोर्चा संभालेंगे।

### इस सीट से चुनावी मैदान में उतरेंगे स्टालिन

तमिलनाडु में एक चरण में 23 अप्रैल को होगा मतदान

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**
**ई-निविदा सूचना**
**(निर्माण संगठन)**

**निविदा-क्रमांक: सी.ए.ओ./सी./बी.एस.पी. /25-26/27 दिनांक: 24-03-2026 (ओपेन ई-टेंडर) (टू पैकेट सिस्टम)**

**कार्य:** "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रावघाट जगदलपुर नई लाइन (140.00 किमी) के संबंध में जगदलपुर से कुरकानार (चेनज 0.620 किमी से 12.70 किमी तक) खंड के मध्य, जिसमें पट्टि एवं कुरकानार यार्ड सम्मिलित हैं के कमीशनिंग हेतु उपयुक्त, ब्लैकेटिंग सहित मृदा कार्य का निष्पादन, आरयूबी (RUB). एलएचएस (LHS), संरक्षण कार्य, पिचिंग, नालियां, ट्रैक लिंकिंग कार्य, रिटेनिंग वॉल, पी.वे. सामग्री का परिवहन, मशीन द्वारा क्रश किए गए स्टोन बैलेस्ट की आपूर्ति सहित लघु पुलों का निर्माण तथा अन्य संबंधित विविध कार्य।

**निविदा मूल्य:** रु. 990201745.37 **अमानत राशि:** रू 19804000.00 **निविदा दस्तावेज़ की लागत :** शून्य **कार्य पूरा होने की अवधि :** 18 (अठारह) महीने, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से । **1) निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक :**17/04/2026 को 15:00 बजे तक। **(2) निविदा खोलने का समय एवं दिनांक :** 17/04/2026 को 15:30 बजे । विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज़ का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर-पिन: 495004 अथवा उप-मुख्य अभियंता /निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर पिन 492009 अथवा मुख्य परियोजेना प्रबन्धक /पश्चिम/निर्माण/नागपुर / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर पिन: 440001 के कार्यालय में संपर्क करे अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर / देख सकते है।

**उप-मुख्य अभियंता/निर्माण**
सीपीआर/10/AM/791 **द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर**
South East Central Railway @secrail

## आम सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री अनिषेक सुराणा पिता श्री महावीर सुराणा पता नेहरू नगर भिलाई, छत्तीसगढ़ की स्वार्जित भूमि जिसका खसरा क्रमांक 15 / 5, ग्राम- पिसेगाँव पटवारी, हल्का नंबर- 00025, राजस्व निरीक्षक मंडल- अंजोरा (ख) में स्थित है, जिसके संदर्भ पर सूचना मालूम होवें की खसरा क्रमांक 14/1 एवं 15/1 ग्राम- पिसेगाँव पटवारी, हल्का नंबर- 00025, राजस्व निरीक्षक मंडल- अंजोरा (ख) की भूमि मेरे पक्षकार की भूमि के रकबे से प्रभावित हो रही है। उक्त भूमि स्वामी गिरीश टॉक द्वारा मेरी निजी भूमि को आम रास्ता बता कर लोगो को गुमराह कर विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संदर्भ पर उक्त विवादित भूमि खसरा 14 / 1 एवं 15/1 का वाद प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में लंबित है।

अतः यह आम सूचना के माध्यम से ताकीत किया जाता है की खसरा क्रमांक 14/1 एवं 15 / 1 ग्राम पिसेगाँव, पटवारी हल्का क्रमांक- 00025, राजस्व निरीक्षक मंडल- अंजोरा (ख) को खरीदी बिक्री ना करे एवं व्यर्थ के कानूनी विवाद से बचें अन्यथा उपरोक्त भूमि पर खरीदार को कोई स्वत्व व हक प्राप्त नहीं होगा एवं उसे भी न्यायालय में पक्षकार के रूप में संयोजित किया जावेगा।

तदानुसार आम सूचना प्रकाशित किया जा रहा है।
स्थान :- धमतरी
तारिक : 27/03/2026

**राहुल चोपड़ा अधिवक्ता**
(भारत का सर्वोच्च न्यायालय)
ऑफिस पता :- रतन विला राम बाग धमतरी छत्तीसगढ़। मो. : 9340900009

## एक नाम के कई उम्मीदवार, केरल में जमकर हो रहा है कन्फ्यूजन

केरल

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव 9 अप्रैल, 2026 को होने वाला है। इस चुनाव के लिए जैसे-जैसे प्रचार तेज हो रहे हैं, वैसे-वैसे कई बड़े उम्मीदवारों को एक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केरल के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में एक जैसे या मिलते-जुलते नामों वाले निर्दलीय उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतर आए हैं। यहां की राजनीतिक शब्दावली में ऐसे उम्मीदवारों को 'अपरनमार' या 'नाम के जुड़वां' कहा जाता है। प्रमुख राजनीतिक दलों का कहना है कि ये उम्मीदवार मतदाताओं को भ्रमित कर सकते हैं और कड़े मुकाबले वाले सीटों के नतीजों पर असर डाल सकते हैं।

### वट्टियूरकावु का हाल

वट्टियूरकावु में कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन भी पी. मुरलीधरन नाम के एक दूसरे उम्मीदवार के साथ चुनावी मैदान में हैं। मौजूदा विधायक वी.के. प्रशांत का सामना प्रशांत के से है। भाजपा भी इस चलन से अछूती नहीं रही है। एनडीए के उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर नेमोम से चुनाव लड़ रहे हैं और यहां भी जी.एस. राजीव कुमार नाम के एक निर्दलीय उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन को भी मंजेश्वरम में ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, मंजेश्वरम का ये मुकाबला राजनीतिक यादें ताजा कर रहा है। साल 2016 में सुरेंद्रन ये विधानसभा सीट महज 89 वोटों से हार गए थे। तब भाजपा के नेताओं ने एक जैसे नाम वाले उम्मीदवारों की मौजूदगी को हार का एक संभावित वजह बताया था।

## विरासत बनाम बदलाव की लड़ाई बनी मरियानी

असम

असम की मरियानी विधानसभा सीट एक बार फिर राज्य की सबसे चर्चित और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीटों में शामिल हो गई है। इस बार के विधानसभा चुनाव में विरासत बनाम बदलाव की दिलचस्प सियासी खींचतान देखने को मिल रही है। यहां दशकों से स्थापित राजनीतिक पकड़ को एक नई चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। यहां पर तीन दशकों से कुर्मी परिवार का प्रभाव बना हुआ है। इसकी शुरुआत साल 1991 में हुई थी, जब रूपम कुर्मी ने पहली बार जीत हासिल की और 2004 तक राजनीतिक रूप से इस इलाके प्रतिनिधित्व किया। बाद में उनके बेटे रूपज्योती कुर्मी ने 2006 से इस सीट पर जीत हासिल की। वह 2006, 2011 और 2016 और 2021 में बतौर कांग्रेस उम्मीदवार मैदान में उतरे। जून 2021 में उन्होंने कांग्रेस का दामन छोड़ दिया और बीजेपी में शामिल हो गए। इसके बाद अक्टूबर 2021 में हुए उपचुनाव में जीत हासिल कर अपना जनाधार साबित किया।

**नए चेहरे की एंट्री से बदला समीकरण**-इस बार चुनाव में एक नया मोड़ आया है। कांग्रेस और राइजोर दल के गठबंधन ने डॉ. ज्ञानश्री बोरा को संयुक्त उम्मीदवार बनाया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2026 का यह चुनाव केवल एक सामान्य मुकाबला नहीं, बल्कि मरियानी की राजनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ है।

# जीवन की दिशा बदल देगा जापानी दर्शन

# मिलेगी अच्छी सेहत-खुशी और सुकून

शांति पसंद करने वाले खुशहाल-समृद्ध देश जापान के लोगों का जीवन दर्शन ही ऐसा है, जो उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और भरपूर सुकून देता है। जापानी जीवन दर्शन के कुछ सरल सिद्धांत अपनाकर आप भी अपने जीवन में खुशहाली के साथ सफलता भी हासिल कर सकते हैं। जापानी दर्शन के ऐसे ही कुछ सिद्धांतों के बारे में जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता के साथ-साथ सुकून और शांति की चाहत भी रखता है। लेकिन समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते हुए हम अकसर उस सबसे कीमती चीज को खो देते हैं, जिसे 'सुकून' कहते हैं। गलत खान-पान, बढ़ती मानसिक-शारीरिक बीमारियां, तनाव, अकेलापन और हर वक्त मन में कुछ अधूरा-सा महसूस होना, आधुनिक समय में लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुकी है। ऐसे में सदियों पुराने जापानी जीवन दर्शन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

## हारा हाची बु सेहत-दीर्घायु का आहार मंत्र

जापानी स्वास्थ्य दर्शन का एक गोल्डन रूल है 'हारा हाची बु'। इसका सरल अर्थ है, 'केवल तब तक खाएं, जब तक आपका पेट 80 प्रतिशत न भर जाए।' यह सिद्धांत हमें 'ओवर ईटिंग' से बचाता है। वैज्ञानिक रूप से, मस्तिष्क को पेट भरने का संकेत मिलने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। जब हम 80 प्रतिशत पर रुक जाते हैं, तो हम वास्तव में अपनी भूख के अनुसार सटीक मात्रा में खाते हैं। यह आदत हमें मोटापे, हृदय रोग और मधुमेह को दूर रखती है। जापान के प्रांत ओकिनावा के लोगों की लंबी उम्र का एक बड़ा कारण इस जीवन दर्शन को माना जाता है।

## शोकूनिन अपने काम में रुचि लेना

जो लोग अपने पेशे या व्यवसाय को बोझ समझते हैं और अपनी किस्मत को कोसते हुए इसे किसी तरह निपटाने की मानसिकता रखते हैं, वे न तो प्रोफेशनल फ्रंट पर सफल हो पाते हैं न सुखी रहते हैं। ऐसे में आपको जापानी दर्शन 'शोकूनिन' समझना चाहिए। इसका अर्थ केवल 'कारीगर' से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है। एक शोकूनिन अपने काम को पूर्णता के साथ करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देता है, चाहे वह सुशी जैसी डिश बनाना हो या जूते की सिलाई करना हो। इसमें हमारे काम के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव निहित होता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि काम केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक साधन भी है। जब हम शोकूनिन भाव से काम करते हैं, तो काम बोझ नहीं, बल्कि आनंद का जरिया बन जाता है।

## काइजन छोटे सुधारों का जादू महसूस करें

जापानी दर्शन काइजन का अर्थ है-बेहतरी के लिए बदलाव। अकसर हम सोचते हैं कि जीवन बदलने के लिए रातों-रात कोई बड़ा परिवर्तन करना होगा। लेकिन काइजन कहता है कि आप हर दिन स्वयं में केवल एक प्रतिशत सुधार करें। जैसे आदतों में, अनुशासन में, नई चीजें सीखने में, रिश्तों में। ये छोटे-छोटे सुधार साल के अंत में आपको एक नया इंसान बना देंगे। टोयोटा जैसी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभा चुकी यह जीवन पद्धति, व्यक्ति के रूप में हमें भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

## वाबी-साबी अपूर्णता में सुंदरता की तलाश

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां 'परफेक्ट' दिखने का जुनून हम में से अधिकतर लोगों पर हावी है। जापानी दर्शन 'वाबी-साबी' इसके विपरीत बात कहता है। यह हमें सिखाता है कि कुछ भी स्थायी नहीं है और कुछ भी पूर्ण नहीं है। पुराने पत्थरों पर जमी काई या दरार पड़े मिट्टी के बर्तनों में भी एक इतिहास और सुंदरता होती है। यह दर्शन हमें अपनी कमियों को स्वीकार करना सिखाता है। जब हम अपनी 'अपूर्णता' को स्वीकार कर लेते हैं, तो अनावश्यक सामाजिक प्रदर्शन का अनावश्यक बोझ उतर जाता है।

## किंतसुगी जख्मों का स्वर्ण श्रंगार

जापान में जब कोई मिट्टी का बर्तन टूटता है, तो उसे फेंकने के बजाय सोने की परत से जोड़ा जाता है। इसे 'किंतसुगी' कहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमारे जीवन के घाव, असफलताएं और बुरे अनुभव हमें कमजोर नहीं, बल्कि और भी कीमती बनाते हैं। टूटने के बाद जब हम खुद को फिर से जोड़ते हैं, तो हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, सुंदर और अद्वितीय होकर उभरते हैं।

## शिनरिन-योकू प्रकृति की मौन चिकित्सा

जापानी लोग 'फॉरेस्ट बाथिंग' में विश्वास रखते हैं। इसका अर्थ है प्रकृति के माहौल को अपनी पांचों इंद्रियों से महसूस करना। मोबाइल, टीवी, लैपटॉप को छोड़कर नेचर के करीब समय बिताना एक कारगर चिकित्सा है। नेशनल ज्योग्राफिक के शोध के अनुसार, पेड़ों के बीच समय बिताने से तनाव का हार्मोन 'कोर्टिसोल' कम होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

## गमन धैर्य और गरिमा का संगम

जापानी दर्शन 'गमन' का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। चाहे सुनामी आए या व्यक्तिगत संकट, जापानी समाज विलाप करने के बजाय शांत रहकर पुनर्निर्माण में जुट जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि सहनशीलता का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि कठिन समय में गरिमा के साथ अडिग रहना है।

## इकिगाई सुबह जागने का ठोस कारण

जापान के ओकिनावा द्वीप को 'ब्लू जोन' कहा जाता है, जहां लोग 100 साल से अधिक जीते हैं। उनकी लंबी आयु का रहस्य है-इकिगाई के अनुसार जीना। इकिगाई का अर्थ है, जीवन जीने का उद्देश्य। यह चार स्तंभों पर टिका होता है। आप क्या पसंद करते हैं, आप किसमें कुशल हैं, दुनिया को इससे क्या मिलेगा और आपको किस काम के लिए पैसे मिल सकते हैं? फोर्ब्स के अनुसार, जिस दिन व्यक्ति को अपनी इकिगाई मिल जाती है, उसके जीवन से बोरियत, ऊब, तनाव और 'रिटायरमेंट' जैसे शब्द गायब हो जाते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम कर रहा होता है जिससे उसे प्यार होता है।

जापानी दर्शन के ये सरल सिद्धांत अगर आप अपनाकर जीवन जीना सीख लें तो आपको जीवन में भरपूर खुशी और सुकून मिलेगा। *

# सोलो एजिंग बढ़ती उम्र में जिंदगी का भरपूर मजा

अभी तक यही माना जाता रहा है कि सेवानिवृत्त और दायित्वों से मुक्त होने के बाद बुजुर्ग लोग अकेलेपन-उदासी भरी जिंदगी जीते हैं। लेकिन कई अध्ययनों से साबित हुआ है कि बुजुर्ग अब सोलो एजिंग को खूब एंज्वॉय करना सीख गए हैं। अब वे उदास नहीं हर पल को खुल कर जीते हैं।

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

एक ताजा अध्ययन में बुजुर्गों से जुड़ा यह निष्कर्ष सामने आया है कि उम्रदराज लोग अब शिकायतों के बजाय खुद को संभालने की राह चुन रहे हैं। स्टडी में शामिल अधिकतर वरिष्ठजनों ने बताया कि वे पांच साल से ज्यादा समय से अकेले रह रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जिंदगी को मैनेज करने में आने वाली परेशानियों को भूलकर उन्होंने अकेले रहना चुना है। सोलो एजिंग के इस सफर में अपने जीवन से खुश रहने वाले बुजुर्गों का आंकड़ा ज्यादा है। एजवेल फाउंडेशन की इस रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में सोलो एजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में 46.9 फीसदी सोलो एजर्स अपनी जिंदगी से खुश हैं, जबकि 41.5 प्रतिशत असंतुष्ट हैं। 10,000 बुजुर्गों को लेकर की गई यह स्टडी उम्रदराज लोगों के मन और जीवन का बदलता खाका हमारे सामने रखती है।

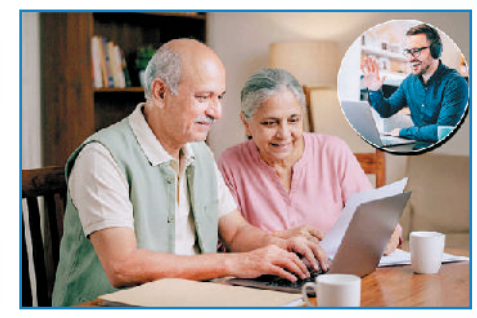



**शिकायत नहीं एडजस्टमेंट की सोच:** बच्चों के करियर के लिए विदेश या दूसरे शहरों में जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्ग, दोषारोपण के बजाय अपनी देखभाल खुद ही करने की राह चुन रहे हैं। यह सच है कि संयुक्त परिवारों के टूटने से घर के बड़े सदस्यों में अकेलापन बढ़ा है पर वे अपने आप को बिजी रखना भी सीख रहे हैं। दूर रहने वाले बच्चों से जुड़े रहने के लिए गैजेट्स को यूज करना सीख रहे हैं। बुजुर्ग यह समझते हैं कि उनके बच्चे चाहकर भी हर समय उनके साथ नहीं रह सकते। यही वजह है कि इन हालातों में तनाव में घिरने के बजाय वे खुशी-खुशी जीवन से जूझने के रास्ते पर चलने लगे हैं। सोलो एजिंग का यह ट्रेंड बड़े-बुजुर्गों की बदलती लाइफस्टाइल से जुड़े इसी पहलू की तस्दीक करता है।

**सक्रियता को प्राथमिकता:** सुखद यह है कि सोलो एजिंग का ट्रेंड कोई थोपे जाने वाला चलन नहीं है। अकेले रहने वाले बुजुर्ग बहुत-सी परेशानियों का सामना करने के बावजूद खुद को सक्रिय रखने के फ्रंट पर जी-जान से जुटे रहते हैं। थकते कदमों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों का बोझ नहीं, बल्कि सक्रिय रहने का बहाना मानते हैं। अकेले सब कुछ मैनेज करने के दबाव को एक्टिव और सधी हुई जीवनशैली के रूप में देखने लगे हैं। इस उम्र में सेहत और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत-सी उलझनों के बीच भी अपने मन को संभालने का जतन वे खुशी से कर रहे हैं। किसी भी तरह के व्यायाम, वॉकिंग, योग आदि के लिए समय निकालते हैं। एक्टिव एजिंग वाली जीवनशैली, उनको स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक एक्टिव एजिंग, बुढ़ापे को एक प्रोडक्टिव और खुशनुमा अनुभव बनाने की स्ट्रेटजी है, न कि इसे अंत मानने की। मौजूदा दौर में बुजुर्ग इस खुशनुमा ट्रांसफॉरमेशन के लिए तकनीक की मदद भी ले रहे हैं। ऑनलाइन सुविधाओं से लेकर अपने बच्चों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने तक, बुजुर्गों ने तकनीक के नए रंगों को सहजता से अपनाया है।

**कर रहे आजादी का एहसास:** असल में सोलो एजिंग के चलन से आत्मनिर्भर बनने का भाव भी जुड़ा है। अपनी जिंदगी को अपने अंदाज में जीने से आजादी का गहरा एहसास भी जुड़ा है। यही वजह है कि अकेलेपन और हेल्थ से जुड़ी बहुत-सी चुनौतियों के बावजूद बुजुर्गों का एक बड़ा वर्ग यानी 46.9 प्रतिशत बुजुर्ग इन हालातों को स्वतंत्र रूप से अपना जीवन जीने के तौर पर भी देख रहा है। इसी एक पॉजिटिव सोच के चलते उम्रदराज लोग अकेले रहकर भी अपने जीवन से खुश हैं। इस स्टडी के मुताबिक 31 फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों ने फाइनेंशियल और सोशल स्वतंत्रता के लिए अकेले रहने का विकल्प चुना है। वहीं 26.7 फीसदी का कहना है कि परिवार के युवा मेंबर्स के बाहर जाने से वे अकेले रह रहे हैं। नई पीढ़ी के दूर जाने को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय बुजुर्ग इसे इंडिपेंडेट रहने के अवसर की तरह देखने लगे हैं। शारीरिक रूप से नहीं भावनात्मक फ्रंट पर भी बुजुर्ग अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्वतंत्रता उनके सुकून से भी जुड़ी है। *



व्यंग्य / राजा चौरसिया

# बने रहो पगला...

'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे।

यह सेंट पर्सेंट पेटेंट सत्य है कि एकरसता से नीरसता ही उपजती है। पतझड़ के बाद ही वसंत वाली बहार की भरमार आती है। इसी प्रकार बीमार के लिए अनार परोसने के क्रिया-कलाप का प्रदर्शन अनिवार्य कार्य है। यदि उत्सव न होते तो ढेर सारी सुख- सुविधाओं के रहते हुए भी खुशी के अभाव में नदी किनारे घोंघा प्यासा की कहावत ही चरितार्थ होती रहती। जैसे रात के बाद ही प्रभात आता है, अमावस्या के उपरांत ही पूर्णिमा होती है। इसी प्रकार मूर्खता के पश्चात ही विद्वता का अवतरण होता है। कीचड़ के बिना कमल की कल्पना, धुएं के बादलों से बरसात की सरासर झूठी कल्पना सरीखी है। हार्ट को रुचने वाले शॉर्ट और स्मार्ट शब्दों में यह डंके की चोट पर कहा जा सकता है कि मूर्खता या मूढ़ता ही विद्वता की मातेश्वरी होती है। हाथी के दांत के आचरण वाले उदाहरण हवा-पानी की तरह यत्र-तत्र, सर्वत्र व्याप्त हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए ही कुछ चतुर चालाक लोग बुद्धिमान होते हुए भी मूढ़ बने रहते हैं। इसीलिए संयोग नहीं बल्कि दुर्योग है कि असली और फसली मूर्खों से ज्यादा नकली मूर्खों की तादाद बेमियाद बढ़-चढ़ रही है। अत्याधुनिकता की मानसिकता एवं प्रासंगिकता को प्राथमिकता देने से नकली मूर्खों या धूर्तों की बाढ़ खासी प्रगति पर है। झूठे शुभचिंतकों तथा सच्चे अशुभचिंतकों के इस काबिलेगौर दौर में चातुर्य का प्राचुर्य रहते हुए भी दूसरों के सामने मूर्ख, बुद्धू, घुग्घू और उल्लू बने रहने के कायदे से फायदे ही फायदे हैं। मन से थू-थू करते हुए भी मुंह से आई लव यू कहना अवसरवाद का बढ़िया अपडेट सर्टिफिकेट है। मीठे गवाक्ष से तीखे कटाक्ष करने का बेहतरीन एवं हसीन आइडिया है। बुद्धिजीवी को मित्र बनाना मूर्खता है, लेकिन किसी मूर्ख को बुद्धिमान होने का आभास कराना सबसे कारगर बुद्धिजीविता है। 'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। घर, दफ्तर हो या आस-पड़ोस सरल से सरल काम भी न कर पाने का प्रमाण दिखाकर आपको मूर्ख घोषित कर दिया जाएगा तो आगे कभी कोई काम करने की जिम्मेदारी आपको नहीं मिलेगी। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे। मूर्ख न होकर भी मूर्ख बने रहने से ही दांपत्य जीवन की कुशलता विशेष तो नहीं, मगर शेष बची ही रहती है। जान-बूझकर उल्लू यानी गृहलक्ष्मी के वाहन बने रहने से गृहस्थी की गाड़ी सरपट दौड़ती रहती है। ज्वालामुखी को चंद्रमुखी अर्थात् लालमिर्ची को मिश्री कहने का यह नीक-सलीका भरपूर स्वागतेय है। विद्वता झाड़ते हुए तर्क, वितर्क और कुतर्क से बेकार का भेजा भंजन ही होता है, जबकि जन्म से ही मूर्ख पैदा हुए उच्च पदासीन मंत्री या अफसर को इंटेलीजेंट, ब्रिलिएंट तथा डिलीजेंट होने का आभास कराते रहने से अपना उल्लू सीधा होता रहता है। जनता का सेवक बनकर महानुभाव कितनी मलाई खाते हैं, यह सेवा करवाने वाली जनता खूब जानती और समझती है। दरअसल, जनतंत्र में तो जनता मूर्ख न होकर भी मूर्ख बनती ही रहती है। उसके लिए कोई खास दिन नहीं, हर दिवस सहर्ष मूर्ख दिवस ही होता है। मूर्ख दिवस वास्तव में उन लोगों का ही उत्सव है, जो दीन, हीन और खुद को मूर्ख बताकर दूसरों को मूर्ख बनाते हैं, अपना काम निकलवाते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

# मेरे लिखने की मेज

हाल में वरिष्ठ साहित्यकार सूरज प्रकाश के संपादन में 'मेरे लिखने की मेज' पुस्तक छपकर आई है। इसमें नई और वरिष्ठ पीढ़ी के कुल मिलाकर 125 लेखकों की उनके लेखन से जुड़ी दास्तानें दर्ज हैं। यह किताब पढ़कर लेखन प्रक्रिया को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। कोई रचना लिखने की शुरुआत कैसे होती है, उसके लिए अनुकूल स्थिति या वस्तुएं क्या होती हैं, लिखने के पहले और उसके बाद किस तरह का अनुभव होता है, कौन से कारण लिखने के लिए किसी लेखक को विवश करते हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब किताब में शामिल लेखकों ने दिए हैं। वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत अपने लेखन के बारे में कहते हैं, 'सफेद कागज पर काली रौशनाई से लिखना पसंद करता हूं। सफेद को काला करने का जुनून सा उठता रहता है। सफेद कागज मुझे बेचैन कर देता है।' अपने लेखन के बारे में आकांक्षा पारे कहती हैं, 'मुझे रात की जरूरत होती है, जब मुझे पता है, कोई फोन नहीं करेगा, दरवाजे की कोई घंटी नहीं बजेगी।' वरिष्ठ कथाकार प्रकाश मनु लेखन को पूजा-अर्चना की तरह पवित्र कर्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'अपने कमरे के जिस कोने में बैठकर मैं लिखता-पढ़ता हूं, वहां गंगा, यमुना, सरस्वती तीनों नदियां बहती हैं। इसलिए उससे पवित्र स्थान तो कोई और हो ही नहीं सकता।' वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कहते हैं, 'लिखते वक्त अपने संगतकारों यानी डायरी, कागज, पेन और लिखने की आधार जगह से संगत बनाता हूं... और मैं आगत रचना के सामने विनत भाव से बैठ जाता हूं।'
भले ही यह किताब किस्से, कहानी या कविता की नहीं है लेकिन इसे पढ़ने के दौरान रोचक कहानियों के पढ़ने जैसा ही आनंद आता है। *

**पुस्तक:** मेरे लिखने की मेज, **संपादक:** सूरज प्रकाश, **मूल्य:** 449 रुपए, **प्रकाशक:** अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–



केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

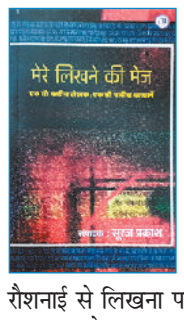

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजनरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

# मिलरों की सुस्ती, धान का उठाव धीमा खरीदी केंद्रों में 14.14 लाख टन शेष

हरिभूमि न्यूज़: रायपुर

प्रदेश में धान खरीदी के बाद खरीदी केंद्रों में उठाव तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में 25 लाख किसानों से 141.10 लाख टन धान की खरीदी की गई थी। खरीदी पूरा होने के बाद खरीदी केंद्रों से मार्कफेड और संग्रहण केंद्रों के लिए धान का उठाव जारी है। अब तक 85 प्रतिशत से अधिक धान का उठाव कर लिया गया है। मिलरों ने अब तक 110.65 लाख टन और संग्रहण केंद्रों के लिए 16.10 लाख टन धान का उठाव किया गया है।

खरीदी केंद्रों में अब 14.14 लाख टन से अधिक धान उठाव के लिए शेष है। वहीं मिलरों द्वारा उठाव में सुस्ती दिखाए जाने के कारण कई जिलों में उठाव की गति धीमी है। मार्कफेड के माध्यम से हो रहे उठाव में मिलरों को उठाव के लिए डीओ जिला प्रशासन के द्वारा लगातार जारी किए जा रहे हैं। केंद्रीय पुल में छत्तीसगढ़ को वर्ष 2025-26 में जमा किए जाने वाले चावल की मात्रा का ध्यान में रखते हुए मिलरों को मिलिंग के लिए धान दिया जा रहा है। वहीं संग्रहण केंद्रों में धान को सुरक्षा की दृष्टिकोण से रखा जा रहा है। इधर धान खरीदी का काम पूरा होने के बाद कई खरीदी केंद्रों में रखे धान को लेकर समितियों में सूखत का खतरा बढ़ गया है। अधिकारियों के अनुसार धान उठाव करने के लिए 31 मार्च का डेट लाइन तय किया गया है। धान उठाव की स्थिति देखे तो मैदानी जिलों में धान का उठाव तेजी से कर लिया गया है। यहां पर 80 से 85 फीसदी धान का उठाव कर लिया गया है।

# विदेशी नागरिकों के साथ ठगी कांड में ईडी की इंट्री, पुलिस से मांगी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

यूएसए में छोटे लोन लेने के इच्छुक लोगों से ठगी करने वाले मामले में अब ईडी की इंट्री हो गई है। ईडी ने पुलिस ने पूरे प्रकरण की रिपोर्ट मांगी है। वहीं जालसाज गिरोह को लेकर पुलिस आने वाले दिनों में और बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

यूएसए के लोगों के साथ छह चरणों में ठगी की जा रही थी, उसमें से दो चरण का काम रायपुर में फर्जी कॉल सेंटर के जालसाज करते थे। तीन चरण का काम अहमदाबाद में बैठे मास्टर माइंड करते थे। एक चरण का काम चाइना से होता था। ठगी का लिंक रायपुर तथाअहमदाबाद से होने की वजह से पुलिस की एक टीम जांच करने अहमदाबाद के लिए रवाना होगी। अब तक की पुलिस जांच में जो बातें सामने आई हैं, उसके मुताबिक विदेशी नागरिकों को ठगने जालसाज बड़े शहरों की अपेक्षा छोटे शहरों को अपराध का हिस्सा बना रहे हैं। बड़े शहरों में ट्रैप होने का हमेशा खतरा बना रहता है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष

## कवर्धा का विकास...

स्वास्थ्य के क्षेत्र में 4 करोड़ की सीटी स्कैन मशीन लगाई गई है। जिसका लाभ यहां की जनता को मिलेगा। उन्होंने बताया कि भोरमदेव क्षेत्र में 146 करोड़ रुपए के विभिन्न उन्नयन के कार्य हो रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना से लगभग 50 हजार से अधिक यहां आवास स्वीकृत हुए हैं और 100 से अधिक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत काम हो रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कावड़ियों के लिए बड़ा डोम भी बनाया जा रहा है। स्थानीय प्रदेश सरकार के साथ ही हम दिल्ली से भी काम लाकर कर करा रहे हैं।

वहीं उन्होंने कांग्रेस की पूर्व सरकार को घेरते कहा कि पिछले 5 साल में कोई काम नहीं हुआ। शुगर फैक्ट्री में गन्ने की कमी को लेकर कहा कि ढाई लाख मीट्रिक टन गन्ने का उत्पादन कवर्धा और सवा लाख पंडरिया में हुआ। इस दौरान गुड़ की कई फैक्ट्रियां खुलने से गन्ने की कमी थी। हमने किसानों को समझाया कि यह शुगर फैक्ट्री किसानों की सहकारिता के माध्यम से चलनी चाहिए। हमने किसानों से गन्ना देने अनुबंध कराया। वहीं धान में सूखत को लेकर उन्होंने कहा कि धान में सूखत हर साल जितना आता है, इस साल भी उतना ही आया है। उन्होंने अफीम की खेती को लेकर कहा कि अफीम की खेती पर हमने कार्रवाई की है।

## जनता ने भूपेश...

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सामने चुनाव लड़ने के मामले को लेकर उन्होंने कहा कि भूपेश ने सब प्रकार का प्रयास किया। इतने फॉर्म उनके खिलाफ भराए गए, लेकिन सफलता नहीं मिली। भूपेश को यहां की जनता ने पराजित कर वापस दुर्ग भेज दिया।

## कांग्रेस कार्यकाल में...

अभी 2 वर्ष के कार्यकाल में जनता नाखुश है और किसान परेशान हैं।

## जंगल से जटिल...

ज्यादा कुछ जान पाना कठिन था। इसी खासियत का लाभ उठाते हुए संबंधित राज्यों में सक्रिय नक्सलियों ने भिलाई को अपना ठिकाना बना लिया था। शहर में छिपे नक्सलियों की सुरागसाजी के लिए दुर्ग जिला पुलिस बल ने पूरी ताकत झोंक दी। पुलिस को खबर मिली थी कि नक्सली शहर में प्रवेश कर बड़ी घटनाओं को अंजाम देने वाले है। इस बात की पुष्टि तत्कालीन डीजीपी विश्वरंजन ने की थी। तत्कालीन एएसपी ग्रामीण मनीष शर्मा को मुखबिर से सूचना मिली की उत्तर बस्तर मांढ डिवीजडनल कमेटी का सदस्य और इनामी नक्सली नागेश अपने साथियों के साथ जामुल में देखा गया है। जिसमें एक महिला तारा बाई भी है। जानकारी जैसे ही आला अफसरों को दी गई। वहां से सारी रणनीति बनी। कंट्रोल के जरिये पाइंट चलते ही जिले के पुलिस महकमे में हलचल मच गई, पर पुलिस की रणनीति गुप्त रखी गई थी। दुर्ग रेंज के तत्कालीन आईजी आरके विज के निर्देश पर एसपी रहे अमित कुमार ने तुरंत चार पार्टियां बनाईं। सभी को नक्सलियों की तलाश में अलग-अलग ठिकाने पर लगाने का निर्देश मिला। सभी पार्टियों की मानिटरिंग का जिम्मा तत्कालीन एएसपी एमएल कोटवानी को सौपा गया था।

**आधी रात जामुल के बोगदा पुलिस में हुई थी मुठभेड़-**

जामुल स्थित बोगदा पुल जहां रात 1.30 बजे 17 सदस्यीय पुलिस टीम पहुंची। चारों ओर सन्नाटा दूर-दूर तक पुलिस को कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। पुलिस को एक पल के लिए लगा मुखबिर की सूचना गलत साबित हो रही है। इसके ठीक 15 मिनट बाद पुलिस को शिवपुरी चौक जामुल की ओर से तीन लोग हाथ में थैला लिए पैदल आ रहे थे। तीनों मजदूर जैसे नजर आ रहे थे। इसलिए पुलिस ने थोडा इंतजार किया। तत्कालीन सीएसपी रहे यूबीएस चौहान ने जैसे ही पास जाकर तीनों को आवाज लगाई। तभी एक ने थैले में हाथ डालकर बंदूक निकाला और पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग करना शुरु कर दिया लेकिन पुलिस अलर्ट थी लिहाजा नक्सलियों का फायर चूक गया। तब तक सारे पुलिस जवान वाहन से उतरकर जमीन पर लेटकर पोजिशन ले चुके थे। महिला नक्सली समेत एक अन्य नक्सली ने पिस्टल निकालकर फायरिंग करना शुरु कर दिया था। फायरिंग करते हुए नक्सली क्वारी माईंस की झाड़ियों की तरफ भागे। नक्सलियों की तरफ से 7 से 8 राउंड फयरिंग किया। पुलिस ने 14 राउंड जवाबी फायर किया। जिसमें तीन गोली पुरुष नक्सली नागेश के पेट, छाती व कमर के पास लगी। वहीं महिला नक्सली तारा बाई के पेट में दो गोली जा धंसी। दोनों नक्सली जमीन पर ढेर हो गए।

**इनामी नक्सली था नागेश-**

पुलिस ने बताया कि डायरी के आधार पर मृत नक्सली को क्रुर नक्सली नागेश तो मान रही थी पर इसकी पुष्टि नहीं हो पा रही थी। इसके लिए जिला पुलिस ने कोयलीबेड़ा क्षेत्र से एक एसपीओ को बुलाया। ऐसा कहा जा रहा था कि नागेश को सिवाए उस एसपीओ के कोई पहचानता था। एसपीओ ने आकर पुष्टि की कि मृत नक्सली ही नागेश है जो उत्तर बस्तर मांढ डिवीजनल का सक्रिय सदस्य व 2 लाख का इनामी नक्सली है। तब जाकर पुलिस ने इसका खुलासा किया था। जो 17 साल से नक्सली गतिविधियों में शामिल था। उसके खिलाफ कांकेर के कोयलीबेडा, रावघाट, अंतागढ़ सहित अनेक नक्सल प्रभावित क्षेत्र में हत्या, लूट व अपहरण का मामला दर्ज है। वहीं मृत महिला नक्सली की पहचान नागेश की पत्नी ताराबाई के रूप में की गई। वहीं फरार नक्सली की पहचान नहीं हो पाई है।

## मिले थे जिंदा...

एक डायरी, एक इलेक्ट्रानिक डायरी, एक कंपास, वाकीटाकी, दवा के साथ दैनिक उपयोग का सामान और महिला नक्सली ताराबाई के थैले से पाकेट डायरी, एक कंपास, एक वाकीटाकी, शक्कर, चायपत्ती, मिक्टर, केला, पेस्ट, ब्रश व साबून बरामद हुआ।

## नक्सलियों का मजबूत...

के अलावा बाहरी व सरकारी कर्मचारियों की पूरी इन्कवारी की जाती थी जिसके बाद ही उन्हें अनुमति मिलती थी। आज माड़ का यह पूरा इलाका नक्सलमुक्त होने की कगार पर है। लेकिन इसे नक्सलियों से मुक्त करने में शहीद हुए पुलिस अधिकारियों व जवानों की लंबी फेहरिस्त है जिन्होंने अबूझमाड़ की शांति के लिए अपना बलिदान दिया।

**149 जवान-अधिकारी हुए शहीद -**

नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास की स्थापना के लिए अब तक कुल 149 वीर जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। इनमें सर्वाधिक 95 अधिकारी व जवान स्थानीय पुलिस बल के अलावा केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल सीआरपीएफ के 46 व आईटीबीपी के 8 अधिकारी व कर्मी शामिल हैं। इन सभी वीरों का त्याग और समर्पण इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने तथा आम जनजीवन को सुरक्षित बनाने के प्रयासों का आधार रहा है। उनके बलिदान ने अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्र में विकास और विश्वास की राह प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

**अबूझमाड़ का दण्डकारण्य सुरक्षित ठिकाना-**

बस्तर क्षेत्र में नक्सली आंदोलन के प्रवेश के बाद से ही अबूझमाड़ का दण्डकारण्य क्षेत्र माओवादियों का एक सुरक्षित ठिकाना माना जाता रहा है। घने जंगल, पहाड़ी और दुर्गम भू-भाग, सीमित संपर्क व्यवस्था तथा विरल आबादी जैसे भौगोलिक कारणों के चलते यह क्षेत्र लंबे समय तक नक्सली गतिविधियों के लिए अनुकूल माना जाता था। इन्हीं परिस्थितियों के कारण सुरक्षा बलों को यहां शांति स्थापित करने के लिए वर्षों तक कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करना पड़ा।

**पहली शहादत 1993 में -**

नारायणपुर क्षेत्र में शहादत की पहली घटना 33 वर्ष पहले 28 नवम्बर 1993 को हुई थी जब उस समय अविभाजित बस्तर जिले के अंतर्गत आने वाले छोटेडोंगर थाना के आरक्षक देव सिंह कोर्राम की हुई। वे नक्सली घटना में टेकनार गांव के पास शहीद हो गए थे। वहीं इस जिले में शहादत की हालिया घटना 21 मई 2025 को कोडमेल जंगल में हुई जब बसवराजू मुठभेड़ के दौरान सैनिक गोटलू राम कोर्राम ने वीरगति प्राप्त की। इन दोनों घटनाओं के बीच के वर्षों में अनेक वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर अबूझमाड़ क्षेत्र में शांति और सुरक्षा की स्थापना के लिए अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया।

**दूसरी बड़ी घटना-**

जिले में दूसरी बड़ी घटना घटना 29 जून 2010 के दोपहर एक बजे से शाम साढ़े चार बजे के मध्य हुई। जिले के थाना धौड़ाई क्षेत्र के ग्राम कौसलनार-महराबेडा के मध्य मुख्य मार्ग पर हुई। थाना थौडाई से जिला बल व केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त पुलिस पार्टी अवकाश पर जाने एवं अवकाश से आने वाले जवानों को लेने झाराघाटी की ओर रवाना हुई थी। जवानो को छोडकर एवं अवकाश से आने वाले जवानों को लेकर पुलिस पार्टी मुख्य मार्ग के दोनो ओर सर्चिंग करते हुये वापस आ रही थी। तभी ग्राम महराबेडा एवं कौसलनार के मध्य जंगल एवं नदी में पूर्व से घात लगाये सशस्त्र नक्सलियों द्वारा पुलिस पार्टी पर फायरिंग किया गया। पुलिसपार्टी द्वारा तत्काल पोजिशन लेकर जवाबी कार्यवाही किया गया। इस मुठभेड़ में 27 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान शहीद हुए जबकि 5 जवान गंभीर रूप से घायल हुए थे।

**तीसरी बड़ी घटना-**

10 जनवरी 2017 को 8:30 बजे ग्राम ईरपानार व कावानार के बीच नदी जंगल किनारे थाना छोटेडोंगर में हुई। गश्त के लिए शासकीय वाहन बारसूर के कैम्प सातधार पंहुचे वहा से रूट चार्ट के मुताबिक पैदल ग्राम गुफा तोडना तुलार एवं मंगल नदी पहाडों का सर्च करते 9 जनवरी को रात्रि होने से ईरपानार के पास वाली पहाडी में रात्रि विश्राम किये। इसके बाद 10 जनवरी को ग्राम ईरपानार का सर्च करते ग्राम कावानार की ओर बढ़ रहे थे। सशस्त्र माओवादियों द्वारा घात लगाकर पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग कर दिये। मुठभेड के दौरान प्रधान आरक्षक भुनेश्वर मण्डावी शहीद हो गये। मठभेड़ में नक्सली डीवीसी तिरूपति निवासी महाराष्ट्र के अलावा श्याम यादव निवासी छिनारी कम्पनी नम्बर 6 का सदस्य, रत्ना मरकाम निवासी दक्षिण बस्तर कम्पनी नम्बर 6 का सदस्य तथा मंगल सलाम निवासी ईरपाना मिलिशिया सदस्य को जवानों ने मार गिराया।

**चौथी घटना-**

**जिले में चौथी घटना 24 जनवरी 2018 को 10 बजे-**

ओरछा थाना क्षेत्र के ग्राम ईरपानार के पूर्व दिशा में स्थित जंगल पहाड़ में हुई। 23 जनवरी को डीआरजी, एसटीएफ की संयुक्त पार्टी नक्सल अभियान पर रवाना हुए थे। ग्राम ईरपानार का सर्च करते आगे बढ़ रहे थे कि 200-250 सशस्त्र नक्सलियों द्वारा घात लगाकर पुलिस पार्टी पर फायरिंग किया गया। पुलिस पार्टी द्वारा भी आत्मसुरक्षार्थ जवाबी फायर किया गया। इस मुठभेड़ में उप निरीक्षक मुलचंद कवंर व विनोद कौशिक के आरक्षक देवनाथ पुजारी व रायसिंह मरकाम शहीद हो गये। जबकि आरक्षक रोहत बेसरा, धनकुमार लकड़ा, संतोष कुमार दुग्गा, नव आरक्षक घसिया राम कुमेटी, आरक्षक विजय नेताम, सहायक आरक्षक संजय पटेल, आरक्षक जगेन्द्र उईके, श्रवण भोयर, गोवर्धन कुंजाम, एपीसी जयकरण प्रजापति एवं आरक्षक बृजेश कुमार घायल हो गये।

**पांचवी बड़ी घटना-**

जिले में पांचवी बड़ी घटना 23 मार्च 2021 के दोपहर लगभग 3.50 बजे ग्राम कन्हारगांव एवं कडेनार के मध्य ग्राम बुकिंनतोर, पुलिया थाना छोटेडोंगर में हुई। स्थानीय सूचना के आधार पर डीआरजी एवं आईटीबीपी की संयुक्त पार्टी नक्सल अभियान पर रवाना हई थी। नक्सल गश्त सचिंग पश्चात आरओपी पार्टी लगने के बाद गश्त पार्टी के जवान कैम्प कड़ेमेटा से वापस नारायणपुर के लिये 4 बस एवं 1 छोटी वाहन बैठकर में से वापस मुख्यालय आ रहे थे कि कैम्प कड़ेनार एवं कन्हारगांव के मध्य रोड ग्राम बुकिनतोर पुलियों में पूर्व बस्तर डिविजन मे सक्रिय नक्सलियों द्वारा पुलिस जवानो को नुक्सान पहुंचाने एवं हथियार लूटने की नियत से मार्ग के मध्य आईईडी ब्लास्ट किया गया। इस ब्लास्ट में प्रधान आरक्षक पवन कुमार मंण्डावी, आरक्षक सेवक सलाम, चालक देवकरण देहारी, प्रधान आरक्षक जयलाल उईके, सहायक आरक्षक विजय पटेल शहीद हो गए। वहीं इस हमले में प्रधान आरक्षक नारायण नेताम, रमेश कुमार शोरी, आरक्षक सकेन्द्र नेताम, उमेश कुमार सोरी, मंगलु राम कुमेटी, सोमधर ध्रुव, रमेश कचलाम, नव आरक्षक सोमारू राम गोटा, हिरगु राम मेटामी, संतोष नेताम, सुखलाल पोयाम, सहायक आरक्षक विसम्बर पटेल, प्रेमचंद पात्र, हेमचंद पात्र, हेमेश्वर पात्र, संत कुमार दुग्गा तथा गाईड गोपनीय सैनिक ांझीराम पावे, लखुराम दोदी, धनसिंग सलाम, सोनू उरसाव, विजेन्द्र कश्यप, जगिया कश्यप व नागेश कश्यप घायल हो गये।

**वर्सन आईजी-**

**वीर जवानों के अदम्य साहस, त्याग और समर्पण का परिणाम-**

अबूझमाड़ जैसे दुर्गम और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास की जो राह आज दिखाई दे रही है वह हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस, त्याग और समर्पण का परिणाम है। अनेक जवानों ने अपने प्राणों की सर्वोच्च आहुति देकर इस क्षेत्र में विश्वास और स्थिरता की नींव रखी है। उनका बलिदान केवल सुरक्षा बलों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हम सभी का यह दायित्व है कि उनके त्याग को स्मरण रखते हुए अबूझमाड़ को स्थायी शांति, विश्वास और विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के संकल्प को और अधिक मजबूत करें। सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी बस्तर।

**वर्सन एसपी-**

अबूझमाड़ की धरती वीर जवानों की अमर शहादत की साक्षी रही है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और अनेक चुनौतियों के बावजूद सुरक्षा बलों ने हमेशा दृढ़ता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ क्षेत्र में शांति स्थापित करने का प्रयास किया है। इन वीरों का त्याग हमें यह प्रेरणा देता है कि हम समाज के हर वर्ग के साथ मिलकर विश्वास, संवाद और विकास के मार्ग को आगे बढ़ाएं। उनकी शहादत केवल स्मृति नहीं बल्कि एक संकल्प है कि अबूझमाड़ में शांति और प्रगति की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी।

**रॉबिन्सन गुरिया,** एसपी नारायणपुर

## केन्द्रीय अर्धसैनिक...

कुमार साहू, जनरल सिंह, रंजू कुमार साहा, अंजन फूकन, एस रामाराव, तारकेश्वर राय, ध्रुबज्योति दास, तिलकराज, केएच आई सिंघा, पाणू राम नायक, तुषारबराल, नरेन्द्र मोहन झा, सोहेल राणा, आरसी हेमरम, एम कृष्णाराव, पंकज महंती, सुदामाचंद दास, अर्जुन गयारी, गोविंन्द प्रधान, समीर उरांव, पंकज बडीयाल, नीरज कुमार, एल बालरा स्वामी, रामटेके मंगेश, शिव नारायण मीणा, सिंधे सुधाकर, गुरमुख सिंह, राजेन्द्र सिंह, पवार अमर, के राजेश व संतोश त्रिमाली शामिल है।

## शहीद सीएफ,...

धनीराम उसेण्डी, महेन्द्र सिंह, मंगतूराम पोताई, फिरतूराम बड़दा, पोलिकार्प तिग्गा, सुकमन राम, रामूराम कोर्राम, बिसुन दास कुर्रे, विजय कुमार यादव, रतिराम सिन्हा, पीलूराम नेताम, अशवनी प्रधान, अब्दुल वाहिद खान, बलीराम पोटाई, यामला धरमैय्या, क्लमेट लकड़ा, संतोष शर्मा, जुगबीर सिंह चुरेन्द्र, ऋषिकेश, संतोष पाहरे, ताराचंद निर्मलकर, चंदन सिंह पोर्ते, राजेन कुमार दीवान, सतीश सिंह यादव, बृजेश सिंह संजय सिंह राय, समारू वट्टी, आनंद राठौर, दानसाय सोरी, सोमबहादुर थापा, महेन्द्र सिंह, मनोज सिंह, पंकज सूर्यवंशी, अथनस बड़ा, अध्वनी राजपूत, पुष्पराज नागवंशी, पूरनसिंह पोताई, भुवनेश्वर मंडावी, संतोष मरकाम, विनोद सिंह कौशिक, मूलचंद कंवर, देवनाथ पुजारी, रायसिंह मरकाम, राजूराम नेताम, जितेन्द्र बघेल, संतू राम वड्डे, केसर सिंह उसेण्डी, जयलाल उइके, पवन कुमार मंडावी, सेवक राम सलाम, देवकरण देहारी, विजय पटेल, सालिकराम मरकाम, संजय लकड़ा, कमलेश कुमार साहू, नितेश एक्का, सत्तेर सिंह करंगा, बिरेंद्र कुमार शोरी, सन्नू कारम व खोटलूराम कोर्राम शामिल है।

## बैन के बाद...

नए नामों के साथ फिर से संचालित होने लगी हैं। आईडी खरीदने से लेकर मोबाइल नंबर के जरिए इन सट्टा वेबसाइट्स पर रजिस्टर किया जा रहा है। वहीं खुले बाजार में भी सट्टा लगाया जा रहा है।

हरिभूमि ने जब इंटरनेट पर इन ऑनलाइन सट्टा वेबसाइट्स की पड़ताल की, तो 20 से अधिक ऐसी वेबसाइट्स गूगल के पहले पेज में मिलीं जिनमें केवल आईपीएल ही नहीं, बल्कि देशभर में हो रहे सभी तरह के खेलों पर सट्टा लगाया जा रहा है। इसके साथ ही, पैसों वाले वो गेम भी इनमें मौजूद हैं जो पहले ऐप्स पर होते थे। सरकार द्वारा उन ऐप्स को बंद किए जाने के बाद अब वे गेम्स वेबसाइट्स पर खेले जा रहे हैं। पड़ताल के दौरान जब हरिभूमि ने इन वेबसाइट्स पर आईडी बनाई, तो चंद सेकंड में ही लॉगिन हो गया। इसमें न तो उम्र पूछी गई और न ही शहर की जानकारी मांगी गई। केवल मोबाइल नंबर या ईमेल के जरिए आईडी बनते ही सीधे मैच पर सट्टा लगाने का विकल्प सामने आ गया। खास बात यह भी है कि आईपीएल को लेकर कई वेबसाइट्स आईडी बनाने पर यूजर्स को बोनस भी दे रही हैं।

**50 रुपए में सीधे 100 का मुनाफा-**

हरिभूमि ने 4rabet120.com, baterybets, 1webhr और luck-kudo.life जैसी ऑनलाइन सट्टा वेबसाइट्स की भी पड़ताल की, जो इंटरनेट पर बिल्कुल नई हैं। ये वेबसाइट्स मैच शुरू होने से पहले ही लोगों को हर बॉल, ओवर और चौके-छक्के पर सट्टा लगाने का विकल्प दे रही हैं। अन्य वेबसाइट्स की तरह इनमें भी बोनस दिया जा रहा है, जिससे दांव लगाने में छूट मिल रही है। खास बात यह है कि इनमें 50 रुपए लगाने पर 100 रुपए मिलने, यानी सीधे पैसे डबल होने का लालच दिया जा रहा है। साथ ही, मिलने वाला मुनाफा भी पहले ही बता दिया जाता है। हर जीत पर सौ रुपए लगाने पर 2000 रुपए तक का मुनाफा होने का लालच भी दिया जा रहा है।

**डोमेन बदलकर और विदेशी सर्वर का इस्तेमाल-**

सरकार द्वारा 2025 में लाए गए ऑनलाइन गेमिंग कानून के तहत रियल मनी बेटिंग को प्रतिबंधित किया गया है। इसके बाद भी ये वेबसाइट्स बार-बार डोमेन बदलकर और विदेशी सर्वर का इस्तेमाल कर कानून से बचने की कोशिश कर रही हैं। इन प्लेटफॉर्म्स में यूजर्स को पहले छोटे दांव में जीत दिखाकर लालच दिया जाता है, फिर बड़ी रकम फंसाकर अकाउंट ब्लॉक या विड्रॉल रोक दिया जाता है। बता दें कि 7000 से अधिक सट्टेबाजी वेबसाइट्स भारत में ब्लॉक किया गया है। इसमें 300 हाल में फिर ब्लॉक की गईं है। सूचना है कि अधिकांश साइट्स विदेशी सर्वर से ऑपरेट हो रही है।

## अन्ना रेड्डी अभी...

इसके लिए वेबसाइट पर एक नंबर भी दिया गया है, जिस पर व्हाट्सएप करके 'वांट मी आईडी' लिखना होता है। हरिभूमि जब इस प्रोसेस में आगे बढ़ी, तो 15 मिनट के बाद उस नंबर से जवाब में एक मैसेज आया कि कम से कम 300 रुपये देने होंगे, जिसके बाद ही आईडी बनाकर दी जाएगी। पैसे भेजने के लिए व्हाट्सएप पर बाकायदा एक क्यूआर कोड भी भेजा गया था।

## बिलासपुर में चकरभाठा...

जरहाभाठा और मगरपारा में पुराने खाइवाल रहें हैं। पुलिस की कार्रवाई के बाद लेकिन खेल अंडरग्राउंड होकर चल रहा है। घुरू अमेरी, दयालबंद, हेमूनगर, यदूनंदन नगर और तिफरा में रोजाना लाखों करोड़ों का सट्टा लगता है। हरिभूमि ने घुरू अमेरी क्षेत्र के एक प्रमुख सट्टेबाज से बात की तो उसने स्वीकार किया की करोड़ों का सट्टा लग रहा है। सट्टे के खेल में पुराने खिलाड़ियों के साथ ही युवाओं और छात्रों को ज्यादा शामिल किया जा रहा है। इसने बताया कि अब ऑनलाइन साइट पर कई ऐसे ऐप आ गए है जिसके जरिए बुकी के ऐजेंट सट्टा लगाने वालों से रकम लेकर उनकी नई आईडी बनाते हैं और फिर उस आईडी में रकम डालते हैं। कोई दो हजार रुपए से अपनी आइडी खुलवाता है, तो कोई 50 हजार से। यह सब ऑनलाइन किया जा रहा है।

## शहर के प्रमुख...

हरिभूमि- सट्टे का भाव कैसे तय होता है, कौन तय करता है

खाइवाल- सट्टे के भाव को डिब्बे की आवाज बोला जाता है। आईपीएल क्रिकेट में सट्टेबाज 20 ओवर को लंबी पारी, दस ओवर को सेशन और छह ओवर तक सट्टा लगाने को छोटी पारी खेलना कहते हैं। इन पांच ओवरों में खेलने वाली टीम कितने रन बनाएगी और इसके कितने खिलाड़ी आउट होंगे व कौन सा खिलाड़ी कितने रन बनाएगा, सभी पर सट्टा लगा होता है।

हरिभूमि- मैच से पहले ही सट्टे का भाव तय होता है क्या

खाइवाल- मैच की पहली गेंद से लेकर टीम के जीत तक भाव चढ़ते उतरते हैं। एक लाख को एक पैसा, 50 हजार को अठन्नी, 25 हजार को चवन्नी कहा जाता है। यदि किसी ने दांव लगा दिया और वह कम करना चाहता है तो फोन कर एजेंट को 'मैंने चवन्नी खा ली' कहना होता है। टॉस पर भी मोटा सट्टा लगता है।

हरिभूमि- पुलिस पकड़ती नहीं क्या, बचने के लिए क्या करते हो

खाइवाल- सावधानी बरती जाती है कि एक बार कोई मोबाइल नंबर यूज हो गया तो उसे दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जाता। पुलिस की नजर से बचने के लिए दर्जनों मोबाइल फोन रखते हैं। फोन टैप होने के डर से हरेक खिलाड़ी का रेट, जीत हार, कुल स्कोर आदि पर लगने वाले सट्टे के रेट एसएमएस से एक दूसरे को भेजे जाते हैं। इसमें नगद लेनदेन नहीं होता। फोन पर ही काल कर सट्टा लगाया जाता है। मोबाइल वालेट और खाता के जरिए पैसे इधर-उधर किए जाते हैं। बुकी मोबाइल लेकर घर पर बैठा है या कहीं और, यह जानकारी पुलिस को नहीं मिल पाती।

**पूरा नेटवर्क लेपटॉप, मोबाइल पर-**

चकरभाठा के एक दूसरे खाइवाल ने बताया कि यह पूरा नेटवर्क आधुनिक संचार प्रणाली लेपटॉप, मोबाइल, वाइस रिकार्डर आदि पर ही चल रहा है। सटोरियों ने कोड वर्ड ले रखे हैं, जिसमें चांदी व सोने का क्या भाव चल रहा है आदि शामिल हैं। पुलिस से बचने के लिए सटोरिए हर रोज ठिकाना भी बदल लेते हैं। यही नहीं उन्होंने आगे कारिंदे भी रखे हुए हैं ताकि अगर पुलिस कार्रवाई हो तो वे साफ बचकर निकल जाएं। सटोरियों के तार दिल्ली व मुंबई जैसे बड़े शहरों से जुड़े हुए हैं। जहां से पल-पल की जानकारी मिलती रहती है।

## अपडेट के बाद...

यानी अपडेट के दौरान साफ्टवेयर में हुई गड़बड़ी से सभी ई-पॉस मशीनों में दुकानों को आवंटित खाद्यान्न का स्टॉक ही गायब हो गया। इसके कारण 26 से 28 मार्च तक उचित मूल्य दुकानों से हितग्राहियों को खाली हाथ लौटना पड़ा। हालांकि खाद्य विभाग के रायपुर जिला अधिकारी भूपेंद्र मिश्रा ने बताया कि शनिवार को दोपहर बाद साफ्टवेयर में हुई गड़बड़ी को सुधार लिया गया है, जिसके बाद वितरण का काम जिले में शुरू हो गया है, लेकिन हरिभूमि ने जब कई दुकानों में जाकर पड़ताल की, तो ज्यादातर दुकानदार स्टॉक की प्राप्ति करने की प्रक्रिया में उलझे हुए थे, जिसके कारण वितरण का कार्य लगभग 90 प्रतिशत प्रभावित रहा।

लगभग 23 लाख हितग्राहियों को खाद्यान्न बांटने 3 दिन ही बचेः प्रदेश में 82 लाख 65 हजार 356 कार्ड धारक हैं। इनमें से अब तक लगभग 60 लाख यानी लगभग 70 प्रतिशत से ज्यादा कार्ड धारकों को ही खाद्यान्न बांटा जा सका है। इनमें लगभग 50 प्रतिशत से अधिक हितग्राहियों को शक्कर नहीं मिल पाई है। इधर महीना खत्म होने में अब सिर्फ 3 दिन ही शेष बचे हैं। इन तीन दिनों के भीतर बचे हुए लगभग 23 लाख हितग्राहियों को खाद्यान्न बांटा जाना है, जो विभाग के चुनौतीपूर्ण होगा। हालांकि रायपुर जिले में अब तक 77 प्रतिशत यानी 4 लाख 74 हजार हितग्राहियों को चावल वितरण हो चुका है, वहीं शेष लगभग डेढ़ लाख हितग्राहियों को चावल बांटा जाना बाकी है। शक्कर इस जिले में भी लगभग 50 प्रतिशत हितग्राहियों को ही मिल पाई है।

## दुर्ग जिले की...

बाद ओटीपी मोबाइल में आता है लेकिन दूसरी बार ओटीपी कई लोगों का आता ही नहीं। इसलिए इंतजार करने बैठे रहते हैं। मार्च का महीना केवल तीन दिन बाकी है। जिस तरह से सिस्टम की स्लो रफ्तार चल रही है तो इतने कम दिनों में पूरे हितग्राहियों को खाद्यान वितरण होना मुश्किल हो गया है।

## बिलासपुरः राशन दुकानों...

कारण पूरे प्रदेश की शासकीय उचित मूल्य दुकानों को बंद रखा गया। बिलासपुर जिले में भी अधिकांश दुकानों पर राशन नहीं मिला, जिससे उपभोक्ता परेशान हुए।

**यह रही दुकानों की हालत-**

तालापारा के दोनों शासकीय राशन दुकानों में 100 से अधिक कार्डधारी पहुंचेसुबह से लाइन भी लगाई लेकिन अंत में सर्वर काम नहीं कर रहा बोलते हुए वापस भेज दिया गया। इसी तरह मंगला के अभिषेक नगर स्थित शासकीय दुकान में सुबह चार घंटे में ही करीब 100 राशनकार्डधारी पहुंचे। पांच दिनों से राशन नहीं मिलने से लोग बड़ी उम्मीद से पहुंचे, जिनमें बुजुर्ग महिलाएं भी शामिल थीं। तपती धूप में अपनी बारी का इंतजार कर रहे लोगों को दुकानदार ने सर्वर डाउन होने की जानकारी देते हुए दुकान बंद कर दी। इसी तरह वेयर हाउस रोड में सुबह देर से दुकानें खुलीं और बाद में दोपहर में ताला लग गया। इसी तरह मुंगेली नाका स्थित उचित मूल्य दुकान रोज की तरह सुबह 10:30 बजे की बजाय देर से खुला। कार्डधारियों को यहां से राशन तो मिला लेकिन जो बाद में पहुंचे, उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। गोंड़पारा की दो उचित मूल्य की दुकानें दोपहर में बंद रहीं।

## 65 फीसदी को...

जिसके कारण चार दिनों तक राशन थोडी परेशानी आई है, लेकिन जल्द ठीक हो जाएगा। गरियाबंद के जिला खाद्य अधिकारी अरविंद पांडेय ने बताया कि जिले में 70 प्रतिशत राशन का वितरण किया जा चुका है। बाकी को भी जल्द दे दिया जाएगा।

## ऊर्जा संकट के...

बताया कि तेल रिफाइन कीमतें मार्च 2025 के स्तर के अनुरूप बनी हुई हैं, जिससे घरेलू आपूर्ति स्थिर बनी रहेगी।

रूस का कहना है कि उसने यह फैसला घरेलू मांग को पूरा करने के लिए लिया है, ताकि गैस ओर डीजल का पर्याप्त भंडार बना रहे और घरेलू स्तर पर इंडस्ट्री की मांग में भी कमी ना हो।

## सीएम साय की...

आमजन तक सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने अस्पतालों, छात्रावासों, शैक्षणिक संस्थानों, रेलवे, भारत सरकार की संस्थाओं, सैन्य एवं अर्धसैनिक बलों, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित संस्थानों और एयरपोर्ट कैंटीनों में गैस आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की गई। बैठक में पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी गैस, उर्वरकों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और संवेदनशील नेतृत्व के कारण कोविड जैसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी देश एकजुट रहा और सफलतापूर्वक उसका सामना किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में कोविड जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन सतर्क रहना आवश्यक है। प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों, गैस सिलेंडरों और उर्वरकों की कोई कमी नहीं है, नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें।

**कालाबाजारी और जमाखोरी के लिए हेल्पलाइन नंबर-**

मुख्य सचिव विकास शील ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों की सतत निगरानी के लिए राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उपभोक्ता घरेलू गैस आपूर्ति से संबंधित समस्याओं, शिकायतों अथवा कालाबाजारी की सूचना 1800-233-3663 पर दे सकते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि उक्त नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि आमजन को सही जानकारी समय पर उपलब्ध हो सके और शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

**किसानों को समय पर मिलेगी खाद-**

वीडियो कांफ्रेंस के दौरान अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि उर्वरकों की होल्डिंग पर रोक लगाई जाए और दैनिक स्टॉक की नियमित समीक्षा की जाए। सभी किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार समान रूप से उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। साथ ही खाद वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए सॉफ्टवेयर आधारित मॉनिटरिंग की जानकारी भी शेयर की गई।

## भोपाल में होगा...

को उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में पहले दिन 'लोकतंत्र और नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने के लिए युवा विधायकों की भूमिका' विषय पर मंथन होगा। इसी दिन माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी युवा विधायकों को संबोधित करेंगे।

## एक्शन में बालेन,...

को देश के पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को गिरफ्तार कर लिया गया। नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 'बालेन' की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई नवगठित मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग की रिपोर्ट को तुरंत लागू करने का फैसला किया गया था।

## जेल वार्ड में कैदी...

कराई जा रही है। इस मनमानी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है। शिकायत के बाद जेल वार्ड के आकस्मिक निरीक्षण पर पहुंचे जेल अधीक्षक ने दो प्रहरियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है और अब मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

# भाजपा स्थापना दिवस से पखवाड़े भर चलेंगे कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

6 अप्रैल को भाजपा अपना 47वां स्थापना दिवस मनाएगी। इसके लिए देशभर में विशेष तैयारियां की गई हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के सभी जिलो में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन तय किए गए हैं। स्थापना दिवस से पखवाड़े भर लगातार कार्यक्रम होंगे।

राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा तय कार्यक्रमों के लिए प्रदेश भाजपा संगठन द्वारा प्रदेश स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति के संयोजक भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन होंगे। समिति में रंजना साहू , जी. वेंकटराव , शिवनाथ यादव ,ऋतु चौरसिया एवं कमल गर्ग सदस्य बनाए गए हैं। प्रदेश संयोजक यशवंत जैन ने बताया, पार्टी द्वारा प्रतिवर्ष भाजपा स्थापना दिवस से लेकर पूरे पखवाड़े भर भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम कार्यक्रम प्रतिवर्ष करती है। समिति द्वारा पूरे पखवाड़े भर विभिन्न जिलों के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा। 6 अप्रैल से लेकर 14 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रम तय किए गए हैं। इसके तहत भाजपा बूथ, मंडल और जिलों में लगातार कार्यक्रम होंगे ।

# जिस कंपनी ने लाखों रुपए की गड़बड़ी की, उसी को बगैर बैंक गारंटी जमा कराए दे दिया अतिरिक्त ठेका

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में आबकारी विभाग अनियमितता के मामले में हमेशा सुर्खियों पर रहा है। तत्कालीन कांग्रेस शासनकाल में करोड़ों रुपए का शराब घोटाले का मामला अभी शांत नहीं हुआ है कि एक और मामला सामने आया है, जिसमें ऑल सर्विसेस ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बिना बैंक गारंटी के एक माह के लिए मैन पावर एजेंसी का कार्य सौंप दिया है। इस कंपनी पर पूर्व में 96 लाख रुपए की गड़बड़ी भी की गई है। इस रकम की अभी तक रिकवरी भी नहीं हो पाई है। रायपुर निवासी राजेश चंद्रवंशी ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया है कि इस संबंध में उन्होंने आबकारी आयुक्त कार्यालय में शिकायत भी की है।

राजेश चंद्रवंशी ने बताया कि ऑल सर्विसेस ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को वित्तीय वर्ष 2024-25 में जोन-9 के अंतर्गत कोरबा, सूरजपुर एवं मनेंद्रगढ़-चिरमिरी जिले के लिए मैन पावर एजेंसी के रूप में आबकारी विभाग ने अनुबंध किया है। कंपनी ने इन जिलों में से सूरजपुर में वर्ष 2024 में 96 लाख रुपए की गड़बड़ी की है। इस गड़बड़ी के उजागर होने के बाद विभागीय जांच भी हुई, जिसमें कंपनी को दोषी पाया गया। इस मामले में एक व्यक्ति को सजा भी हुई है, लेकिन जो रकम की गड़बड़ी हुई है, उसकी रिकवरी विभाग अब तक नहीं कर पाया है। इस तरह इस मामले में अभी तक कंपनी के विरुद्ध भी कोई कार्रवाई भी नहीं की गई है।

## कंपनी को 5 जिलों का अतिरिक्त ठेका मिल गया

चंद्रवंशी का यह भी कहना है कि जोन-6 अंतर्गत धमतरी, जगदलपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा जिले के लिए मेसर्स रक्षक सिक्योरिटास प्रा.लि. को मैन पॉवर का ठेका मिला था, जिसका अनुबंध 31 मार्च 2026 को खत्म हो रहा है। इस कंपनी का ठेका किसी कारणवश 18 फरवरी 2026 को निरस्त कर दिया। इसके बाद इन जिलों के लिए मैनपावर का ठेका शेष बचे दिनों के लिए ऑल सर्विसेस ग्लोबल कंपनी को दे दिया गया है। इस संबंध में प्रबंध संचालक सीएसएमसीएल रायपुर ने 19 फरवरी 2026 को आदेश जारी किया है।

## ठेका देने में टेंडर की शर्तों का पालन नहीं

उन्होंने आरोप लगाया है कि निरस्त किए गए जिलों के लिए टेंडर की प्रक्रिया में नियम शर्तों का पालन नहीं हुआ है। ऑल ग्लोबल कंपनी को बिना बैंक गारंटी के ठेका दे दिया है। कंपनी ने विभाग के पास जमानत के तौर पर कोई राशि जमा नहीं कराई है। ऐसे में अगर कंपनी कोई गड़बड़ी करती है, तो विभाग कैसे पैसों की रिकवरी करेगा।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिकः छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समयः सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोनः 0771-2546870, 9300323131

Sai Care
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सोमवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744825

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

## प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लगने से मचा हड़कंप

रायपुर। आमानाका थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात 9 बजे के करीब एक प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लगने से हड़कंप मच गया। मौके पर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने पहुंचकर एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार, टाटीबंध से आगे कुम्हारी रोड में एक प्लास्टिक फैक्ट्री में लोगों ने अचानक धुंआ उठते देख फायर ब्रिगेड के साथ पुलिस को आग लगने की सूचना दी। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

## घर के सामने लघुशंका से मना करने पर मारपीट

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक युवक ने दो लड़कों के खिलाफ घर के सामने लघुशंका से मना करने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। लालपुर निवासी खिलेश्वर साहू ने अजय मिथिलेश के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। खिलेश्वर ने पुलिस को बताया कि दोनों लड़के उसके घर के पास पेशाब कर रहे थे। मना करने पर दोनों ने खिलेश्वर के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की।

## एनडीपीएस एक्ट में चार को सात साल कैद-जुर्माना

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में एक वर्ष पूर्व कोकीन के साथ पकड़े चार आरोपियों को विशेष न्यायाधीश किरण थवाईत की एनडीपीएस कोर्ट ने सात-सात साल कैद के साथ एक-एक लाख जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक भुवन लाल साहू के अनुसार, कोर्ट ने शुभांक पॉल, सिद्धार्थ पाण्डेय, सागर पीटर, सौम्य चक्रवर्ती को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। पुलिस ने चारों के कब्जे से 17 मई 2025 को गांजा जब्ती की थी।

## मोबाइल चोरी कर अकाउंट से 96 हजार किए पार

रायपुर। उरला थाने में एक व्यक्ति ने एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मोबाइल चोरी कर यूपीआई से 96 हजार रुपए आहरित करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिरगांव बंजारी नगर निवासी अदालत यादव ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। अदालत ने देव कुमार मधुकर पर मोबाइल चोरी कर यूपीआई से रकम आहरित करने शंका व्यक्त की है। अदालत ने पुलिस को बताया कि उसे आशंका है कि देव कुमार ने मोबाइल चोरी कर उसके यूपीआई का इस्तेमाल कर किसी दूसरे के अकाउंट में रकम ट्रांसफर किया है।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

## आवश्यकता है

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग के लिए लड़कियों की आवश्यकता है। कार्य समय सुबह 10बजे से 5बजे तक, वेतन 7000, सम्पर्क करें- अकैडमी गांधी चौक, बिलासपुर 96855 97971 (1491)

आवश्यकता है- मेडिकल दुकान में काम करने के लिए पुरुष कर्मचारी की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- पाल मेडिकल स्टोर्स, बुधवारी बाज़ार बिलासपुर 6260736685 (1492)

आवश्यकता है- कृष्णा फुट वेयर होल सेल दुकान में कार्य करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड के पास बिलासपुर 9907925025, 7987210064 (40379)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिक शोरूम सामान लोडिंग अनलोडिंग हेतु मेहनती, जिम्मेदार व्यक्ति एवं ड्राइवर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- श्रीशारदा इन्टरप्राइजेस काली मन्दिर के पास मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 78699 19759 (40384)

आवश्यकता है- बिलासपुर मंगला चौक के पास स्थित हॉस्टल में झाड़ पोछा करने हेतु बाइयों एवं मेस शुरू करने हेतु कुक, हेल्पर, अन्य स्टाफ अतिशीघ्र चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9340386800 (40378)

आवश्यकता है- बैटरी इनवर्टर शॉप में काम करने के लिये लड़के की आवश्यकता है संपर्क करें यूनिटेक इनवर्टर हरिकिशन कॉलोनी शिव टॉकिज चौक, बिलासपुर 7999714352, 99816 69651 (40377)

आवश्यकता है- फर्नीचर शॉप में काम करने के लिए लड़कों एवं फर्नीचर कारपेन्टर मिस्त्री की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9300671120 (40386)

**आवश्यकता है- अशोक लीलैण्ड ट्रक वर्कशॉप में आवश्यकता है वर्कशॉप मैनेजर, सर्विस एडवाइजर, पाट्र्स मैनेजर, पाट्र्स असिस्टेंट, मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर, वारन्टी इंचार्ज, डीएमएस ऑपरेटर लोकेशन- रतनपुर रोड गतौरी बिलासपुर सम्पर्क करें- 8871717004 (40385)**

आवश्यकता है- अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर) फील्ड वर्क अनुभवी, आया बाई (नाईट में) बिलासपुर हेतु, X-RAY टेक्नीशियन सरगांव हेतु। सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पीटल महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (40381)

आवश्यकता है- अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ, फार्मासिस्ट, एक्स-रे टेक्नीशियन, ओटी असिस्टेंट, रिसेप्शनिस्ट चाहिए। सम्पर्क करें- मिश्रा बोन एण्ड ज्वाइंट केयर, पल्लव भवन के बगल में, रिंग रोड नं.-2 गौरव पथ, बिलासपुर 9130083788 (40383)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर एवं सीसीटीवी कैमरा का कार्य करने हेतु दुकान में ईमानदार लड़के की शीघ्र आवश्यकता है पता- Cyber Soft, गांधी चौक, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9039246656 (40382)

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में कार्य करने हेतु खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, काउन्टर में खाना देने, बर्तन धोने के वाले चाहिए। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- बिलासपुर 8871824812, 99933 34937 (40372)

आवश्यकता है- प्रिटिंग युनिट हेतु कोरल ड्रा डिजाइनर 2 पद, ऑफिस ब्वॉय 3 पद एवं बाईन्डर 2 पद की आवश्यकता है वेतन 10000 सम्पर्क करें- प्रिंट आइडिया, सुभाष काम्पलेम्स जरहाभाठा बिलासपुर 7999415807 (40373)

आवश्यकता है- बिलासपुर सीपत रोड स्थित शादी भवन के सम्पूर्ण मैनेजमेंट हेतु 2 से 3वर्ष अनुभवी नशा मुक्त शिक्षित ऑल राउंडर व्यक्ति चाहिए। सपरिवार आवास सुविधा। सम्पर्क करें- 7999043732, 70007 99879, 9993450848, 9752777077 (40370)

**आवश्यकता है- बिलासपुर की निर्माणाधीन कॉलोनी में सिविल कॉन्ट्रैक्टर (छत नापी+ आइटम रेट), प्लास्टर कॉन्ट्रैक्टर, शटरिंग लोहार, टाइल्स कॉन्ट्रैक्टर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9589000659, 79992 45462, 7970010956, 7970010973 (40360)**

आवश्यकता है- शोरूम में काम करने हेतु सेल्स मेन की आवश्यकता है वेतन 5 अंकों में। सम्पर्क करें- श्री लक्ष्मी स्पोर्ट्स सदर बाजार गोंड पारा बिलासपुर (छ.ग.) (40371)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर दुकान में कार्य करने हेतु ऑफिस बॉय की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- सुबह 11 बजे से कम्प्यूटर सर्विस लाइन, इन्दू चौक बिलासपुर 9977298333 (40374)

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग स्टाफ, किचन में बर्तन धोने) (नाइट शिफ्ट) में पुरुष/ महिला चाहिए वेतन- 9000 से 15000 पता- होटल विस्तारा SBI के ऊपर, तिफरा, काली मंदिर के पास, बिलासपुर 94076 14501 (40375)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु लड़को की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति दुकान आकर मिलें- अनन्त मेडिकल स्टोर जयदुर्गा भोजनालय बाजू में जिला अस्पताल के पास पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9421732836 (40376)

आवश्यकता है- संजय बैग्स बैग्स AC Show Room में काम करने के लिए सेल्समैन और हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है पता- मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9827114449 (40369)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर जानकार स्टोर कीपर (लड़के), फील्ड हेतु मेहनती (लड़के), ऑफिस, साइड विजिट, मार्केटिंग हेतु (लड़के), टेलीकॉलिंग हेतु (लड़कियां) चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- एस.एस. एनर्जी इंटरप्राइजेस बिलासपुर 9827475898, 8234078440 (1490)

आवश्यकता है- ऑन रोल फूड डिलीवरी बॉय चाहिए। वेतन+ इंसेंटिव, स्वयं की बाइक, वैध लाइसेन्स बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- साईं निवास कॉम्पलेक्स, फर्स्ट फ्लोर, जेजे हॉस्पीटल के समीप, तोरवा, बिलासपुर 7000110166, 93402 56058 (40366)

आवश्यकता है- लोरमी, मुंगेली, तखतपुर, पथरिया, कोटा क्षेत्र में सोलर पैनल के प्रचार प्रसार करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार+ कमीशन सम्पर्क करें- प्रो सोलर एनर्जी कम्पनी बिलासपुर 78792 98498 (40365)

आवश्यकता है- दो कर्मचारी दुकान में सेल्स के कार्य हेतु एवं दो मिस्त्री गैस चूल्हा रिपेयरिंग करने हेतु आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्रीईश ट्रेडर्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 91311 12769, 9826744475 (0294)

आवश्यकता है- घर में रहकर घरेलू खाना बनाने के लिए अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है सम्पर्क करें 9827195555 (0297)

आवश्यकता है- ज्वैलरी शोरूम में कार्य करने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- सराफ मनसुखलाल ज्वेलर्स, सदर बाजार बिलासपुर 9993251234, 9827108605 (40368)

आवश्यकता है- कैमरा फिटिंग और सर्विस कार्य करने के लिये लड़कों की आवश्यकता है संपर्क करें: दोपहर 12 से 3 अपेक्स सिक्यूरिटी सिस्टम, ए-37, विनोबा नगर, बिलासपुर 8223003099 (40361)

आवश्यकता है- बाइक, ऑटो पाट्र्स, दुकान एवं लॉज में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है। वेतन अनुभव के अनुसार पता- पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर सम्पर्क करें- 7869523344, 73017 17175 (0300)

आवश्यकता है- अनुभवी हिन्दी टाइपिस्ट की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- मॉडर्न एजूकेशनल एकेडमी, आरएसबी कम्पाउन्ड नया सरकण्डा बिलासपुर 91091 39971, 9301275222 (40353)

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट हेतु फ्राई पेन मिस्त्री, तंदूर रोटी कारीगर, मार्केटिंग स्टोर हेतु युवक (स्वयं का वाहन), वेटर, हेल्पर लड़के/ लड़कियां चाहिए। (खाना रहना फ्री) सम्पर्क करें- मुर्ग मसल्लम रेस्टोरेन्ट बिलासपुर 7879121999 (40359)

आवश्यकता है- कॉस्मेटिक शॉप एवं रेस्टोरेन्ट में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है स्थान सेकेण्ड फ्लोर मैग्नेटो मॉल बिलासपुर मिलने का समय शाम 6बजे से 9बजे तक सम्पर्क करें- 9179060960 (40357)

आवश्यकता है- निर्माण स्थल पर कार्य करने के लिए सुपरवाइजर एवं ड्राइवर के लिए अनुभवी कर्मचारियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, बृहस्पति बाजार बिलासपुर 8098797774 (40355)

आवश्यकता है- कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करें:- रूपवर्षा, गोल बाजार सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 (40327)

आवश्यकता है- घरेलु कार्य हेतु अनुभवी कार ड्राईवर की आवश्यकता है जिसे सभी प्रकार की गाड़ी चलाने आती हो। नया फ्रेश लायसेंस वाले संपर्क न करें। मो. 88394 05065 (40352)

आवश्यकता है- टीचर्स अंग्रेजी माध्यम प्राइमरी, मिडिल, हाई, हायर सेकेंडरी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ऑफिस ब्वॉय, ड्राइवर चौकीदार आया चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- पंचवटी KPSA स्कूल, शनि मन्दिर, राजकिशोर नगर बिलासपुर 9752583075 (40362)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन 8000, सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (40347)

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में माल लाने, ले जाने छोड़ने के लिये पार्ट टाइम/ फुल टाइम लड़के लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रीमियर एजेन्सीज मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (40223)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर एवं CCTV इंजीनियर, वायरमैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- कम्प्यूटर एण्ड कम्प्यूटर, होटल मिड टाउन काम्प्लेक्स टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9827153134 (40350)

आवश्यकता है- परमानेंट जॉब सभी इंजीनियर, वेल्डर कटर, फिटर, गार्ड, कम्प्यूटर ऑपरेटर, आफिस कार्य-10, ड्राइवर, चपरासी-20, स्टोर कीपर, हेल्फर, सुपरवाईजर, 5वीं- ग्रेजुएट वेतन 11000-30000 रहना फ्री, सम्पर्क- व्यापार विहार बिलासपुर 6232429364 (40095)

आवश्यकता है- सिविल लाइन स्थित बंगले में कार्य हेतु अनुभवी पुरुष स्टाफ की आवश्यकता है। कार्यः खाना बनाना, बर्तन साफ करना, सर्विंग करना, रहने की सुविधा उपलब्ध (24 घंटे)। संपर्कः +91 96444 50780 (27)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है-दुकान में कार्य हेतु (लड़के, लड़कियों) की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें- गुप्ता अम्ब्रेला (छाता दुकान) हनुमान मन्दिर खोवा मण्डी के पास जगदीश होटल के सामने गोल बाजार बिलासपुर (40255)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य, टेलीकॉलिंग हेतु महिला एवं युवतियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है उम्र 35 तक योग्यता 10वीं से ग्रेजुएशन सैलरी 5000 से 10000 सम्पर्क करें- मन्दिर चौक बिलासपुर 08982373586 (40322)

## बेचना है

बेचना है- तीन एकड़ का सर्वसुविधायुक्त फार्म हाउस एवं उसी में संचालित फ्लाई एश ब्रिक्स प्लांट ग्राम पंचायत गनियारी गांव से लगा हुआ है बेचना है खरीददार ही सम्पर्क करें- 7000773172 (40363)

बेचना है- 2017 मॉडल हुण्डई क्रेटा 34000 किलोमीटर चली डीजल कार एवं 2BHK फ्लैट, संजय हाईट सरकण्डा में बेचना है। सिर्फ इच्छुक खरीददार ही सम्पर्क करें- 9425535104 (40356)

बेचना है- तिफरा यदुनन्दन नगर में मकान 1500 वर्गफिट में बना 2BHK, तीन बाथरूम, एक दुकान गार्डन (48लाख) एवं प्लाट TNC 40×60 =2400 वर्गफिट 45लाख नगद वाले को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9826314444 (40358)

बेचना है- मोपका विवेकानन्द कॉलोनी में 2BHK मकान एवं गुलाब नगर में 50×50 का प्लॉट, सत्यम चौक में ट्रेफिक थाना के पीछे 2300 वर्गफुट का मकान बेचना है सम्पर्क करें- 9698800000 (0303)

बेचना है- जूना बिलासपुर मेन रोड 215 वर्गफुट में निर्मित 380 वर्गफुट डबल स्टोरी (बालाजी सेल्स, रमेश थ्रेड के बीच) दुकान। बैंक फाइनेंस, प्रॉपर्टी एक्सचेंज ऑफर भी। सम्पर्क करें- 9827168452, 9300625174, 98274 66134 (0308)

**बेचना है- (1) कोरबा में लक्जरी घर 5BHK 4500 वर्गफुट 1.25 cr. में बेचना है। (2) निहारिका के पास में स्वतंत्रता मकान 1050 वर्गफुट, 44 लाख में बेचना है। सम्पर्क करें- 9755455909 (40380)**

बेचना है- 3BHK फ्लैट सर्वसुविधायुक्त परिसर में चकरभाठा मार्केट से लगा, एयरपोर्ट से नजदीक, हाईकोर्ट से वाकिंग डिस्टेंस, वाजिब कीमत में बेचना है। तुरन्त रजिस्ट्री पर स्पेशल डिस्काउंट। सम्पर्क करें- 9826130163, 87705 23386 (40364)

बेचना है- शासकीय प्राइमरी स्कूल चकरभाठा बस्ती एवं न्यू तहसील ऑफिस के पास 1300 वर्गफुट प्लॉट पर 1BHK सर्वसुविधायुक्त मकान एवं सामने बड़ा खाली आंगन सहित बेचना है। सम्पर्क करें- 7000186749 (40351)

## किराया

किराया-बाबूजी एम्पायर, अशोक नगर चौक, सीपत रोड बिलासपुर में 10000 वर्गफिट काम्प्लेक्स में शॉपिंग मॉल, कोचिंग, ऑफिस एवं अन्य व्यावसायिक उपयोग हेतु किराए से देना है। सम्पर्क करें- 9827198371, 99071 03707 (40321)

किराया- हनुमान मन्दिर गाँधी गार्डन के पास प्रथम तल पर दो बेडरूम हाल किचन लेटबाथ सहित सर्वसुविधा युक्त मकान छोटे परिवार/ कार्यालय हेतु किराया पर देना है सम्पर्क करें- 9425523515, 88173 24272 (40367)

## फायनेंस

फायनेंस- प्रगति फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस पर्सनल कृषि महिला समूह मकान दुकान लघु उद्योग पर्सनल लोन आधार कार्ड पैन कार्ड प्रति उपलब्ध 2% ब्याज 30% छूट संपर्कः- 74895 45029 (1364)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

## वैवाहिकी

### वर चाहिए

वर चाहिए- 33वर्ष, 5' 2'', B.E.Civil. Mtech, Structural Desing Engineer, पुणे में कार्यरत, 5 लाख वार्षिक पैकेज सुंदर सुशील कन्या हेतु नौकरी पेशा, समकक्ष साहू वर चाहिए, मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। संपर्क करें:- मो.-99261-98299 (240)

वर/वधु चाहिए- 28 वर्षीय वधु के लिए वर तथा दो 32 वर्षीय वर के लिए वधू तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें- 7400556967, 74005 56967 (10411)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

## सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मुंबई इंडियंस ने 2013 से लेकर 2020 के बीच जीता था पांच बार खिताब

# मुंबई का पलड़ा भारी, केकेआर के खिलाफ जीत की उम्मीद प्रबल

एजेंसी ▶▶| मुंबई

खेल के सभी विभागों में मजबूत दिख रही मुंबई इंडियंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पांच साल के खिताब के सूखे को खत्म करने के लिए रविवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना करेगी, जिसकी टीम कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने से कमजोर नजर आ रही है।

मुंबई इंडियंस ने 2013 से लेकर 2020 के बीच पांच बार खिताब जीता था लेकिन वह पिछले कुछ वर्षों से चैंपियन नहीं बन पाया है। इस बार उसकी निगाह अपना छठा खिताब जीतने पर होगी और इसके लिए वह शानदार शुरुआत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

### रोहित के अलावा टीम में कई स्टार खिलाड़ी

पिछले साल हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली टीम क्वालीफायर दो में पंजाब किंग्स से हारने के बाद तीसरे स्थान पर रही थी, लेकिन मुंबई इंडियंस इस बार अच्छी तैयारी के साथ मैदान पर उतर रहा है। रोहित शर्मा फॉर्म में वापसी करने के लिए उत्सुक होंगे। रोहित के अलावा उसकी टीम में कई स्टार खिलाड़ी हैं, जिनमें भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी कप्तान सूर्यकुमार यादव, पंड्या, तिलक वर्मा और जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं। मुंबई इंडियंस के पास कई शानदार विदेशी खिलाड़ी भी हैं, जिनमें रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, कॉर्बिन बॉश, न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर, विल जैक्स, एएम गजनफ़र और ट्रेंट बोल्ट प्रमुख हैं।

एमआई और केकेआर के बीच मुकाबला आज शाम 7.30 बजे से

### केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर

कोलकाता नाइट राइडर्स में कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के रूप में कुछ स्थानीय खिलाड़ी भी नजर आएंगे लेकिन उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आता है, जिसका मुंबई इंडियंस पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। नीलामी के समय केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा नजर आ रहा था लेकिन बीसीसीआई के निर्देश पर फ्रेंचाइजी ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर कर दिया था जबकि उसके दो भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप और हर्षित राणा चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

### टीमें इस प्रकार

**मुंबई इंडियंस:** हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिशेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मोहम्मद इजहार, रघु शर्मा।

**कोलकाता नाइट राइडर्स:** अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), फिन एलन, तेजस्वी दहिया (विकेटकीपर), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रवींद्र, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजरबानी, मथीशा पथिराना, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती।

**मैच शाम :** 7:30 बजे से शुरू होगा

**आवश्यकता है**

पं. जवाहर लाल नेहरु महाविद्यालय नवागढ़, जिला जांजगीर चांपा (छ ग) 495557 में निम्न पदों पर परिनियम 28 की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित हैं।

1 प्राचार्य 1पद
2 अकादमिक विशेषज्ञ (सेवा निवृत्त प्राध्यापक/प्राचार्य - अंशकालीन सेवा)
3 सहायक प्राध्यापक - (2- 2पद) वाणिज्य, जूलोजी, बॉटनी, केमिस्ट्री, फिजिक्स, मैथ्स, कंप्यूटर वि., हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, समाज शास्त्र,
4 लायब्रेरियन, खेल प्रशिक्षक, अकाउंटेंट (1- 1)

वेतनमान - यूजीसी नियमानुसार आरक्षण- राज्य शासन के नियमानुसार योग्यता - Phd /नेट/सेट/ अनुभवी

आवेदन मेल/पोस्ट करें- JLNCOLLEGENAWAGARH@GMAIL.COM

फोन- 9981348927

## विराट ने खेली 38 गेंदों में 69 रन की नाबाद पारी

# कोहली-पडिक्कल की तूफानी फिफ्टी, आरसीबी ने की धमाकेदार जीत से सीजन की शुरुआत

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन (आईपीएल 2026) के उद्घाटन मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 6 विकेट से हराकर सीजन की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। आरसीबी की जीत में विराट कोहली और देवदत्त पड्डिकल के तूफानी अर्धशतकों की अहम भूमिका रही। चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एसआरएच से मिले 202 रन के लक्ष्य को आरसीबी ने 15.4 ओवर में 4 विकेट पर 203 रन बनाकर हासिल कर लिया। आरसीबी के लिए विराट कोहली और देवदत्त पड्डिकल ने तूफानी अर्धशतक लगाया।

### पड्डिकल ने 26 गेंदों में खेली 61 रन की पारी

इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे पड्डिकल ने मात्र 26 गेंदों पर 4 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 61 रन की पारी खेली और विराट के साथ दूसरे विकेट के लिए 45 गेंदों पर 101 रन की अहम साझेदारी की। विराट 38 गेंदों पर 5 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 69 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान रजत पाटीदार ने 12 गेंदों पर 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 31 रन की पारी खेली। साल्ट 8 रन बनाकर आउट हुए। जितेश शर्मा शून्य पर आउट हुए। टिम डेविड 10 गेंद पर 16 रन बनाकर नाबाद रहे।

**एसआरएच की शुरुआत रही खराब :** इससे पहले एसआरएच ने टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 201 रन बनाए थे। एसआरएच की शुरुआत खराब रही थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 7 और ट्रेविस हेड 11 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर आए नितीश रेड्डी भी 1 रन बना सके।

# स्पेन ने सर्बिया को हराया ओयार्जाबेल ने दागे 2 गोल

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले अपने आखिरी तैयारी मुकाबलों में से एक में सर्बिया को 3-0 से मात दी। मिकेल ओयार्जाबेल जीत के हीरो रहे, जिन्होंने 2 गोल दागे। उनके अलावा, विक्टर मुनोज ने एक गोल का योगदान दिया। ओयार्जाबेल का पहला गोल 16वें मिनट में आया। यह टीम के शानदार तालमेल के बाद गोल के सामने से लगाया गया एक शॉट था। वहीं, उनका दूसरा गोल हाफ-टाइम से ठीक पहले आया।

यह काफी दूर से लगाया गया एक जोरदार शॉट था, जिसने सर्बिया के गोलकीपर वान्या मिलिंकोविक-साविक को बचाव का कोई मौका ही नहीं दिया। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने गोलकीपिंग की जिम्मेदारी उनाई साइमन को ही सौंपी, जबकि एफसी बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया, जिन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में बुलाया गया था, स्टैंड्स में बैठे रहे। रोड्री ने सेंट्रल मिडफील्ड में मार्टिन जुबिमेंडी से आगे शुरुआत की, जबकि सेंट्रल डिफेंस में आयमेरिक लापोर्टे और पाउ कुबारसी थे। राइट-बैक पर मार्कोस लोरेंटे और स्पेन के अटैक के दाईं ओर लामिन यामल खेले। लामिन यामल ने ओयारजाबाल के शुरुआती गोल के कुछ मिनट बाद ही क्रॉसबार पर शॉट मारा, क्योंकि स्पेन ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। इस दौरान विक्टर मुनोज ने दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरकर अपना डेब्यू किया।

# सिनर की फाइनल में एंट्री, 'सनशाइन डबल' के खिताब से बस एक कदम दूर!

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने एक साल पहले मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। अब इटली का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने और 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' जीतने वाला पहला पुरुष खिलाड़ी बनने के करीब है। सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में विश्व में चौथे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव पर 6-3, 7-6 (7-4) से जीत हासिल करके मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

### अच्छा टेनिस खेलना मेरा मुख्य लक्ष्य : सिनर

सिनर ने कहा, 'यहां आकर अच्छा टेनिस खेलना मेरा मुख्य लक्ष्य था। मेरे लिए दोबारा फाइनल में पहुंचना बहुत मायने रखता है। यह शानदार सफर रहा है और मैं बहुत खुश हूं।'

### एटीपी मास्टर्स में लगातार 32 सेट जीतने का रिकॉर्ड

सिनर ने ज्वेरेव को लगातार सात बार हराया है और एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार 32 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। हार्डकोर्ट पर शानदार प्रदर्शन करने वाले सिनर ने 15 मार्च को इंडियन वेल्स में दानिल मेदवेदेव को हराकर सनशाइन डबल का पहला चरण जीता था। रविवार को होने वाले फाइनल में उनका मुकाबला 21वीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका से होगा और वह इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगे।

### सिनर ने मियामी में जीते लगातार 11 मैच

सिनर ने 2024 से मियामी में लगातार 11 मैच जीते हैं। सिनर का लेहेका के खिलाफ करियर रिकॉर्ड 3-0 का है, उन्होंने आखिरी बार 2025 में फ्रेंच ओपन में उन्हें हराया था। लेहेका ने सेमीफाइनल में 28वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 6-2, 6-2 से हराकर अपने करियर में पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। लेहेका के चेक गणराज्य के साथी जैकब मेनसिक ने पिछले साल मियामी ओपन जीता था।

**TRN Energy Pvt. Ltd.**
Regd. Office: 18 Vasanta Enclave, Rao Tula Ram Marg, New Delhi – 110057
Corporate Office: 7th Floor, Corporate Tower, Ambience Mall NH-8, Gurgaon-122002 (Haryana)
Ph: 0124-2719000,Fax: 0124-2719185
Email: trnenergy@acbindia.com; info@trnenergy.com

**Invitation of Bids**

**Ref: TRNEPL/2x300MW/AMC/E&I/2026-29/03 Date: 29/03/2026**

TRN Energy Pvt. Ltd. is having 2x300MW Coal based Thermal Power Plant located near Vill: Bhengari, PO:- Nawapara (Tenda), Tehsil: Gharghoda, Dist: Raigarh in the state of Chhattisgarh. The plant site is well connected with Road Network, Nawapara (Tenda) is on Chhal-Gharghoda road and very near to the plant. The place is around 42KM away from Raigarh and 32KM away from Kharsia, which are the nearest towns.

M/s TRN Energy Pvt. Ltd. invites bids from reputed and experienced vendors for "AMC of Electrical and C&I system of the 2x300MW Thermal Power Plant". Details of the scope of work are furnished in the NIT document.

Please visit web site **https://eprocurement. mjunction.in/epspropartner/product/login-screen** and refer **tender id: 1057** for Technical specification, Scope of work, Qualifying criteria and other details etc. The bid should be submitted on the electronic portal on or before 10/04/2026 @ 14:00 hrs.

**Contact details:**
**Name: Sunil Kumar**
**Contact No. 9868392867**
**Email Id: sunil.kumar@acbindia.com**

### इंजरी के कारण दो हफ्ते नहीं खेल सकेंगे धोनी

**नई दिल्ली।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी पिंडली की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले दो सप्ताह में नहीं खेल पाएंगे। फ्रेंचाइजी ने यह जानकारी दी। सीएसके ने कहा, 'महेंद्र सिंह धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबरने के लिए रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। इस कारण उनका आईपीएल 2026 के पहले दो सप्ताह में खेलने की संभावना नहीं है।' धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से आईपीएल खेलना जारी रखा है। इस 44 वर्षीय खिलाड़ी के आईपीएल में भविष्य को लेकर प्रत्येक सत्र में कयास लगाए जाते हैं। धोनी अब सिर्फ आईपीएल में खेलते हैं इसलिए उनके लिए मैच फिटनेस बनाए रखना और भी मुश्किल हो जाता है। रुतुराज गायकवाड़ हालांकि टीम के कप्तान हैं, लेकिन टीम की रणनीति धोनी के इर्द-गिर्द ही घूमती है।

# दुनिया की सबसे जहरीली चीटियाँ जिनके काटते ही इंसान की हो सकती है मौत

दुनिया में हैरान कर देने वाले जीवों की भरमार है। कुछ देखने में बहुत शानदार लगते हैं, तो कुछ इतने डरावने होते हैं कि उन्हें देखकर ही किसी की भी रूह कांप जाए। हालाँकि, प्रकृति में, जो जीव अक्सर देखने में बहुत प्यारे लगते हैं, वे ही सबसे खतरनाक शिकारी साबित होते हैं। उदाहरण के लिए, छोटी-छोटी चींटियों को ही ले लीजिए।

## जो जीव अक्सर देखने में बहुत प्यारे लगते हैं, वे ही सबसे खतरनाक शिकारी साबित होते हैं

### बुलडॉग चींटी : मौत का दूसरा नाम बुलडॉग चींटी

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह दुनिया की सबसे खतरनाक चींटी है। ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में पाई जाने वाली इस चींटी की लंबाई लगभग 1.5 इंच तक हो सकती है। अपने काले शरीर और लाल-नारंगी पेट वाली ये चींटियाँ इतनी जानलेवा होती हैं कि इनके काटने के महज़ 15 मिनट के अंदर ही किसी इंसान की मौत हो सकती है। आँकड़ों के मुताबिक, 1988 से अब तक इस चींटी ने सैकड़ों लोगों की जान ले ली है।

### हरी पेड़ वाली चींटी : स्वाद और डर का अनोखा मेल

इन्हें 'एशियाई वीवर चींटियों' के नाम से भी जाना जाता है। ये पेड़ों की ऊँची डालियों पर अपनी बस्तियाँ बनाती हैं, और एक ही बस्ती में 500,000 तक चींटियाँ रह सकती हैं। ये बहुत ही दर्दनाक डंक मारती हैं; लेकिन, दिलचस्प बात यह है कि कई इलाकों में लोग इन्हें बड़े चाव से खाते हैं, क्योंकि इन्हें प्रोटीन का एक बेहतरीन स्रोत माना जाता है।

### बुलहॉर्न अकेशिया चींटी : छोटा पैकेट, बड़ा धमाका

मध्य अमेरिका में पाई जाने वाली यह चींटी भले ही आकार में छोटी हो, लेकिन इसका डंक किसी ततैया के डंक जितना ही ज़ोरदार होता है। यह इतनी आक्रामक होती है कि इसके काटने से इंसानों में एनाफाइलैक्टिक शॉक हो सकता है एक ऐसी स्थिति जो जानलेवा भी साबित हो सकती है।

### फ्लोरिडा हार्वेस्टर चींटी: स्वाभिमानी लड़ाकू

ये चींटियाँ मुख्य रूप से बीज इकट्ठा करती हैं और बिना उकसाए किसी पर हमला नहीं करतीं। हालाँकि, अगर इन्हें बेवजह उकसाया जाए या इनके घोंसले को छेड़ा जाए, तो ये आपको डंक मारने में ज़रा भी नहीं हिचकिचाएँगी। इनके काटने से शरीर में तेज़ जलन वाला दर्द और भयंकर सूजन हो जाती है।

### बुलेट चींटी : गोली लगने जैसा दर्द

इस चींटी को बुलेट चींटी नाम इसलिए मिला, क्योंकि इसके डंक से होने वाला दर्द ठीक वैसा ही महसूस होता है, जैसा गोली लगने पर होता है। अगर 1.2 इंच लंबी यह लाल-काली चींटी किसी को काट ले, तो पीड़ित को 24 घंटे तक असहनीय दर्द झेलना पड़ता है। इसका ज़हर कई गंभीर समस्याएँ पैदा कर सकता है, जैसे कि सूजन, दिल की धड़कन का तेज़ होना, और यहाँ तक कि मल में खून आना।

## रोचक खबरें

### शादी में दूल्हा या पावर हाउस? दूल्हे को ऐसे लिबास में देखकर यूजर्स रह गए दंग

शादियों में, दूल्हे का स्टाइल हमेशा सबका ध्यान खींच लेता है। कुछ लोग घोड़ी पर सवार होकर शाही अंदाज़ में एंट्री करते हैं, तो कुछ लग्ज़री कार में अपनी बारात लेकर निकलते हैं। लेकिन, सोशल मीडिया पर आजकल एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक दूल्हे का अनोखा स्टाइल देखकर लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो रहे हैं। इस वीडियो में दूल्हे ने जो कपड़े पहने हैं, उन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो लोगों के सामने अचानक कोई चलता-फिरता लाइटिंग सिस्टम आ गया हो।

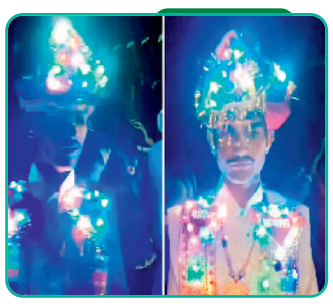

**दूल्हे के कपड़ों ने लूटी सारी लाइमलाइट :** इस वायरल वीडियो में, दूल्हा अपनी बारात के दौरान ऐसे कपड़े पहने नज़र आ रहा है जो पूरी तरह से एलईडी लाइट्स से सजे हुए हैं। उसके कपड़ों, कंधों और सिर पर लगातार चमकने वाली रंग-बिरंगी लाइट्स लगी हुई हैं। जैसे-जैसे दूल्हा बारात के बीच चलता है, उसके शरीर पर लगी लाइट्स दूर से ही साफ दिखाई देती हैं। सचमुच, ऐसा लगता है जैसे कोई चलता-फिरता सजावटी सामान सड़क पर उतर आया हो।

**लोगों को याद आया बिजली विभाग :** दूल्हे के इस जगमगाते पहनावे को देखकर सोशल मीडिया यूज़र्स अपनी हंसी रोक नहीं पा रहे हैं। कई लोग मज़ाक में कह रहे हैं कि ऐसा लग रहा है जैसे दूल्हा बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर बारात में आया हो। कुछ यूज़र्स ने तो यह भी मज़ाक किया कि अगर शादी के दौरान बिजली चली जाए, तो दूल्हे को बस स्टेज पर खड़ा कर देना चाहिए वह अकेले ही पूरी रोशनी का इंतज़ाम कर देगा! लोग अक्सर शादियों में अपनी एंट्री को सबसे अलग और यादगार बनाने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग खास डांस परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचते हैं, तो कुछ अनोखे कपड़े पहनकर ऐसा करते हैं। लेकिन, इस दूल्हे का तरीका तो सबसे हटके है। उसने अपने कपड़ों को इतना ज़्यादा चमकदार बना लिया है कि पूरी बारात में सबसे ज़्यादा वही नज़र आ रहा है।

### राजस्थान का रहस्यमयी मंदिरः 800 साल से यहां राक्षस को अर्पित होता है भोग

भारत रहस्यों और आस्था की भूमि है, जहाँ हर मोड़ पर ऐसे चमत्कार देखने को मिलते हैं जो आधुनिक विज्ञान को भी रुककर सोचने पर मजबूर कर देते हैं। ऐसा ही एक चमत्कार राजस्थान के पाली ज़िले में स्थित देवी शीतला माता के प्राचीन मंदिर में देखा जा सकता है। इस मंदिर की कहानी जितनी विस्मयकारी है, उतनी ही भक्ति-भाव से भी भरी हुई है। यहाँ पिछले 800 वर्षों से एक अनोखी परंपरा चली आ रही है। एक ऐसी परंपरा जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है।

**800 साल पुराना मंदिर :** पाली ज़िले में स्थित, शीतला माता मंदिर के बारे में माना जाता है कि यह लगभग 800 साल पुराना है। यह मंदिर न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि इससे जुड़ी कई चमत्कारी कहानियों के कारण भी भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है। **रहस्यमयी ओखली का चमत्कार :** मंदिर परिसर के भीतर एक ओखली (मूसल कूटने का पात्र) है जो यहाँ आने वाले लोगों को आज भी हैरान कर देती है। कहा जाता है कि यह ओखली लगभग एक मीटर गहरी है, लेकिन इसमें चाहे कितने भी लीटर पानी क्यों न डाला जाए, यह कभी पूरी तरह से भरती नहीं है। भक्त इस घटना को देवी की दिव्य शक्ति का एक चमत्कारी रूप मानते हैं। इस मंदिर की सबसे अनोखी परंपरा यह है कि भक्त सबसे पहले एक राक्षस को *भोग* (पवित्र भोजन) चढ़ाते हैं, और उसके बाद ही देवी शीतला की पूजा करते हैं। यह परंपरा सुनने में जितनी अजीब लग सकती है, इसके पीछे की कहानी उतनी ही दिलचस्प और आस्था में गहरी जड़ें जमाए हुए है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, लगभग 800 साल पहले, इस क्षेत्र में 'बबरा' नाम का एक राक्षस रहता था। वह इतना क्रूर था कि ब्राह्मणों के घरों में होने वाले विवाह समारोहों के दौरान वह दूल्हों की हत्या कर देता था। परिणामस्वरूप, पूरा क्षेत्र भय और शोक के माहौल में डूब गया था। लोगों की प्रार्थना सुनकर, देवी शीतला ने एक छोटी बच्ची का रूप धारण किया और अपनी दिव्य शक्ति से उस राक्षस का वध कर दिया।

## जनजाति

### भारत का हिस्सा फिर भी अलग कानून

# खतरनाक द्वीप जहां कदम रखना मौत को दावत देना है

भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एक ऐसा द्वीप है जो कागजों पर भारत का हिस्सा है, लेकिन वहां की दुनिया बिल्कुल अलग है। नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड दुनिया के सबसे रहस्यमयी और खतरनाक द्वीपों में गिना जाता है। यहां रहने वाली सेंटिनली जनजाति ने हजारों सालों से बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं रखा है। भारत सरकार ने यहां आम नागरिकों के जाने पर सख्त पाबंदी लगा रखी है।

**पाषाण युग में जीने वाली आखिरी जनजाति :** नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड पर रहनेवाले सेंटिनली लोग दुनिया की आखिरी ऐसी जनजाति हैं जो आज भी पाषाण युग की तरह जीवन जी रहे हैं। ये लोग कपड़े नहीं पहनते और शिकार व मछली पकड़कर अपना गुजारा करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये जनजाति करीब 60 हजार सालों से इस द्वीप पर रह रही है। हैरानी की बात यह है कि इन्होंने खेती करना तक नहीं सीखा और आग जलाने की जानकारी भी सीमित है।

### कानूनी पाबंदी के पीछे दो अहम कारण

भारत सरकार नेअंडमान और निकोबार द्वीप समूह आदिम जनजातियों का संरक्षण विनियमन 1956 के तहत इस द्वीप के पांच समुद्री मील के दायरे में जाने पर रोक लगा रखी है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, वहां के लोगों का हिंसक होना जिससे जान का खतरा है। दूसरा और सबसे अहम कारण यह है कि सेंटिनली लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बाहरी दुनिया के मुकाबले बहुत कम है। हमारे लिए मामूली जुकाम या फ्लू भी उस पूरी जनजाति का सफाया कर सकता है।

### बाहरी दुनिया से हिंसक व्यवहार का इतिहास

सेंटिनलीलोग किसी भी बाहरी व्यक्ति को अपने करीब नहीं आने देते। जब भी कोई नाव या हेलिकॉप्टर द्वीप के पास पहुंचता है, ये लोग तीर और पत्थरों से हमला कर देते हैं। साल 2006 में दो भारतीय मछुआरे गलती से इस द्वीप के पास चले गए थे, जिन्हें आदिवासियों ने मार डाला था। उनके शवों को वापस लाने गई पुलिस और सेना को भी भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। यह हिंसक व्यवहार ही सरकार की पाबंदी की सबसे बड़ी वजह है।

### सुनामी जैसी आपदाओं में भी रहस्यमयी बचाव

नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड कासबसे बड़ा रहस्य यह है कि ये लोग बिना आधुनिक तकनीक के भीषण प्राकृतिक आपदाओं का सामना कैसे करते हैं। 2004 में जब भीषण सुनामी आई थी, भारत सरकार ने मदद के लिए हेलिकॉप्टर भेजे थे। तब यह देखकर हैरानी हुई कि ये लोग न सिर्फ सुरक्षित थे, बल्कि उन्होंने मदद लेने के बजाय हेलिकॉप्टर पर तीर चलाकर अपनी नाराजगी जताई थी।

### नौसेना की निगरानी और सरकार की नीति

इस द्वीप की संवेदनशीलता को देखते हुए भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल लगातार इस इलाके की गश्त करते हैं। किसी भी पर्यटक या शोधकर्ता को वहां जाने की अनुमति नहीं दी जाती। सरकार की नीति हस्तक्षेप न करने की है। यह भारत की इकलौती ऐसी जगह है जहां संप्रभुता भारत की है, लेकिन शासन वहां के आदिवासियों का चलता है। यह द्वीप आज भी विज्ञान और

### अंतरिक्ष में मिला बड़ा बादल... पृथ्वी के सभी समंदर से 140 लाख करोड़ गुना ज्यादा पानी

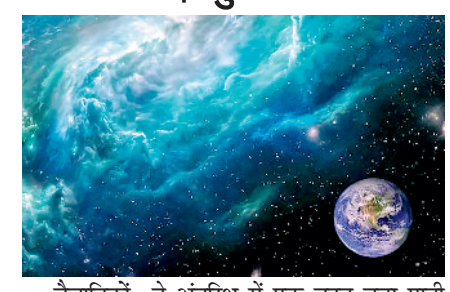

वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ा पानी बादल खोजा है। ये जिस जगह पर है, वहां अभी तक न कोई इंसान या स्पेसक्राफ्ट नहीं जा पाया है। यह पृथ्वी से 12 अरब प्रकाश वर्ष दूर है। इस बादल में धरती पर मौजूद सभी महासागरों से 140 लाख करोड़ गुना ज्यादा पानी है। इससे पता चलता है कि हमारा ब्रह्मांड कितना बड़ा है। पानी इतनी बड़ी मात्रा में होने से उम्मीद जगती है कि हम ब्रह्मांड में अकेले नहीं हैं। ये हमें प्रेरित करता है कि हम और ज्यादा खोज करें और ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने की कोशिश जारी रखें।

ये पानी का बादल ब्रह्मांड के शुरुआती समय का है, जब आकाशगंगाएं बन रही थीं। ब्लैक होल अपने चारों तरफ के गैस को आकार दे रहे थे। ये बादल एक क्वासर के आसपास है, जिसके सेंटर में एक बड़ा ब्लैक होल है। ब्लैक होल इतना भारी है कि वह सूरज से 20 अरब गुना ज्यादा वजन है। ब्लैक होल के चारों तरफ गर्म गैस है, जिसमें पानी की भाप बहुत ज्यादा है।

### अंतरिक्ष में इतना पानी यानी जीवन का सोर्स

वैज्ञानिक इस खोज से हैरान हैं क्योंकि पानी जीवन के लिए बहुत जरूरी है। अगर ब्रह्मांड के इतने शुरुआती समय में इतना पानी था, तो शायद जीवन की शुरुआत हमारी सोच से बहुत पहले हो चुकी होगी। ये बताता है कि पानी और जीवन के लिए जरूरी चीजें पूरे ब्रह्मांड में फैली हुई हैं, सिर्फ हमारे सौर मंडल तक सीमित नहीं हैं।

# पूर्व डिप्टी सीएम के बेटे-बहू-पोती की हत्या, 2 को उम्रकैद, तीन हुए बरी

## हाईकोर्ट का फैसला, पैसे के लिए रिश्तेदार ने मारा था

बिलासपुर। अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम के बेटे-बहू और पोती की हत्या के 2 आरोपियों को उम्रकैद की सजा हाईकोर्ट ने सुनाई है। मामले में 5 आरोपियों को दोषी ठहराया गया था, कोर्ट ने सबूतों के अभाव में 3 को बाइज्जत बरी कर दिया है। वारदात 2021 में हुई थी जब आरोपियों ने घर में घुसकर परिवार के 3 सदस्यों की धारदार हथियार से हत्या की थी। आरोप था कि जमीन विवाद और पैसों के लेन-देन को लेकर परिवार के ही बड़े बेटे, बहू, साले और उसके साथी ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। जांच के बाद आरोपियों में बेटा बहू को संदेह का लाभ मिला जबकि साले और दोस्त को सजा हुई है। कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र के भैंसमा गांव में प्यारे लाल कंवर का परिवार रहता था। उनके 2 बेटों में पैसों और जमीन के लेनदेन को लेकर विवाद था। 21 अप्रैल 2021 को छोटे बेटे, उनकी बहू और 4 साल की पोती की हत्या हुई थी। हत्यारों ने तीनों के चेहरे, सिर, गर्दन, मुंह, नाक, कान, पैर पर धारदार हथियार से कई बार हमला किया था। जांच में सामने आया था कि बड़े भाई हरभजन के साले और उसके साथी ने घर घुसकर धारदार हथियार से वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

### निचली अदालत ने सुनाई थी उम्रकैद

तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार नंदेश्वर की अदालत में सरकारी अभिभाषक कृष्णा द्विवेदी ने सभी ठोस साक्ष्य प्रस्तुत किए। इन साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने एक महिला और चार पुरुष सहित कुल पांच आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। जिसके बाद आरोपियों ने हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती दी। अब हाईकोर्ट ने अपने फैसले में दो आरोपियों परमेश्वर और रामप्रसाद मन्नेवार को उम्रकैद की सजा दी है तो तीन अन्य आरोपी हरभजन सिंह कुंवर, उनकी पत्नी धनकुवंर, सुरेंद कुमार कंवर को बरी कर दिया है।

# युद्ध की परिस्थितियों में भी सुरक्षित हैं ईरान में मौजूद मंदिर

ईरान और अमेरिका-इज़राइल गठबंधन के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरी दुनिया को उथल-पुथल में डाल दिया है। दोनों तरफ से हमले लगातार जारी हैं। आसमान से बरसती मिसाइलों ने दोनों पक्षों को भारी नुकसान पहुँचाया है। अब तक, कई इज़राइली और अमेरिकी लोगों की जान जा चुकी है। इस संघर्ष के बीच ईरान में एक हिंदू मंदिर भी सुर्खियों में आ गया है।

**विष्णु मंदिर की विशेषताएं :** भगवान विष्णु को समर्पित इस मंदिर को एक शानदार इमारत के रूप में वर्णित किया गया है। मंदिर के अंदर एक चौकोर कमरा है, जिसके ऊपर एक बड़ा गुंबद बना हुआ है। इस मंदिर का निर्माण मूंगा पत्थर, गारा, मिट्टी और *लुई* (चूने) के प्लास्टर का उपयोग करके किया गया था। मंदिर में भगवान कृष्ण की कई मूर्तियाँ भी स्थापित हैं। हिंदू शास्त्रों के अनुसार, भगवान कृष्ण को भगवान विष्णु का आठवां और पूर्ण अवतार माना जाता है।

### 130 साल पुराना हिंदू मंदिर

ईरान में हिंदू आबादी बहुत कम है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, 2010 में ईरान में लगभग 20,000 हिंदू रहते थे। बंदर अब्बास ईरान में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित एक शहर में एक लोकप्रिय हिंदू मंदिर है। भगवान विष्णु को समर्पित, यह मंदिर लगभग 130 साल पुराना बताया जाता है। इस मंदिर का पुनर्निर्माण 1982 में किया गया था। इसे मूल रूप से मोहम्मद हसन खान साद-अल-मुल्क ने बनवाया था। ऐसा व्यापक रूप से माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी में काम करने वाले भारतीय मजदूरों ने किया था।

# धरती पर बहने वाली दुनिया की सबसे लंबी और विशाल नदियां

नदियां इस धरती पर तब से बह रही हैं जब इंसानों का वजूद भी नहीं था, आज ये हमारी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा हैं। वैसे तो दुनिया में लाखों नदियां हैं, लेकिन क्या आप जानते है कि कि दुनिया की सबसे लंबी नदियां कौन सी हैं?

**गंगा भारत की सबसे लंबी नदी :** गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है, जिसकी कुल लंबाई करीब 2, 525 किमी है। गंगा नदी उत्तराखंड के गंगोत्री ग्लेशियर से निकलकर, भारत के पांच राज्यों से बहते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया की सबसे लंबी नदियां कौन सी है?

**नील नदी :** नील दुनिया की सबसे लंबी नदी है, जिसकी लंबाई लगभग 6,650 किमी है। यह नदी उत्तर-पूर्वी अफ्रीका से शुरू होकर अफ्रीका के युगांडा, सूडान और मिस्र जैसे 11 देशों से होकर भूमध्य सागर में जाकर मिल जाती है।

### धरती की सबसे विशाल नदी अमेजन

अमेजन को धरती की सबसे विशाल नदी का टैग मिला हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नदी की लंबाई करीब 6,400 किमी है। अमेजन नदी पेरू, कोलंबिया और ब्राजील से होकर बहती है। इसके किनारे दुनिया की करीब 40 प्रतिशत जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों की प्रजातियां रहती हैं।

**एशिया की सबसे लंबी नदी चीन की यांग्त्जी :** चीन की यांग्त्जी नदी एशिया की सबसे लंबी नदी है, जिसकी लंबाई करीब 6,397 किमी के आसपास है। यह नदी तिब्बत पठार के ग्लेशियर से निकलकर पूर्वी चीन सागर में गिरती है। इसकी सबसे मजेदार बात यह है कि यह सिर्फ चीन में ही बहती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com